रांची, धनबाद एवं पटना से प्रकाशित

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

मौसम		
शहर	अधिकतम	न्यूनतम
धनबाद	33.3	28.1
जमशेदपुर	35.5	26.2
डालटनगंज	34.0	25.9

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

* *

www.lagatar.in रांची, सोमवार 15 जुलाई 2024 ● आषाढ़ शुक्ल पक्ष 10 संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ 6 ● वर्ष : 2, अंक : 97 आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

जुआड़ी बनता समाज

सुरजीत सिंह

पहले इंडिया फाउंडेशन ने एक रिसर्च किया. रिसर्च का विषय है लॉटरी इन इंडिया. यानी भारत में लॉटरी. लॉटरी यानी जुआ. जुआ को अब लॉटरी, ऑनलाइन गेम, कसीनो, सट्टा बाजार, मटका आदि नाम से जाना जाने लगा है.

शेयर बाजार के फ्यूचर एंड ऑप्शन को भी एक तरह से जुआ ही माना जाता है. फाउंडेशन ने तीन पेपर जारी किए हैं. व्हाइट पेपर, सर्वे रिपोर्ट और रेगुलेटरी पर. इस रिपोर्ट के मुताबिक देश के 54 करोड़ लोग जुआ खेलते हैं. यानी जुआड़ी बन चुके हैं. अलग-अलग तरह के जुआ से केंद्र व राज्यों की सरकारों को जितना टैक्स मिलता है, उतनी राशि से गरीबों के लिए चलने वाली चार बड़ी योजनाएं चल रही हैं. उनमें मनरेगा, जल जीवन मिशन, नेशनल हेल्थ मिशन और नेशनल एजुकेशन मिशन जैसी योजनाएं शामिल हैं. चारों योजनाएं गरीबों के लिए हैं और गरीब ही अमीर बनने के लिए लॉटरी टिकट खरीदते हैं.

तथ्य

- देश में लॉटरी का कारोबार 2.50–2.75 लाख करोड़ रुपए का है.
- **लॉटरी का कारोबार पांच प्रतिशत की दर से सालाना बढ़ रहा है.**
- सरकार को लॉटरी से एक लाख करोड़ रुपए का टैक्स मिलता है.
- **एक टिकट पर सरकार को औसतन 33 रुपए टैक्स मिलता है.**
- गरीबों के लिए बनी चार योजनाओं से अधिक टैक्स सिर्फ लॉटरी से.
- **देश में लॉटरी के जितने टिकट बिकते हैं, वह प्रति व्यक्ति 92 है.**
- कसीनो के कारोबार से सरकारों को 820 करोड़ टैक्स मिलता है.
- **देश के 54 करोड़ लोग ऑनलाइन गेम में हिस्सा लेते हैं.**
- ऑनलाइन गेम से सरकार को करीब 8000 करोड़ का टैक्स मिलता है.
- **सट्टा बाजार का कारोबार सालाना करीब पांच लाख करोड़ का है.**

अवैध कारोबार वैध से ज्यादा !

लॉटरी, कसीनो, ऑनलाइन गेम, सट्टा बाजार जैसे जुआ का जो आंकड़ा सामने है, वह सरकार की जानकारीवाला है. इसके अलावा भी हर राज्य, हर शहर में अवैध तरीके से जुआ का कारोबार चल रहा है. यह कारोबार पुलिस-प्रशासन की जानकारी में चल रहा है. इससे होने वाली कमाई का एक तय हिस्सा पुलिस-प्रशासन के अफसरों को मिलता है. इससे होने वाली कमाई का आंकड़ा रिपोर्ट में नहीं है. लेकिन इस कारोबार को जानने वाले बताते हैं कि जुए का अवैध कारोबार वैध कारोबार से कहीं ज्यादा है.

दो बड़े सवाल ?

1. क्या हमारा समाज जुआड़ी बनने की राह पर निकल पड़ा है ?
2. क्या हमारी केंद्र और राज्यों की सरकारों को इसकी चिंता है ?

कहीं जुआड़ियों का देश न बन जाए

अलग-अलग तरह के जुआ के कारोबार की रफ्तार जिस तेजी से बढ़ रही है, वह इस अंदेशे को जन्म दे रहा है कि कहीं हमारा पूरा देश जुआ खेलने वाले जुआड़ियों का देश न बन जाए. गरीब तबके के लोग लॉटरी टिकट खरीदते हैं, जबकि मिडिल क्लास के लोग ऑनलाइन गेम में जुआ की लत पाल रखे हैं. मिडिल क्लास के लोग फ्यूचर एंड ऑप्शन में भी अपनी कमाई की राशि गंवा रहे हैं. पहले इंडिया फाउंडेशन की रिपोर्ट के मुताबिक देश में लॉटरी का कारोबार सालाना 5.1 प्रतिशत की दर से बढ़ रहा है. अभी यह कारोबार सालाना 2.50-2.57 लाख करोड़ के बीच है. देश में हर साल 119 करोड़ लॉटरी के टिकट बिकते हैं. केरल को सैंपल राज्य के रूप में लेकर किए गए रिसर्च से पता चला है कि लॉटरी के जितने टिकट बिकते हैं, वह आंकड़ा प्रति व्यक्ति प्रति वर्ष 92 टिकटों का है. गोवा से शुरू होकर कसीनो का कारोबार देश के दूसरे हिस्से में फैलने की योजना बना रखा है. सरकार की मंजूरी के बाद यह अलग-अलग राज्यों में भी शुरू होनेवाला है. अभी इस कारोबार से करीब 820 करोड़ रुपए का टैक्स सरकार को मिलता है. ऑनलाइन गेम में देश के 54 करोड़ लोग हिस्सा ले रहे हैं. सालाना 25 हजार करोड़ का यह कारोबार तेजी से बढ़ रहा है. सरकारों को इस कारोबार से सालाना करीब 8000 करोड़ रुपए टैक्स के रूप में मिलते हैं. युवा और अधेड़ इसकी चपेट में हैं. सेबी और तमाम एजेंसियां यह चेतावनी देती रहती हैं कि शेयर बाजार के फ्यूचर एंड ऑप्शन से लोग दूर रहें, लेकिन जुआड़ी बन चुके लोग इसमें खूब किस्मत आजमा रहे हैं. हाल ही में सेबी ने कहा था कि फ्यूचर एंड ऑप्शन में पैसा लगाने वाले 90 प्रतिशत लोगों की जमा-पूंजी खत्म हो जाती है. सिर्फ 10 प्रतिशत लोग ही कमाई कर पाते हैं. इसके बाद भी इसके प्रति लोगों का आकर्षण कम नहीं हो रहा है. इस कारोबार की सालाना ग्रोथ 52 प्रतिशत है. वर्ष 2023 में फ्यूचर एंड ऑप्शन में 8.00 लाख करोड़ रुपए लगे थे. इसी तरह देखते-देखते सट्टा बाजार हमारे घरों तक घुस गया है. क्रिकेट हो, लोकसभा चुनाव हो, विधानसभा चुनाव हो या किसी दूसरे तरह की प्रतियोगिता, सट्टा बाजार हर जगह है. रिसर्च के मुताबिक देश के लोग सालाना पांच लाख करोड़ रुपए सट्टा बाजार में लगाते हैं.

मणिपुर में सीआरपीएफ के काफिले पर हमला

एक जवान शहीद, 3 पुलिसकर्मी घायल

एजेंसी। जीरीबाम

मणिपुर के जीरीबाम के मोंगबंग में रविवार सुबह उग्रवादियों के हमले में सीआरपीएफ का एक जवान शहीद हो गया. इस हमले में तीन जवान घायल भी हुए हैं. बिहार के रहने वाले अजय झा को सिर में गोली लगी और उन्हें अस्पताल में मृत घोषित कर दिया गया. घायल जवानों का इलाज हो रहा है और उनकी हालत खतरे से बाहर है.

पुलिस ने बताया कि शनिवार रात को गोलियों की आवाजें सुनी गई थीं. उसी की जांच में जवान मौके पर जा रहे थे. मोंगबंग में अतिरिक्त सुरक्षा बल तैनात किए गए हैं. 20 बटालियन सीआरपीएफ और जीरीबाम जिला पुलिस की संयुक्त टीम एक साथ ऑपरेशन में लगी हुई थी. इसी दौरान घात लगाकर बैठे उग्रवादियों ने उनपर हमला कर दिया. हमला सुबह करीब 9 बजकर 40 मिनट पर किया गया.

इंफाल में बड़ी संख्या में हथियार बरामद : इस बीच, पुलिस ने इंफाल ईस्ट और वेस्ट जिलों से भारी संख्या में हथियार जब्त किए हैं. पुलिस ने बताया कि इंफाल ईस्ट जिले से एक एके-56 राइफल, एक एसएलआर, एक स्थानीय निर्मित एसएलआर, एक .38 पिस्टल, चार 9एमएम की पिस्टल, एक .32 बोर की पिस्टल, दो हैंड ग्रेनेड और 25 कारतूस बरामद किए हैं.

सर्राफा

सोना (बिक्री)	69,300
चांदी (किलो)	98,000

ब्रीफ खबरें

पीएम मोदी के एक्स पर 10 करोड़ फॉलोअर

नयी दिल्ली। पीएम नरेंद्र मोदी के रविवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर 100 मिलियन यानी 10 करोड़ फॉलोअर्स हो गए. इसके साथ वो सबसे अधिक फॉलो किए जाने वाले ग्लोबल लीडर बन गए. एक्स पर मोदी की लोकप्रियता को देखते हुए, दुनिया भर के नेता उनसे से जुड़ने के लिए उत्सुक हैं क्योंकि इससे उनके फॉलोअर्स, व्यूज व रीपोस्ट में इजाफा होता है.

जगन्नाथ मंदिर का रत्न भंडार 46 साल बाद खुला

भुवनेश्वर। ओडिशा के पुरी में स्थित 12वीं सदी के जगन्नाथ मंदिर का रत्न भंडार 46 साल बाद रविवार दोपहर को फिर से खोला गया. अधिकारियों ने यह जानकारी दी. - पेज 12 भी देखें

दो लाख करोड़ 'मित्रों' की जेब में गए: कांग्रेस

नयी दिल्ली। व्यक्तिगत आयकर संग्रह के कॉरपोरेट कर संग्रह से अधिक होने को लेकर कांग्रेस ने रविवार को आरोप लगाया कि कॉरपोरेट कर में कटौती से दो लाख करोड़ रुपए मोदी जी के अरबपति मित्रों की जेब में चले गए हैं, जबकि मध्यम वर्ग पर भारी कर का बोझ जारी है.

चुनावी रैली में ट्रंप पर जानलेवा हमला, कान के ऊपर लगी गोली

हमलावर मारा गया, एक और की गई जान, दो घायल

ललित के झा। शिकागो/वाशिंगटन।

अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर पेनसिल्वेनिया में शनिवार को चुनावी रैली में एक युवक ने गोलियां चलाईं और एक गोली ट्रंप के दाहिने कान के ऊपरी हिस्से में लगी, लेकिन उनकी हालत ठीक है. यह घटना मिल्वाकी में रिपब्लिकन नेशनल कन्वेंशन से दो दिन पहले हुई. इस सम्मेलन में ट्रंप को राष्ट्रपति चुनाव के लिए औपचारिक रूप से पार्टी का उम्मीदवार घोषित किया जाएगा. ट्रंप ने पेनसिल्वेनिया के बटलर में रैली को संबोधित करना शुरू ही किया था कि गोलियां चलने लगीं. घटना की वीडियो फुटेज में देखा जा सकता है कि गोलियां चलने के दौरान ट्रंप ने अपने दाहिने कान पर हाथ रख लिया. वहां अफरा-तफरी मच गई और इसी दौरान किसी ने जोर से कहा नीचे बैठो, नीचे बैठो. इसके बाद, सीक्रेट सर्विस के एजेंटों ने ट्रंप को बचाने के लिए उन्हें सुरक्षा घेरे में ले लिया. कार्यक्रम स्थल पर मौजूद लोग जान बचाने के लिए इधर-उधर भागने लगे. हमले के बाद, पूर्व राष्ट्रपति के दाहिने कान के ऊपरी हिस्से से खून निकलने लगा, उन्हें तुरंत मंच से बाहर ले जाया गया. ट्रंप ने भीड़ की ओर मुट्ठी बांध कर हाथ हवा में लहराया और कहा कि हम मुकाबला करेंगे. इसके बाद, उन्हें कार में बिठाकर पिट्सबर्ग क्षेत्र के एक अस्पताल ले जाया गया. घटना की जांच हत्या के प्रयास मामले के तौर पर की जा रही है. सीक्रेट सर्विस के एक सदस्य ने हमलावर को मार गिराया. अभियान दल के प्रवक्ता ने कहा कि पूर्व राष्ट्रपति ठीक हैं.

हमलावर की हुई पहचान : संघीय जांच एजेंसी एफबीआई ने हमलावर की पहचान बेथेल पार्क के रहने वाले 20 वर्षीय थॉमस मैथ्यू क्रुक्स के रूप में की है. उन्होंने कहा, इस बात की गहन जांच की जाएगी कि असल में क्या हुआ था और वह व्यक्ति उस स्थान तक कैसे पहुंचा, उसके पास किस तरह का हथियार था. इस जांच में कई दिन, हफ्ते और महीने लग सकते हैं.

बाइडन ने ट्रंप से की बात : व्हाइट हाउस के एक अधिकारी ने बताया कि अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने नवंबर में होने वाले चुनाव में अपने प्रतिद्वंद्वी ट्रंप से बात की है. बाइडन ने कहा कि हत्या के प्रयास की हर किसी को निंदा करनी चाहिए. ट्रंप पर हमले की घटना के करीब दो घंटे बाद बाइडन ने राष्ट्र को संबोधित करते हुए कहा, हम ऐसा नहीं होने दे सकते. अमेरिका में इस तरह की हिंसा पहले कभी नहीं सुनी.

ट्रंप का पहला रिएक्शन... भगवान ने बचाया

डोनाल्ड ट्रम्प की हमले के बाद पहली प्रतिक्रिया आई है. ट्रंप ने कहा, आपके विचारों और प्रार्थनाओं के लिए आप सभी का धन्यवाद, क्योंकि यह केवल ईश्वर ही था, जिसने अकल्पनीय घटना को होने से रोका. हम डरेंगे नहीं, बल्कि अपने विश्वास में दृढ़ रहेंगे और दुष्टता का सामना करने के लिए दृढ़ रहेंगे. हमारा प्यार अन्य पीड़ितों और उनके परिवारों के लिए है. हम उन लोगों के ठीक होने की प्रार्थना करते हैं, जो घायल हुए और हमारे दिलों में उस नागरिक की याद है जो इतनी बुरी तरह मारा गया. इस समय, यह पहले से कहीं ज्यादा महत्वपूर्ण है कि हम एकजुट रहें और अमेरिकियों के रूप में अपना असली चरित्र दिखाएं. मजबूत और दृढ़ रहें और बुराई को जीतने न दें. मैं वास्तव में अपने देश से प्यार करता हूं और आप सभी से प्यार करता हूं और इस सप्ताह विस्कॉन्सिन से हमारे महान राष्ट्र से बात करने के लिए उत्सुक हूं.

सबने की हमले की निंदा

राष्ट्रपति जो बाइडन, उपराष्ट्रपति कमला हैरिस और पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा, जॉर्ज डब्ल्यू बुश और बिल क्लिंटन ने ट्रंप पर हुए हमले की निंदा की है. हैरिस ने कहा कि उन्हें इस बात से राहत मिली है कि ट्रंप गंभीर रूप से घायल नहीं हुए. हैरिस ने एक बयान में कहा, हम उनके, उनके परिवार और उन सभी लोगों के लिए प्रार्थना कर रहे हैं जो (ट्रंप) बेवजह की गई इस गोलीबारी से घायल हुए हैं. ट्रंप की बेटी इवांका ट्रंप ने घटना के संबंध में एक बयान जारी किया. उन्होंने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, पेनसिल्वेनिया के बटलर में बेवजह की गई गोलीबारी में मेरे पिता के प्रति और अन्य पीड़ितों के प्रति आपके प्यार और प्रार्थनाओं के लिए धन्यवाद.

लोकतंत्र में हिंसा का कोई स्थान नहीं : मोदी

पीएम नरेंद्र मोदी ने डोनाल्ड ट्रंप पर हुए हमले की कड़ी निंदा की और कहा कि राजनीति और लोकतंत्र में हिंसा का कोई स्थान नहीं है. मोदी ने एक्स पर पोस्ट में कहा, मेरे मित्र पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप पर हुए हमले से बेहद चिंतित हूं. घटना की कड़ी निंदा करता हूं. राजनीति और लोकतंत्र में हिंसा का कोई स्थान नहीं है. उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं.

ऐसे कृत्यों की कड़ी निंदा की जानी चाहिए : राहुल

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने डोनाल्ड ट्रंप की हत्या की कोशिश किये जाने पर रविवार को गहरी चिंता जताई और कहा कि ऐसे कृत्यों की कड़ी से कड़ी निंदा की जानी चाहिए. राहुल ने ट्रंप के शीघ्र एवं पूर्ण रूप से स्वस्थ होने की कामना भी की. उन्होंने कहा कि राजनीति और लोकतंत्र में हिंसा के लिए कोई स्थान नहीं है.

हेमंत ने काशी विश्वनाथ मंदिर में की पूजा-अर्चना

सीएम हेमंत सोरेन ने अपनी पत्नी कल्पना सोरेन के साथ रविवार को बनारस में श्री काशी विश्वनाथ मंदिर में पूजा-अर्चना की. सीएम ने बाबा विश्वनाथ महादेव से झारखंड वासियों की सुख, शांति, समृद्धि और स्वास्थ्य की कामना की. विश्वनाथ मंदिर में पूजा के बाद सीएम काल भैरव के मंदिर पहुंचे और वहां भी माथा टेका. - पेज 2 भी देखें

फैसला राज्य के सरकारी सेवकों के होम लोन की प्रक्रिया में आंशिक संशोधन

30 लाख की जगह अब मिलेगा 60 लाख का होम लोन

रवि भारती। रांची

राज्य के सरकारी सेवकों को होम लोन देने की प्रक्रिया में आंशिक संशोधन किया गया है. इसके तहत पूर्व में प्रावधान किया गया था कि 10 अक्तूबर 2014 के बाद और इस आदेश के निर्गत होने के पूर्व यदि किसी कर्मचारी को गृह निर्माण अग्रिम की स्वीकृति प्राप्त हुई हो, तो उसे वर्तमान में अनुमान्य अग्रिम एवं पूर्व में स्वीकृत अग्रिम के अंतर राशि के बराबर की सीमा तक नई अग्रिम स्वीकृत की जा सकती है. इस प्रावधान को संशोधन करते हुए कहा गया है कि वर्तमान स्वीकृत राशि पर पूर्व में स्वीकृत अग्रिम को जोड़कर कुल अग्रिम राशि पर नई दर लागू होंगी. वित्त विभाग ने इसका संकल्प जारी कर दिया है. जारी संकल्प में कहा गया है कि उक्त प्रावधानों के आलोक में गृह निर्माण अग्रिम के अंतर राशि की स्वीकृति से संबंधित प्राप्त आवेदनों तथा वैसे आवेदक, जिनको गृह निर्माण अग्रिम की स्वीकृति दिनांक 10 अक्तूबर 2014 से पूर्व में प्रदान की गई हो, परन्तु उनके द्वारा अंतर राशि के लिए आवेदन समर्पित ना किया हो, वैसे आवेदनों के निष्पादन में व्यवहारिक कठिनाई उत्पन्न हो रही थी.

राज्य सरकार के सभी से बी वर्ग को समान रूप से गृह निर्माण अग्रिम की स्वीकृति के लिए झारखंड वित्त नियमावली के नियम 393 का शिथिलीकरण एवं अन्य प्रावधानों में संशोधन की स्वीकृति दी गई है. सरकारी कर्मचारियों को पूर्व से मिलने वाले होम लोन को 30 लाख रुपए के प्रावधान को बढ़ाकर 60 लाख रुपए देने का प्रावधान किया गया है. यह लोन 7.5 फीसदी ब्याज दर पर दिया जाएगा. लोन के विरुद्ध संपत्ति के बंधक रखने की अनिवार्यता भी समाप्त कर दी गई है. बताते चलें कि गृह निर्माण अग्रिम राशि के अंतर राशि की स्वीकृति में हो रही व्यावहारिक कठिनाई को ध्यान में रखते हुए पूर्व में स्वीकृत अग्रिम राशि में वृद्धि संबंधी प्रावधानों में आंशिक सुधार करने से संबंधित प्रावधान सरकार के समक्ष विचाराधीन था.

- पूर्व में रिलीज राशि को जोड़ कर कुल राशि पर लागू होगी नई दर
- **गृह निर्माण के लिए लोन 7.5 फीसदी ब्याज दर पर दिया जाएगा**
- लोन के लिए संपत्ति बंधन रखने की अनिवार्यता भी समाप्त

अब ये होंगी शर्तें

- 15 नवंबर 2000 के बाद और इस आदेश के पूर्व यदि किसी कर्मचारी को गृह निर्माण अग्रिम स्वीकृत हुई हो, तो उसे वर्तमान में अनुमान्य अग्रिम के बराबर की सीमा तक नई अग्रिम स्वीकृत की जाती है. लेकिन कुल देय अग्रिम की अधिसीमा 60 लाख रुपए से अधिक नहीं होगी.
- **पूर्व में स्वीकृत राशि पर पूर्व निर्धारित दर एवं संकल्प संख्या 91 एक फरवरी 2024 के निर्गमन तिथि के उपरांत स्वीकृत किये गये गृह निर्माण अग्रिमों पर नई ब्याज दर लागू होगी.**
- इस नियम के तहत सेवाकाल में एक बार ही गृह निर्माण अग्रिम(अंतर राशि) स्वीकार्य होगा. जिन आवेदकों को पूर्व में गृह निर्माण अग्रिम के अंतर राशि की स्वीकृति प्रदान की जा चुकी है, वे अभिवृद्धि के पात्र नहीं होगे.

गौरव गोगोई लोस में कांग्रेस के उपनेता बने

नयी दिल्ली। कांग्रेस के गौरव गोगोई लोकसभा में पार्टी के उपनेता बनाए गए हैं. कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल ने एक्स पर पोस्ट में बताया कि कांग्रेस सीएलपी सोनिया गांधी ने अध्यक्ष बिरला को पत्र लिखकर उन्हें लोकसभा में कांग्रेस के उपनेता, मुख्य सचेतक और दो सचेतक नियुक्त करने की जानकारी दी है. गोगोई लोस में पार्टी के उप नेता होंगे, जबकि केरल से 8 बार के सांसद के. सुरेश पार्टी के मुख्य सचेतक होंगे. विरुधुनगर के सांसद मणिकम टैगोर और किशनगंज के मो. जावेद लोस में पार्टी के सचेतक होंगे. इससे पहले, पार्टी ने राहुल गांधी को लोस में विपक्ष का नेता नियुक्त किया था. राहुल गांधी के मार्गदर्शन में कांग्रेस और इंडिया गठबंधन के दल लोकसभा में जनता के मुद्दों को जोरदार ढंग से उठाएंगे.

- केरल से सांसद के. सुरेश होंगे मुख्य सचेतक

केंद्र ने झारखंड से 10 खनिज ब्लॉक की नीलामी को कहा

चेतावनी भी दी, कहा- आप नहीं करेंगे, तो हम कर देंगे

एजेंसी। नयी दिल्ली

केंद्रीय खान मंत्रालय ने झारखंड से सोने की एक खदान सहित 10 खनिज ब्लॉक की नीलामी करने को कहा है. साथ ही चेतावनी दी है कि यदि राज्य ऐसा करने में विफल रहा, तो केंद्र इन खानों की नीलामी प्रक्रिया शुरू करेगा. सूत्रों ने यह जानकारी दी.

उन्होंने कहा कि ये ब्लॉक खोज के जी2 (सामान्य) और जी3 (प्रारंभिक) स्तर के हैं. 10 ब्लॉक में एक तांबे की, एक चूना पत्थर व एक ग्रेफाइट खदान शामिल है. 2021 में खनन नियमों में संशोधन के बाद यदि राज्य पारस्परिक रूप से सहमत अवधि के भीतर खदानों की नीलामी नहीं करता है, तो केंद्र के पास खनिज ब्लॉक की नीलामी करने का अधिकार है. जब खनिज ब्लॉकों की नीलामी की बात आती है, तो झारखंड सरकार पिछड़ रहा है. भूवैज्ञानिक सर्वे द्वारा राज्य सरकार को सौंपी गई 38 रिपोर्टों में से अबतक केवल पांच का उपयोग नीलामी के लिए किया गया है. राज्य ने 2021 तक 15 ब्लॉक की नीलामी का आश्वासन दिया. लेकिन, राज्य केवल चार ब्लॉक की नीलामी की. शेष 11 खदानों में से एक पोटाश ब्लॉक महत्वपूर्ण है और केंद्र इसकी नीलामी करेगा. शेष 10 ब्लॉक को अब भी राज्य को नीलाम करना है.

सीएम हेमंत पहुंचे बनारस, पत्नी संग विश्वनाथ मंदिर में की पूजा

इंडिया गठबंधन की जीत पर बोले, प्रतिस्पर्धा है लोकतंत्र का

प्रमुख संवाददाता। रांची

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन रविवार को बनारस पहुंचे. वहां उन्होंने बनारस की गलियों का मुआयना भी किया. कहा कि बनारस की गलियों में दुनिया का सार छिपा है इसके बाद उन्होंने पत्नी कल्पना संग काशी विश्वनाथ मंदिर में पूजा अर्चना की. बाबा विश्वनाथ महादेव जी के दर्शन कर राज्यवासियों की सुख, शांति, समृद्धि और स्वास्थ्य की कामना की. वहां मीडिया से बातचीत में कहा कि मेरा बनारस से पुराना लगाव है. मेरा बनारस आना-जाना लगा रहता है. इस शहर को लेकर मेरी आस्था और भक्ति है. यह शहर मुझे पसंद है.

बनारस की गलियों में छिपा है दुनिया का सार

इंडिया गठबंधन की जीत के सवाल पर तार्किक जवाब

झारखंड के सीएम हेमंत सोरेन ने इंडिया गठबंधन की जीत पर बड़े ही तार्किक अंदाज में जवाब दिया. कहा कि अब देश की जनता से इस बात को पूछा जाना चाहिए कि उन्होंने इंडिया गठबंधन को क्यों चुना. इसमें ज्यादा कुछ कहने की जरूरत नहीं है. फिर उन्होंने कहा कि अब यह प्रतिस्पर्धा है इस लोकतंत्र की. जनता ही सर्वोपरि है. जनता सबकुछ जानती और समझती है. इससे पहले हेमंत सोरेन ने शनिवार को दिल्ली में कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी से मुलाकात की थी.

राजधानी रांची में गरजे केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान, कहा

ये बालू लूटने वाली सरकार है

प्रमुख संवाददाता। रांची

केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कांग्रेस और जेएमएम के खिलाफ आक्रमक तेवर दिखाए. राजधानी रांची के धुर्वा स्थित सरस्वती शिशु विद्या मंदिर में आयोजित में आयोजित विजय संकल्प सभा को संबोधित करते हुए कहा कि कांग्रेस को ऐसा लग रहा है कि 99 सीटें प्राप्त कर उनने बड़ा तीर मार लिया हो. राहुल को चिंदी मिल गई तो बजाज बन गए. हमारी 243 और एनडीए के साथ 293 और जब अध्यक्ष के चुनाव की बारी आई तो पूरा इंडिया ब्लॉक कांग्रेस और उनके साथी मैदान छोड़कर भाग गए. उनको पता था कि बहुत बुरा हारेंगे, क्योंकि लोकसभा में संसद में भारी बहुमत नरेंद्र मोदी को प्राप्त हुआ है. कांग्रेस और जेएमएम तो लगता है झूठ बोलने की मशीन हैं. गलत नैरेटिव सेट करते हैं. बीजेपी कार्यकर्ताओं की पार्टी है. राहुल गांधी के सदन में दिए बयान पर कहा कि राहुल गांधी को हिंदू के बारे में पता नहीं है.

- कांग्रेस ने 99 सीट लाकर कौन सा तीर मार लिया
- स्पीकर के चुनाव में लग गया उन्हें अपनी ताकत का पता
- राहुल गांधी को हिंदू के बारे में पता नहीं
- झारखंड में हर चीज का फिक्स है रेट
- झारखंड बचाओ-भाजपा लाओ

81 विधानसभा सीटों में 52 पर बीजेपी रही है आगे : झारखंड में क्या हुआ 14 में से हम 9 सीटें जीतें हैं. और इसी को विधानसभा में बदल दिया जाए तो हम 81 में से 52 सीटों पर आगे रहे हैं. कभी अग्निवीर के बारे में झूठ कभी एमएसपी नहीं दे रहे, ये झूठ बोलते हैं. तुम्हारी सरकार जहां होगी वहां गड़बड़ होती होगी. हमारी सरकारें सब जगह दे रही हैं.

राहुल बाबा हिंदुत्व की पहचान तुम क्या जानो? : चौहान ने कहा कि कभी कहते हैं हिंदू हिसंक है. राहुल बाबा हिंदुत्व की पहचान तुम क्या जानो? ये मेरा है, ये तेरा है ये सोच छोटे दिल वालों की होती है. जो विशाल हृदय के होते हैं वो कहते हैं सारी दुनिया ही एक परिवार है. ये हिंदुत्व है. धर्म की जय हो अधर्म का नाश हो ये हिंदुत्व है. और केवल मनुष्य में नहीं प्राणियों में सद्भावना हो ये हिंदुत्व है. ''सब सुखी हो'', ''सब निरोग हो'', ''सबका मंगल हो'', ''सबका कल्याण हो'' ये हिंदुत्व है. और ये भारत की हजारों साल पुरानी परंपरा हैं.

झामुमो ने एक भी वादा पूरा नहीं किया : झारखंड मुक्ति मोर्चा ने कितने वादे किए थे. इनके निश्चय पत्र पर सैकड़ों वादे लिखे है. आज मैं जवाब मांग रहा हूं हेमंत सोरेन हो, कांग्रेस हो या गठबंधन के लोग हो बताओ कौन सा वादा पूरा किया है. नौजवानों को कहा था, सरकारी नौकरी देंगे, नौकरी नही दी तो 5 हजार रुपये स्नातक को और 7 हजार रुपए स्नातकोत्तर को बेरोजगारी भत्ता देंगे. बताओ किसी एक को भी बेरोजगारी भत्ता दिया है ? नौकरियां मिल रही है? कितने बड़े झूठे हैं ये. बहनों से भी कई वादे किए थे कि घर खर्च के लिए 2 हजार रुपये महीना देंगे. मैं पढ़कर बता देता हूं इनने लिखा है पूरे राज्य में महिला बैंक की स्थापना की जायेगी। हर गरीब महिला अपनी आकस्मिक जरूरतों के लिए 50 हजार का कर्ज़ बिना किसी गारंटी के आधार कार्ड पर देंगे. बताओ किसी को मिला क्या ? मैं नौजवानों से कहता हूं कि जाओ और मांगों 5 हजार रूपये और 7 हजार रूपये बेरोजगारी भत्ता.

किसानों से किया वादा पूरा नहीं

चौहान ने कहा कि ये कह रहे थे कि हम राज्य में किसानों के लिए कई सौगातें देंगे. महिला बैंक बनाएंगे. इन्होंने एक वादा पूरा नहीं किया।एक तरफ प्रधानमंत्री ने कहा था कि किसानों को सम्मान निधि देंगे. किसानों के खाते में 6 हजार रूपये हर साल की सम्मान निधि आ रही है. जब रघुवर दास यहां मुख्यमंत्री थे. तब मुख्यमंत्री किसान समृद्धि योजना में प्रति एकड़ 5 हजार रूपये किसानों को दिया जाता था. सबसे पहले हेमंत सोरेन यही योजना बंद की. जब भाजपा की सरकार थी तब 50 लाख रुपये की रजिस्ट्री अगर बहन के नाम पर होती थी तो केवल 1 रूपया में होती थी. हेमंत सोरेन ने यह योजना बंद की.

ये भाजपा ही है,जो कहती है वो करती है

जब भाजपा की सरकार पांच साल पहले थी तब झारखंड का विकास हुआ था. अच्छी सड़कें बनीं थी पुल-पुलिया बनीं थीं. स्कूल अस्पताल बने थे, क्योंकि भाजपा का राज था और विकास अगर कर सकती है तो भाजपा की सरकार कर सकती है. इस सरकार में गरीब रो रहा है। सामान्य आदमी रो रहा है. घर बनाना और विकास के काम करना मुश्किल हो गया है. हेमंत जी ये बालू कहां जा रहा है ये तो बता दो ? बाल्टी में जैसे दूध-घी बिकता था. वैसे अब बालू बिक रहा है। जनता बालू की लिए तरस जाए. ऐसी लूट मैंने बालू की कभी नहीं देखी. ये बालू लूटने वाली सरकार है. इस राज्य में हर चीज के रेट फिक्स हैं.

झारखंड में किसी का सम्मान सुरक्षित नहीं

शिवराज ने कहा कि ये कैसी सरकार है ? जहां माता, बेटी, बहन की इज्जत सुरक्षित नहीं है. सम्मान सुरक्षित नहीं है. घुसपैठिए खुल कर छेड़ रहे हैं. वो भारत का नहीं है, वो झारखंड का नहीं है. वो आते हैं बांग्लादेश से और वोटों के लालच में आईडी से लेकर आधार बनवाती है जेएमएम और कांग्रेस. जेएमएम और कांग्रेस को कोई चिंता नहीं है चाहे देश चला जाए लेकिन वोट मिल जाए. ये वोट के भूखों झारखंड को तबाह और बर्बाद तो मत करो. बाहर से आए शादी कर ली और उनके नाम से जमीन खरीद लो. उनको चुनाव लड़ा दो. पंचायतों पर कब्जा कर लो. ये खेल झारखंड को तबाह और बर्बाद कर देगा.

अटल बिहारी वाजपेयी ने बनाया था झारखंड

झारखंड बनाया था अटल बिहारी वाजपेयी ने. झारखंड को बनाने का काम किया था भाजपा की सरकार ने. और अब झारखंड को तबाह और बर्बाद करने का काम ये गठबंधन कर रहा है. ये गठबंधन नहीं, लूटबंधन है. ठगबंधन है. बेईमानों का बंधन हैं। समान स्वार्थों के आधार पर कई लोग इकट्ठा हुए हैं. अगर पांच साल इनकी सरकार और रह गई तो बचाने को कुछ बचेगा नहीं और इसलिए संकल्प लो चाहे कुछ हो जाए. झारखंड की इस पवित्र धरती से लुटेरे और बेईमानों को सरकार हरा के रहोगे.

शिवराज ने और क्या-क्या यहां

- मैं कोई मंत्री या नेता के रूप में नहीं आया हूं. मैं भी आपका कार्यकर्ता हूं. हम यहां परिवार के भाव से बैठे हैं.
- भाजपा पार्टी नहीं पार्टी से आगे बढ़ाकर एक परिवार है
- वैसे मैं मंत्री नहीं हूं, मैं तो मामा हूं, बहनों का भैया हूं.
- मध्यप्रदेश में हर बहन यह मानती है कि यह मेरा भाई है, और भाई भी सौतेला नहीं सगा भाई.
- एक रिश्ता आत्मीयता का एक बंधन स्नेह का, प्रेम का और आज उसी बंधन में आपको बांधने भी आया हूं.
- मामा का मतलब क्या होता है, मामा में हैं दो मां, जो अपने भांजे-भांजियों से दो-दो मां के जितना प्यार करे वो मामा.
- मोदी जी हमारे नेता हैं विजनरी लीडर हैं.
- कांग्रेस और जेएमएम झूठ बोलने की मशीन बन गई है.रोज झूठ बोलते हैं. एक गलत नैरेटिव बनाते हैं.

सत्ताधारी झामुमो कांग्रेस के 461 वादे, लेकिन एक भी पूरे नहीं हुए: शिवराज

रांची। इंडी गठबंधन खुद तो झूठ और भ्रम फैलाता है लेकिन झारखंड की धरती पर पांच साल अब उनकी सरकार के पूरे होने जा रहे हैं. इन पांच साल में उनकी उपलब्धियां क्या हैं मैं देख रहा था कांग्रेस और जेएमएम के एक निश्चय पत्र है जेएमएम का और एक जन-घोषणा पत्र है कांग्रेस का! निश्चय पत्र में 144 वादे हैं, लेकिन कांग्रेस ने भी ये कहा कि 144 तुम्हारे हैं, तो हमारे होंगे 317 ये 317 वादे कांग्रेस के हैं. इनमें से पूरा क्या किया सरकार के 5 साल पूरे हो रहे हैं?

- पहला राज्य देखा झारखंड जहां किलो के भाव बिकता है बालू
- भाजपा करेगी नाकामियों को उजागर

हेमंत की बताएं कितने अधिकार उन्होंने जनता को दिए? : शिवराज चौहान ने कहा कि अगर जेएमएम के निश्चय पत्र को देखें इस पर उन्होंने लिखा था बदलो सरकार पाओ अधिकार, हेमंत की बताएं कितने अधिकार उन्होंने जनता को दिए? अधिकार देने के नाम पर सभी वर्गों को ठगने और छलने का काम किया है. मैं आज उनसे उनके निश्चय पत्र पर ही सवाल करना चाहता हूं. इसका पूरा पोस्टमार्टम भारतीय जनता पार्टी करेगी और एक-एक चीज जनता के सामने रखेगी.

केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह ने धुर्वा मंडल अध्यक्ष के घर भोजन किया

रांची। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने धुर्वा मंडल अध्यक्ष उमेश यादव के घर भोजन किया. परिवार के सदस्यों,बच्चों के साथ सेल्फी भी ली. कहा कि मैं बहुत प्रसन्न और आनंदित हूं. उमेश यादव हमारे मंडल के अध्यक्ष हैं और उनके मंडल से लोकसभा के चुनाव में भारतीय जनता पार्टी को भारी बढ़त मिली है उनके मंडल में हम 81 पोलिंग पर हमें भारी लीड मिली है, जिसके कारण लोकसभा चुनाव में रांची लोकसभा में शानदार सफलता मिली है. कार्यकर्ता भारतीय जनता पार्टी के प्राण हैं अगर विचार आत्मा हैं तो कार्यकर्ता प्राण हैं ऐसे कार्यकर्ताओं के बीच आकर क्योंकि हम कार्यकर्ता नहीं है एक परिवार हैं. परिवार के बीच आकर भोजन करके कार्यकर्ताओं से मिलकर बहुत अच्छा लगता है. एक परिवार की तरह भारतीय जनता पार्टी चल रही है और मैं भी अपने कार्यकर्ता के साथ मिलकर भोजन करके अत्यंत प्रसन्न हूं और मेरा सौभाग्य है कि मैं यहां आया.

राज्य में नक्सल गतिविधियों और अभियान की समीक्षा करेंगे डीजीपी

संवाददाता। रांची

झारखंड के 15 जिलों में चल रहे नक्सल अभियान और नक्सल गतिविधि की समीक्षा होगी. इसको लेकर डीजीपी अजय कुमार सिंह की अध्यक्षता में 18 जुलाई को बैठक आयोजित की गयी है. इस बैठक में रांची, धनबाद, जमशेदपुर, बोकारो, चाईबासा, चतरा, गढ़वा, गिरिडीह, गुमला, खूंटी, लातेहार, लोहरदगा, सरायकेला, पलामू और दुमका जिले के एसएसपी व एसपी शामिल होंगे.

झारखंड के पांच जिले माओवाद प्रभावित : बता दें कि केंद्रीय गृह मंत्रालय की समीक्षा के बाद देश के नौ राज्यों के 38 जिले सिर्फ माओवाद प्रभावित हैं. इनमें झारखंड के पांच जिले (पश्चिमी सिंहभूम, गिरिडीह, गुमला, लातेहार और लोहरदगा) भी शामिल हैं. केंद्र सरकार ने माओवाद प्रभाव के आधार पर एलडब्लूई (लेफ्ट विंग एक्सट्रीम) जिलों को तीन श्रेणियां में बांटा है. पहली श्रेणी में नक्सल प्रभावित वाले जिलों को रखा गया है. दूसरी श्रेणी में उन जिलों को रखा गया है, जो अति माओवाद प्रभावित हैं. वहीं तीसरी श्रेणी उन जिलों की है, जहां माओवाद का प्रभाव कम हो गया है, लेकिन अब भी वहां नजर रखने की जरुरत है.

डीजीपी अजय कुमार सिंह.

साढ़े तीन साल में मारे गये 38 नक्सली, 1381 गिरफ्तार, 78 ने किया सरेंडर

झारखंड में सक्रिय नक्सली संगठनों के खिलाफ लगातार अभियान जारी है. राज्य के अलग-अलग जिलों में बीते साढ़े तीन साल (जनवरी 2021 से 17 जून 2024) में 38 नक्सली मारे गये हैं. मारे गये नक्सलियों में भाकपा माओवादी, पीएलएफआई, जेजेएमपी और टीपीसी संगठन के नक्सली शामिल हैं. इस दौरान 1381 नक्सली गिरफ्तार भी हुए हैं. जबकि 78 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है.

मुहर्रम को लेकर डीजीपी आज करेंगे समीक्षा बैठक

संवाददाता। रांची

झारखंड पुलिस मुख्यालय में सोमवार को डीजीपी अजय कुमार सिंह जिले के एसएसपी और एसपी के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये समीक्षा बैठक करेंगे. इस बैठक में मुहर्रम में विधि व्यवस्था को लेकर चर्चा की जायेगी. गौरतलब है कि मुहर्रम को लेकर राज्यभर में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किये गये हैं. राज्य के सभी संवेदनशील जिलों में अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की जा रही है. जहां पूर्व में सांप्रदायिक घटनाएं हुई हैं, उन जिलों में पुलिस मुख्यालय ने विशेष सतर्कता बरतने का निर्देश दिया है. सुरक्षा व्यवस्था को लेकर राज्य के अलग-अलग जिलों में इको की 16 कंपनियां, रैप की कंपनी, 2388 लाठीबल और पांच हजार होमगार्ड तैनात की गयी है. डीजीपी के आदेश के बाद आईजी अभियान ने इसको लेकर आदेश जारी किया है. जुलूस के दौरान सभी पुलिस कर्मियों को बॉडी प्रोट्रेक्टर समेत अन्य दंगा नियंत्रण उपकरण साथ में लेकर चलने के निर्देश दिये हैं.

- मुहर्रम में विधि व्यवस्था को लेकर होगी चर्चा

सोशल मीडिया पर कड़ी निगरानी, अफवाह फैलाने वाले पर तत्काल कार्रवाई

सभी जिलों के एसएसपी व एसपी को सोशल मीडिया पर कड़ी निगरानी का निर्देश दिया गया है, ताकि असामाजिक तत्व सोशल मीडिया में अफवाह ना फैला सकें. किसी तरह की अफवाह फैले तो तत्काल उसका सत्यापन का भी निर्देश है. सभी थानों में स्थानीय शांति समिति की बैठक हो चुकी है. शांति समिति के सदस्यों से कहा गया है कि कोई भी फर्जी या भ्रामक खबर की सूचना मिलने पर उसकी तत्काल सूचना जिला प्रशासन या अपने नजदीकी पुलिस थाना में दें. ताकि इस पर संज्ञान लेकर आवश्यक कार्रवाई की जा सके. थानों में होने वाली शांति समिति की बैठकों में पिछले वर्षों के चिन्हित स्थानों के बारे में सावधानी बरतने का निर्देश दिया गया है.

झारखंड में इंडिया गठबंधन की सरकार की होगी वापसी: श्याम

ब्यूरो। रांची

प्रदेश राजद कार्यालय में प्रेस कांफ्रेंस को संबोधित करते हुए राजद राष्ट्रीय महासचिव श्याम रजक ने कहा हेमंत सरकार पुनःवापसी होगी. राज्य सरकार बढ़िया काम कर रही है. अपने काम के 2024 के चुनाव इंडिया गठबंधन जीतेगा. लोकसभा चुनाव हो गए, लेकिन उस चुनाव में पराजय से भाजपा सरकार उबर नहीं पा रही है, भाजपा के लिए विकास के लिए महंगाई मुद्दा नहीं रह गया है. उनके एजेंडा में हिंदू ,मुस्लिम, संविधान रह गया. वह उत्तर प्रदेश में भाजपा को पराजय का मुंह देखना पड़ा और अभी जो उप चुनाव हुआ, उसमें भी उनको पराजय का मुंह देखना पड़ा है .लेकिन वह सुधर नहीं पा रहे हैं. हाल के दिनों में जो आर्थिक रिपोर्ट आयी है उसमें आप कहां खड़े हैं, हम आर्थिक रूप से भी उन्नत नहीं है. देशों की रैंकिंग में भारत से ऊपर बांग्लादेश है. प्रेस कांफ्रेंस में राजद प्रवक्ता मनोज कुमार,मीडिया प्रभारी कैलाश यादव, महासचिव आबिद अली, युवा अध्यक्ष रंजन यादव,महिला अध्यक्ष रानी कुमारी, रामकुमार यादव, कमलेश यादव आदि उपस्थित थे.

खास बातें

- झारखंड प्रदेश राजद कार्यालय में मीडिया से रजक ने की बात
- केंद्र की एनडीए सरकार को घेरा, नीतियों की आलोचना की

तीखा प्रहार भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष ने लिट्टीपाड़ा के पिछड़ेपन पर झामुमो पर बोला जमकर हमला

44 साल की 'सरकार' ने क्या किया? बस पैसा ऐंठा और आराम किया

संवाददाता। रांची

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा है कि वैसे तो झारखंड को बने अभी महज 24 साल ही हुए हैं, पर लिट्टीपाड़ा में झामुमो की सरकार 44 साल से है, इसके बाद भी लोगों को पीने का शुद्ध पानी भी नसीब नहीं हो रहा है, उन्होंने एक्स पर पोस्ट किया, लोग आज भी बरसाती नदी और झरने का पानी पीने को विवश हैं, आज भी उनके सिर पर सबसे बड़ा बोझ पानी को ढोना है. सड़कों के जाल के नाम पर सिर्फ और सिर्फ पथरीला रास्ता नजर आता है.

लगातार 10 बार से विधायक एक ही परिवार, एक ही पार्टी के

बाबूलाल मरांडी ने लिखा है कि लगातार 10 बार से एक ही परिवार और एक ही पार्टी के विधायक है, इसके बाद भी स्थानीय लोगों के लिए स्वास्थ्य सड़क और खेती किसानी के लिए संसाधनों की व्यवस्था नहीं हो पायी है. रोजगार के संसाधन न होने के कारण लोग पलायन करने को मजबूर हैं .44 साल से लिट्टीपाड़ा में राज कर रही झामुमो पार्टी, इसे अपनी सल्तनत तो समझती है, पर जब बात लोगों के विकास और कल्याण की आती है तो मुस्कुराते हुए बेशर्मी से बात टाल देती है.

हाईकोर्ट ने कांग्रेस-झामुमो के मुंह पर करारा तमाचा मारा

बाबूलाल ने एक अन्य पोस्ट में कहा कि हाईकोर्ट ने कांग्रेस-झामुमो के मुंह पर करारा तमाचा मारा है. राज्य के कई नगर निकायों का कार्यकाल 4 साल पहले ही समाप्त हो चुका है. विगत एक साल से भी अधिक समय से राज्य के सभी नगर निकायों को प्रशासकों के भरोसे चलाया जा रहा है. नगर निकाय के भारी भरकम बजट में भ्रष्टाचार करने की चाहत में इंडी ठगबंधन की सरकार 4 सालों में चुनाव नहीं पायी. कांग्रेस-झामुमो जैसी परिवारवादी पार्टियों ने शहरवासियों का लोकतांत्रिक अधिकार छीनकर नागरिक सुविधाओं से वंचित रखा.संविधान के तथाकथित चैंपियन राहुल गांधी जी झारखंड में अपनी पार्टी की करतूतों को देखिए और आइंदा से संविधान पर ज्ञान देने से पहले शर्म करिए! लोकतंत्र की हत्यारी इस सरकार को जनता माफ़ नहीं करेगी.

सरकार में सेटिंग अच्छी हो, तो मूक-बधिर भी बोलने लगता है

मरांडी ने एक पोस्ट में कहा कि राज्य में सिर्फ पैसों का खेल चल रहा है. कहा कि सरकार में सेटिंग अच्छी हो, तो मूक-बधिर भी बोलने लगता है! मरांडी ने आगे कहा, इस फर्जीवाड़ा में अभ्यर्थी के साथ-साथ सर्टिफिकेट जारी करने वाले अधिकारी, काउंसलिंग टीम के सदस्य, परीक्षा आयोग और सत्ताधारी दलों की भी सहभागिता है.

राज्यभर की खबरों के लिए स्कैन करें

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in

जमशेदपुर, सोमवार 15 जुलाई 2024 ● आषाढ़ शुक्ल पक्ष 10 संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ ● वर्ष : 2, अंक : 97

आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

ब्रीफ खबर

वीरान हो रहे जय प्रकाश उद्यान में हुआ पौधरोपण

आदित्यपुर । जयप्रकाश उद्यान में रविवार को मित्र मंडली द्वारा वृहद पौधरोपण कार्यक्रम किया गया. जिसमें टाटा वर्कर्स यूनियन के अध्यक्ष टुन्नू चौधरी के प्रयास से टाटा स्टील अर्बन सर्विसेज द्वारा पौधों के लिये जाली की व्यवस्था की गई है. उन्होंने पौधरोपण कार्यक्रम में भी हिस्सा लिया. बता दें कि कुछ वर्षों में उद्यान के आधे से अधिक वृक्ष सूख गए हैं या गिर चुके हैं जिससे उद्यान वीरान होता जा रहा है.

बिरसानगर में आयोजित शिविर में 247 की जांच

जमशेदपुर । रविवार को बिरसानगर प्राथमिक विद्यालय में निःशुल्क स्वास्थ्य जांच सह सेवा शिविर का आयोजन किया. जिसमें क्षेत्र के 247 लोगों के स्वास्थ्य की जांच की गई. इस दौरान मुफ्त में दवा भी दी गई. साथ ही लाभुकों के बीच विभिन्न योजनाओं के 483 फॉर्म का वितरण किया गया. कार्यक्रम में मौजूद मुख्य अतिथि डॉ अजय कुमार ने उपस्थित लोगों को उनके स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया.

तैलिक साहु महासभा के शिविर में 236 की हुई जांच

जमशेदपुर । रविवार को सीतारामडेरा उरांव समाज भवन में अखिल भारतीय तैलिक साहू महासभा द्वारा आयोजित निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर में 236 से अधिक लोगों के स्वास्थ्य की जांच की गई. इस दौरान वहां आए लोगों के बीच विधवा, वृद्धा एवं विकलांग पेंशन फार्म भरवाया गया. शिविर में कुल पेंशन फॉर्म 90 भरवारा गया. शिविर मे डॉ. अजय कुमार, राकेश साहु समेत काफी संख्या में लोग मौजूद रहे.

तुलसी भवन में श्रीहनुमान रूप सज्जा प्रतियोगिता

जमशेदपुर । तुलसी जयंती समारोह के तहत रविवार को तुलसी भवन में श्री हनुमान रूप सज्जा प्रतियोगिता का आयोजन किया गया. जिसमें कक्षा 1 से 3 तथा 4 से 6 तक के छात्र-छात्राओं ने हिस्सा लिया. नगर के 27 विद्यालयों के कुल 232 विद्यार्थियों ने भाग लिया. सभी बच्चों के बाल हनुमान रूप की सभी ने तारीफ की. प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र एवं उपहार प्रदान किया गया.

बलदेव मेहरा बने ड्राइवर महासंघ के संरक्षक

जमशेदपुर । झारखंड राज्य ड्राइवर महासंघ ने राष्ट्रीय जनता दल अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष बलदेव सिंह मेहरा को संघ का कोल्हान प्रमंडलीय संरक्षक मनोनीत किया. मौके पर झारखंड ड्राइवर महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष गुलशन करजी की मौजूदगी में उनका अभिनंदन किया गया. इस दौरान देश में ड्राइवरों पर हो रहे प्रतारणा, परेशानियां और उनकी समस्याओं पर प्रकाश डाला गया.

पंचायतों में आयोजित की गई विशेष ग्रामसभा

जमशेदपुर । उपायुक्त के निर्देश पर रविवार को जिले के सभी ग्राम पंचायतों में एक साथ विशेष ग्राम सभा की गई. इस दौरान पंचायतों के उत्थान, विकास योजनाओं के क्रियान्वयन पर चर्चा की गई तथा कई प्रस्ताव हुए पारित किए गए. विशेष ग्राम सभा में डीएमएफटी से संबंधित योजनाओं को पारित किया गया वहीं बिरसा हरित ग्राम योजना एवं सर्वजन पेंशन एवं जन कल्याणकारी योजनाओं के तहत लाभुकों का चयन किया गया.

पूर्व सीएम से मिला शिक्षक संघ का प्रतिनिधिमंडल

जमशेदपुर । कोल्हान विश्वविद्यालय शिक्षक संघ का एक प्रतिनिधिमंडल रविवार को पूर्व मुख्यमंत्री सह उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग के मंत्री चंपाई सोरेन से मिला. उन्हें मांग पत्र सौंपकर शिक्षकों के वर्षों से लंबित मांगों पर समुचित कार्रवाई की मांग की. सातवां वेतनमान का लाभ, पुरानी पेंशन योजना लागू करने साथ ही सेवानिवृत शिक्षकों को स्वास्थ्य बीमा का लाभ देने की मांग की. मंत्री ने सकारात्मक कार्रवाई का आश्वासन दिया.

चक्रधरपुर में मुहर्रम जुलूस अखाड़ा के मंच स्थल को लेकर विवाद गहराया, हिंदू संगठनों ने थाना प्रभारी को सौंपा ज्ञापन

अंजुमन इस्लामिया ने पवन चौक पर मंच बनाने का लिया निर्णय, हिंदू संगठन विरोध में उतरे

संवाददाता । चक्रधरपुर

थाना प्रभारी को पत्र सौंपने के बाद हिंदू संगठनों का प्रतिनिधिमंडल.

हिंदू संगठनों की बैठक को संबोधित करते अशोक षाड़ंगी.

चक्रधरपुर में निकाले जाने वाले मुहर्रम जुलूस को लेकर अंजुमन इस्लामिया की बैठक में रेलवे ओवर ब्रिज के नीचे अखाड़ा नहीं खेलने और पवन चौक को ही अखाड़ा स्थल घोषित करने को लेकर हिंदू संगठनों ने नाराजगी जताई है.

रविवार को चक्रधरपुर के राजबाड़ी रोड स्थित एक रेस्ट हाउस में हिंदू संगठनों की बैठक हुई. इसमें पूर्व विधायक शशिभूषण सामड, राज्य अल्पसंख्यक आयोग के पूर्व उपाध्यक्ष अशोक षाड़ंगी, भाजपा महिला मोर्चा प्रदेश सदस्य मालती गिलुवा, समाजसेवी सुरेश साव, शेष नारायण लाल, पवन शंकर पांडेय, रामनवमी अखाड़ा समिति एवं दुर्गा पूजा समिति के अलावे विभिन्न हिंदू संगठनों से जुड़े लोग मौजूद थे.

इस दौरान सर्वसम्मति से पवन चौक पर मुहर्रम मंच बनाने का विरोध किया गया. हिंदू संगठनों ने कहा कि यदि ऐसा निर्णय लिया जाता है तो समस्त हिंदू समाज जन आंदोलन करेगा. इसे लेकर 16 जुलाई को चक्रधरपुर बाजार को बंद किया जाएगा. बैठक में हिंदू संगठन के नेताओं ने कहा कि यदि मुहर्रम का मंच पवन चौक में बनाया गया तो हिंदू संगठनों द्वारा पवन चौक जाम किया जाएगा. बैठक के बाद सभी चक्रधरपुर थाना पहुंचे. वहां थाना प्रभारी के नाम पत्र सौंपा गया. पत्र में कहा गया है कि सामाचार पत्र के माध्यम से ज्ञात हुआ है कि मुहर्रम का अखाड़ा पवन चौक में खेलने एवं मंच बनाने का निर्णय लिया गया है, जो कहीं से भी न्यायसंगत नहीं है. यह नई परंपरा को कायम करने की योजना बनाई जा रही है. इस पर तत्काल रोक लगाई जाए. अगर चक्रधरपुर पवन चौक में मुहर्रम मंच बनाया जाता है तो हिंदू समाज इसका विरोध करेगा. इस मौके पर विश्व हिंदू परिषद के गोनू जायसवाल, बजरंग दल के श्रवण ठाकुर, गणेश मुखी, भाजपा नगर अध्यक्ष राजेश गुप्ता, संजय पासवान, प्रताप बर्मन, संजय पासवान, पोरस मंडल, जोगी प्रसाद, गौतम रवानी, अनूप दुबे, मोहन यादव, रूपेश साव, चंदन सोनकर, बजरंग महानंद, श्रवण सोनकर, प्रो. विकास कुमार मिश्रा, अरुण साव, भरत सिंह, समरेश सिंह,

पवन चौक पर मुहर्रम मंच बना तो 16 को बाजार बंद किया जाएगा, चौक को जाम कर देंगे : हिंदू संगठन

ओवरब्रिज के नीचे अखाड़ा इकट्ठा नहीं होगा, पवन चौक को ही स्थल घोषित किया जाए : अखाड़ा कमिटी

प्रो. शिवपूजन सिंह, ललित मोहन गिलुवा, सोनी विश्वकर्मा, सुधीर पाल समेत अन्य हिंदू संगठन से जुड़े लोग मौजूद थे.

चक्रधरपुर की अंजुमन इस्लामिया कार्यालय में शनिवार को मुहर्रम जुलूस को लेकर बैठक की गई थी. बैठक में मुहर्रम सेंट्रल कमिटी, सभी अखाड़ा के खलीफा, अंजुमन इस्लामिया के पदाधिकारी उपस्थित हुए थे. इस दौरान यह निर्णय लिया गया था कि किसी भी सूरत में रेल फाटक के बगल में अथवा ओवरब्रिज के नीचे अखाड़ा इकट्ठा नहीं होगा. यदि मुहर्रम की आठवीं तारीख अर्थात् 15 जुलाई तक स्थल का निर्धारण नहीं किया जाता है तो 15 जुलाई को खलीफाओं की बैठक कर मुहर्रम का जुलूस नहीं निकालने या फिर आंदोलन का दूसरा तरीका अपनाने का निर्णय लिया जाएगा.

बैठक में तय किया गया था कि गुप्ता (पवन) चौक को ही अखाड़ा स्थल घोषित किया जाए.

झारखंड उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश ने कहा

न्याय प्रणाली की व्यवस्था को आसान किया जा रहा

चक्रधरपुर अनुमंडल व्यवहार न्यायालय का उद्घाटन

संवाददाता । चक्रधरपुर

अनुमंडल व्यवहार न्यायालय का फीता काटकर उद्घाटन करते चीफ जस्टिस विद्युत रंजन सारंगी.

कार्यक्रम के दौरान मौजूद बार एसोसिएशन के सदस्य व स्थानीय लोग.

42 साल लंबे इंतेजार के बाद रविवार को चक्रधरपुर के आसनतलिया में बनकर तैयार अनुमंडल व्यवहार न्यायालय का उद्घाटन हुआ. पांच साल पूर्व लगभग 20 करोड़ रुपये की लागत से इस भवन का निर्माण कराया गया था, लेकिन इसका उद्घाटन नहीं हो सका था. वहीं 26 जनवरी 1982 को चक्रधरपुर अनुमंडल बनने के बाद से व्यवहार न्यायालय चाईबासा में संचालित था.

रविवार को अनुमंडल व्यवहार न्यायालय का उद्घाटन बतौर मुख्य अतिथि झारखंड उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश विद्युत रंजन सारंगी ने किया. उन्होंने पूजा अर्चना करने के बाद नये भवन का फीता काटा. उद्घाटन समारोह में मुख्य न्यायाधीश विद्युत रंजन सारंगी ने कहा कि हम सभी न्यायपालिका से जुड़े हैं और हमारा दायित्व भी अधिक होता है.

इन दायित्वों के बीच न्याय प्रणाली व्यवस्था को आसान किया जा रहा है, ताकि लोगों को न्याय मिलने में लंबा समय न लगे. चक्रधरपुर में व्यवहार न्यायालय भवन होने से अब कोर्ट संबंधित कार्य के लिए इस क्षेत्र के लोगों को लंबी दूरी तय कर चाईबासा नहीं जाना पड़ेगा. उन्होंने कहा कि न्यायपालिका का प्रयास रहेगा कि सभी नागरिकों को एक समान और कम से कम समय में न्याय दिया जाए. हम सभी मिलकर आपसी सामंजस्य से इसे मजबूत कर सकते हैं. मुख्य न्यायाधीश ने अपने संबोधन का शुभारंभ जय जगन्नाथ के उद्घोष के साथ किया.

इस अवसर पर चक्रधरपुर बार एसोसिएशन के अध्यक्ष सुब्रतो कुमार प्रधान के अलावा अन्य सदस्यों और जिला न्यायालय से पहुंचे अधिवक्ताओं ने मुख्य न्यायाधीश विद्युत रंजन सारंगी को फूलों का गुलदस्ता देकर स्वागत किया. साथ ही मुख्य न्यायाधीश को मोमेंटो भी प्रदान किया गया.

बहरागोड़ा में मुख्य न्यायाधीश ने किया ग्रामीण न्यायालय का उद्घाटन

संवाददाता । बहरागोड़ा

बहरागोड़ा प्रखंड सह अंचल कार्यालय परिसर में रविवार को ग्रामीण न्यायालय का उद्घाटन झारखंड उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश विद्युत रंजन सारंगी ने किया. उद्घाटन से पूर्व मुख्य न्यायाधीश का पारंपरिक रीति रिवाज से स्वागत किया गया. इसके बाद मंत्रोच्चारण के साथ पूजा अर्चना कर तथा नारियल फोड़ कर शिलापट्ट का पर्दा हटाया.

मुख्य न्यायाधीश ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया. समारोह में उन्हें व अन्य अतिथियों को अंग वस्त्र तथा मोमेंटो देकर स्वागत किया गया. मौके पर झारखंड उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश विद्युत रंजन सारंगी ने कहा कि बहरागोड़ा प्रखंड क्षेत्र के हर एक नागरिक जो भी घाटशिला या जमशेदपुर नहीं जा पा रहे हैं, उनके लिए इस समस्या का हल है. साथ ही न्याय मिलने में अब लोगों को विलंब नहीं होगा. सभी सदस्यों को यहां न्याय पाने का हक है.

पूर्वी सिंहभूम के प्रधान न्यायाधीश अनिल कुमार मिश्रा ने कहा कि अभी देश में कुल 257 ग्राम न्यायालय खोले गये हैं. इसमें झारखंड में छह प्रखंड में ग्रामीण न्यायालय खोला गया है. इसमें दीवानी, फौजदारी मामले में ग्रामीणों को न्याय दिलाना मुख्य उद्देश्य है. इस दौरान झारखंड उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश तथा विशिष्ट अतिथियों ने लाभुकों के बीच सरकारी परिसंपत्तियों का वितरण किया. इसमें मनरेगा, मुख्यमंत्री पशुधन योजना, मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना, अबुआ दिशोम अभियान आदि के तहत परिसंपत्ति का वितरण किया गया. मौके पर न्यायाधीश सुरजीत नारायण प्रसाद, डीसी अनन्य मित्तल, एसएसपी किशोर कौशल, उप विकास आयुक्त मनीष कुमार, ग्रामीण पुलिस अधीक्षक ऋषभ गर्ग, अनुमंडल पदाधिकारी सच्चिदानंद महतो, घाटशिला एसडीपीओ अजीत कुमार कुजूर, बहरागोड़ा प्रखंड विकास पदाधिकारी केशव भारती, बहरागोड़ा अंचल अधिकारी भोला शंकर महतो, घाटशिला तथा जमशेदपुर के बार एसोसिएशन के सदस्य व ग्रामीण उपस्थित थे.

---

24 घंटे बाद पीआर बांड पर छूटे बर्मामाइंस गोदाम के एजीएम

जमशेदपुर । खाद्य आपूर्ति मंत्री बन्ना गुप्ता के निर्देश पर हिरासत में लिए गए बर्मामाइंस गोदाम के एजीएम राखाल साव को रविवार को बर्मामाइंस पुलिस ने पीआर बांड पर छोड़ दिया. उन्हें क्यों हिरासत में लिया गया, किसके कहने पर उन्हें छोड़ा गया. इसकी जानकारी पुलिस ने देने से इंकार किया. दूसरी ओर मंत्री के औचक निरीक्षण के बाद खाद्य आपूर्ति विभाग के अधिकारियों में भय का माहौल व्याप्त है. कोई भी कुछ भी बोलने से कतरा रहा है. एक अधिकारी ने नाम नहीं छापने की शर्त पर बताया कि गोदाम में काफी अनियमितताएं मिली हैं. उक्त गोदाम में डीएसडी का जिम्मा निजी लोगों को दिया गया है. स्टॉक रजिस्टर एवं वहां मौजूद खाद्यान्न में समानता नहीं पायी गई. शनिवार को मंत्री ने प्रखंड मुख्यालय एवं पारडीह स्थित गोदाम का भी निरीक्षण किया था.

घाघीडीह रिमांड होम में एसडीओ और डीएसपी ने की छापामारी

संवाददाता । जमशेदपुर

- किशोर से मारपीट के बाद हुई कार्रवाई
- तीन मोबाइल फोन बरामद
- शनिवार को डीसी ने किया था औचक निरीक्षण

घाघीडीह स्थित रिमांड होम में रविवार को डीसी के निर्देश पर एसडीओ पारूल सिंह एवं डीएसपी तौकीर आलम ने संयुक्त रूप से छापामारी की. छापामारी में तीन मोबाइल फोन बरामद हुआ है.

इस मामले में तत्काल प्रभाव से वहां के गार्ड को निलंबित कर दिया गया है. वहीं उक्त मोबाइल फोन किसका है, रिमांड होम के भीतर कैसे पहुंचा, इसकी जांच की जा रही है. उपायुक्त अनन्य मित्तल ने बताया कि रिमांड होम में एक किशोर के साथ मारपीट की जानकारी मिली थी. जिसके बाद एसडीओ एवं डीएसपी के नेतृत्व में दो सदस्यीय टीम को वहां औचक छापेमारी का निर्देश दिया गया. टीम की रिपोर्ट के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी.

पीड़ित किशोर के पिता ने बताया कि उनके बच्चे के साथ तीन दिन पहले वहां के दबंग लड़कों ने मारपीट की. साथ ही उसका वीडियो भेजकर पैसे की मांग की. लड़कों ने क्यूआर कोड भी भेजा. जिसके बाद उन्होंने पांच हजार रुपये भेज दिए. आगे से इस तरह की हरकत नहीं हो इसलिए उन्होंने उपायुक्त, एसडीओ से इसकी लिखित शिकायत की. शिकायत के बाद मामला उपायुक्त के संज्ञान में आया. जिसके बाद उन्होंने 13 जुलाई को रिमांड होम का विजिट किया. वहां लगे सीसीटीवी की जांच की.

पाथरबासा जंगल में मुठभेड़ के बाद नक्सली भागे, 10 राउंड फायरिंग

सर्च अभियान में सुरक्षा बलों को मिला नक्सलियों का अस्थायी कैम्प

संवाददाता । चक्रधरपुर

पाथरबासा जंगल में सर्च अभियान के दौरान जिला पुलिस व सीआरपीएफ के जवान. (इनसेट) नक्सलियों के कैंप से मिले सामान.

पश्चिमी सिंहभूम जिला के मनोहरपुर थाना क्षेत्र के सुदूरवर्ती जंगली क्षेत्र पाथरबासा में नक्सलियों के खिलाफ चलाए जा रहे सर्च अभियान के दौरान रविवार को सुरक्षा बलों व नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हो गई. बताया जाता है कि सारंडा के पाथरबासा व आसपास के जंगल में नक्सलियों के होने की सूचना पर शनिवार रात से जिला पुलिस व सीआरपीएफ जवानों द्वारा सर्च अभियान चलाया जा रहा था. सर्च अभियान का नेतृत्व डीएसपी जयदीप लकड़ा व सीआरपीएफ 134 के द्वितीय कमान अधिकारी वीरेंद्र कुमार कर रहे थे. सर्च अभियान के दौरान रविवार की अहले सुबह लगभग चार बजे पाथरबासा जंगल में नक्सलियों ने सुरक्षा बलों को देखकर फायरिंग शुरू कर दी. इस बीच सुरक्षा बलों ने मोर्चा संभालते हुए फायरिंग की. दोनों ओर से लगभग 10 राउंड फायरिंग हुई. फायरिंग के दौरान नक्सलियों का समूह खुद को कमजोर देख पीछे हट गया और जंगल व अंधेरे का फायदा उठाकर भाग निकला. मुठभेड़ के बाद सर्च अभियान के दौरान पाथरबासा जंगल में ही सुरक्षा बलों को नक्सलियों का अस्थायी कैम्प भी मिला. सुरक्षा बलों ने नक्सलियों के अस्थायी कैम्प से नक्सलियों द्वारा उपयोग किए जाने वाले कई सामान बरामद किया. सर्च अभियान में मनोहरपुर थाना प्रभारी अमित कुमार, जराईकेला थाना प्रभारी सूर्यकांत, एएसआई मयंक कुमार, सीआरपीएफ, कोबरा बटालियन के जवानों के अलावा जिला पुलिस के जवान शामिल थे. इधर जिला के पुलिस अधीक्षक आशुतोष शेखर ने भी मुठभेड़ की पुष्टि की है.

समस्या जमशेदपुर में लगातार बढ़ रहे आत्महत्या के मामले, अधिकांश की वजह पारिवारिक विवाद

24 घंटे में महिला समेत तीन लोगों ने लगाया मौत को गले

संवाददाता । जमशेदपुर

जमशेदपुर में आत्महत्या के मामले बढ़ते ही जा रहे हैं. बीते दिनों कदमा, सोनारी, बिरसानगर और टेल्को और जुगसलाई में कई लोगों ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी. इधर, शहर में 24 घंटे में ही तीन लोगों ने मौत को गले लगा लिया और एक ने आत्महत्या का प्रयास किया. अधिकांश मामलों में पारिवारिक विवाद की वजह ही सामने आई है.

रेल पटरी पर सिर रखकर दे दी जान

टाटानगर रेल थाना क्षेत्र में शनिवार देर शाम एक व्यक्ति ने ट्रेन से कटकर आत्महत्या कर ली. मृतक उमाकांत बिष्टुपुर मुखी बस्ती का रहने वाला था. रेल थाना प्रभारी रामप्यारे राम ने बताया कि शनिवार शाम सूचना मिली की जुगसलाई की ओर पोल संख्या 50 के पास एक शव पाया गया है. जब रेल पुलिस वहां पहुंची को देखा की मृतक का सिर रेल लाइन की अंदर की ओर है जबकि धड़ रेल लाइन से बाहर की ओर है जिससे यह स्पष्ट है कि मृतक ने रेल लाइन से कटकर आत्महत्या की है. इधर, परिजनों ने रेल पुलिस को बताया कि उमाकांत शनिवार दोपहर को घर से निकला फिर वापस नहीं लौटा.

देवघर पंचायत के एदेलबेड़ा में महिला ने जहर खाया, मौत

एमजीएम थाना क्षेत्र के देवघर पंचायत के एदेलबेड़ा निवासी बुधनी सिंह (23) ने जहर खा लिया. एमजीएम अस्पताल में शनिवार रात इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई. इधर, मायके पक्ष ने बुधनी के पति जीवन पर प्रताड़ित करने का आरोप लगाया है. घटना शनिवार रात की बताई जा रही है. पति जीवन के अनुसार शनिवार सुबह 11 बजे विवाद के बाद बुधनी ने जहर खा लिया. उसे इलाज के लिए गंगा मेमोरियल अस्पताल में भर्ती कराया जहां से उसे एमजीएम रेफर कर दिया गया. रविवार को शव का पोस्टमार्टम कर परिजनों को सौंप दिया गया. मृतका की बहन काजल सिंह के बयान पर एमजीएम थाना में पति के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई गई है. परिजनों ने पुलिस को बताया कि साल 2019 में बुधनी की शादी हुई थी. जीवन शराब के नशे में अक्सर बुधनी के साथ मारपीट करता था. जिससे बुधनी परेशान रहती थी. वह घर पर पति द्वारा मारपीट करने की शिकायत भी करती थी.

होटल से पकड़ाई युवती ने जहर खाकर किया आत्महत्या का प्रयास

सीतारामडेरा थाना अंतर्गत निर्मलनगर स्थित होटल अतिथि भवन में सेक्स रैकेट की सूचना पर धालभूम एसडीओ ने छापेमारी की थी. मौके से युवक-युवतियों को आपत्तिजनक स्थिति में पकड़ा था. हालांकि सभी को चेतावनी देकर थाने से पीआर बांड पर छोड़ दिया गया था. इधर, रविवार को होटल से पकड़ाई एक युवती ने जहर खाकर आत्महत्या का प्रयास किया. युवती को गंभीर अवस्था में इलाज के लिए एमजीएम अस्पताल में भर्ती कराया गया. वहां से उसे टीएमएच रेफर कर दिया गया जहां इलाज के बाद डॉक्टरों ने उसे छुट्टी दे दी. जानकारी के अनुसार युवती के सोशल मीडिया में बहुत सारे फॉलोअर्स है. होटल में पकड़ाने के बाद कई लोगों ने उसे इस बारे में कमेंट किया जिससे परेशान होकर उसने आत्महत्या का प्रयास किया.

सोनारी में पत्नी से तंग आकर व्यक्ति ने काट ली हाथ की नस

सोनारी थाना अंतर्गत झाबरी बस्ती निवासी अनिल रजक (40) ने रविवार सुबह हाथ की नस काट ली. जानकारी मिलने पर परिजनों ने उसे एमजीएम अस्पताल पहुंचाया जहां जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया गया. इधर, अनिल रजक के कमरे से एक तीन पन्ने का सुसाइड नोट भी बरामद किया गया है जिसे पुलिस ने जब्त किया है. जिसमें अनिल ने आत्महत्या का कारण पत्नी को बताया है. अनिल धोबी का काम करता था. साल 2011 में उसकी शादी पिंकी रजक से हुई थी. जानकारी देते हुए अनिल के भाई सूरज ने बताया कि अनिल की शादी के पांच साल बाद पति-पत्नी के बीच विवाद होता था. पिंकी बीते कुछ माह से अपनी बहन के यहां रहती है. बीती रात अनिल ने अपनी हाथ की नस काट ली. परिजन अनिल को अस्पताल लेकर पहुंचे जहां उसकी मौत हो गई.

तीन पन्ने के सुसाइड नोट में अनिल ने आत्महत्या के लिए पत्नी को दोषी ठहराते हुए लिखा है कि पत्नी से वह काफी परेशान रहा करता था. पिंकी उसके घर वालों को झूठे केस में फंसा देने की धमकी देती थी. पिंकी का किसी और के साथ अफेयर है. उसका प्रेमी भी उन लोगों को जान मारने की धमकी दिया करता है.

इधर, पत्नी पिंकी रजक ने बताया कि ससुराल वाले दहेज के लिए प्रताड़ित करते थे. इस मामले को लेकर सोनारी थाना में कई बार शिकायत की पर पुलिस थाने में समझौता करवा देती थी.

कल्याण नगर पहुंचे सांसद, घर नहीं टूटने का दिया आश्वासन

जमशेदपुर । सांसद बिद्युत बरण महतो ने रविवार को भाजपा नेताओं के साथ भुइयांडीह से स टे कल्याण नगर, इंदिरा नगर एवं अन्य बस्तियों का दौरा किया. इस दौरान लोगों ने उन्हें अंचल कार्यालय की ओर से मिले नोटिस की जानकारी दी. सांसद ने वहीं से उपायुक्त से बात की. कहा कि किसी का घर नहीं टूटेगा. साथ ही आश्वस्त किया कि वे जल्द जिला प्रशासन के साथ बैठक करके इसका समाधान निकालेंगे.

सांसद विद्युत महतो ने आश्वस्त किया कि लोगों को घबराने और भयभीत होने की आवश्यकता नही है. उनके रहते किसी भी व्यक्ति का मकान टूटने नही दिया जाएगा. आवश्यकता पड़ने पर किसी भी पल उन्हें फ़ोन कर सकते हैं. वे एवं पार्टी कार्यकर्ता बस्तीवासियों की सेवा में पूरी तरह से तत्पर रहेंगे. इस दौरान पूर्व जिलाध्यक्ष चंद्रशेखर मिश्रा भी सांसद के साथ उपस्थित थे.

ब्रीफ खबरें

सीपीएस में ग्रुप सॉन्ग में नेहरु हाउस बना विजेता

आदित्यपुर । सेंट्रल पब्लिक स्कूल (सीपीएस) आदित्यपुर में म्यूजिकल बोनान्जा वीक का समापन रविवार को हुआ. इसका समापन इंटर हाउस ग्रुप सॉन्ग प्रतियोगिता के साथ हुआ. इस संगीत कार्यक्रम में कक्षा 6 से 8 तक के विद्यार्थियों ने भाग लिया. स्कूल के चार सदनों में से नेहरु हाउस इस ग्रुप सॉन्ग प्रतियोगिता का विजेता बना. प्रधानाचार्य, शिक्षकों और विद्यार्थियों ने स्कूल सभागार में कार्यक्रमों को देखा और सप्ताह के आखिरी संगीत कार्यक्रम का आनंद लिया. स्कूल प्रबंधन ने भी विजेताओं को पुरस्कृत कर बधाई एवं उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी.

आसमानी बिजली से बैल चरा रहे वृद्ध की मौत

बहरागोड़ा । सांड्रा पंचायत अंतर्गत झांझिया गांव निवासी लालमोहन मुंडा (66) की आसमानी बिजली गिरने से मौत हो गई. मिली जानकारी के अनुसार लालमोहन रविवार दोपहर को गांव के मैदान में बैल चरा रहे थे. तभी अचानक वह आसमानी बिजली की चपेट में आ गए ओर वहीं पर गिर पड़े. पास में बैल चरा रहे दूसरे युवकों की नजर उन पर पड़ी तथा उन्हें उठाकर उनके घर ले गए. फिर उन्हें 108 एंबुलेंस से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बहरागोड़ा लाया गया. जहां चिकित्सक ने जांच उपरांत मृत घोषित कर दिया.

पटेल भवन में महागठबंधन की बूथ स्तरीय बैठक संपन्न

जमशेदपुर । छोटा गोविंदपुर स्थित पटेल भवन में रविवार को इंडिया गठबंधन (झामुमो, कांग्रेस,राजद, आम आदमी पार्टी एवं सीपीआई) के गोविंदपुर क्षेत्र के प्रमुख नेताओं एवं सेक्टर इंचार्ज की बैठक संपन्न हुई. बैठक में मौजूद विधायक मंगल कालिंदी विधानसभा चुनाव को देखते हुए सभी सहयोगी दलों से अभी से ही बूथ मजबूत करने के कार्य में जुट जाने का आह्वान किया गया. बैठक में मौजूद बीडी राय, देवशरण सिंह, शिवलाल लोहार, नरेश गौरा, अरविंद साहू, मनोज उपाध्याय, नागेंद्र तिवारी, ददन यादव, सुनील कुशवाहा ने अपने-अपने विचार रखे.

भाजमो कार्यालय में 321 को पेंशन स्वीकृति पत्र

जमशेदपुर । भारतीय जनतंत्र मोर्चा के बारीडीह स्थित विधानसभा कार्यालय में रविवार को 321 लोगों के बीच मुख्यमंत्री राज्य वृद्धावस्था पेंशन का स्वीकृति प्रमाण पत्र (50 से 59 आयु वर्ग तक) वितरित किया गया. इस कार्यक्रम में महिला मोर्चा की अध्यक्ष मंजू सिंह, सुबोध श्रीवास्तव, बीरेंद्र सिंह, अमित शर्मा, काकोली मुखर्जी, रंजीता राय, पुतुल सिंह, शिवानी सिंह, सुलोचना देवी, बॉबी, लक्ष्मी सरकार, सिम्मी, डी मणि, आरती मुखी, पिंकी बिस्वास, सरिता, नंदिता गागराई, गौतम धर, अभय सिंह, राकेश आदि मौजूद रहे.

ऑटो क्लस्टर में रक्तदान शिविर 21 जुलाई को

आदित्यपुर । मनोज पासवान की अध्यक्षता में चिराग पासवान फैंस क्लब की बैठक पीएचईडी कॉलोनी स्थित मंदिर परिसर में संपन्न हुई. जिसमें निर्णय लिया गया समाज के निचले पायदान के लोगों को आगे बढ़ाना उनकी मदद करना तथा सामाजिक कार्य करना इसका मुख्य उद्देश्य होगा. चिराग पासवान फैंस क्लब का विस्तार सह रक्तदान शिविर 21 जुलाई को आदित्यपुर ऑटो कलस्टर में करने का निर्णय लिया गया. जिसमें साई शिक्षा फाउंडेशन संस्था भी हिस्सा लेगी. बैठक में दया शंकर मिश्रा, अनिल पासवान, अभिषेक आनंद व अन्य सदस्यगण मौजूद थे.

एनसीपी झारखंड की 55 सीटों पर लड़ेगी चुनाव

जमशेदपुर । एनसीपी युवा मोर्चा की एक बैठक रविवार को बालीगुमा स्थित पार्टी कार्यालय में हुई. जिसमें एनसीसी युवा मोर्चा के राष्ट्रीय महासचिव एवं प्रवक्ता डॉ. पवन पाण्डेय ने कहा कि पार्टी आगामी विधानसभा चुनाव में झारखंड की 45 से 55 सीटों पर चुनाव लड़ेगी. इसका निर्णय पार्टी की बीते दिनों दिल्ली में हुई बैठक में लिया गया. उन्होंने कार्यकर्ताओं से अभी से ही विधानसभा चुनाव में जुट जाने का आह्वान किया. उन्होंने कहा कि पार्टी झारखंड में अपने बल बूते छह प्रतिशत वोट प्राप्त करना चाहती है. इसके लिए जल्द ही झारखंड में चुनाव संचालन समिति का गठन किया जाएगा.

अनजान लोगों से बात करने में सावधानी बरतें, निजी जानकारी साझा नहीं करें

साइबर ठगी को लेकर अधिवक्ता व पीएलवी हुए जागरूक

वरीय संवाददाता । जमशेदपुर

साइबर क्राइम के बढ़ते मामलों को लेकर रविवार को प्रशिक्षण सह जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन सिविल कोर्ट लोक अदालत हॉल में किया गया. मामले के विशेषज्ञ एसआई प्रेमचंद भगत एवं अन्य ने कोर्ट के मध्यस्थ, अधिवक्ता एवं पीएलवी को जागरूक किया.

उन्हें बताया गया कि साइबर ठग इन दिनों अलग-अलग-तरीकों से लोगों को अपने जाल में फांसते हैं. खासकर आपकी निजी जानकारी जुटाकर आपको फोन करते हैं. किसी विभाग का नाम लेकर जानकारी प्राप्त करते हैं. ऐसे में अनजान लोगों से बात करने में सावधानी बरतें. साथ ही ऐसे लोगों से अपनी निजी जानकारी खासकर आधार नंबर, बैंक अकाउंट नंबर कतई साझा नहीं करें. वहीं उन्होंने गुगल प्ले स्टोर पर मौजूद कई एप के बारे में जानकारी दी. जिन्हें डाउनलोड करने से बचें.

ठगी के शिकार होने पर 130 पर करें कॉल

प्रशिक्षक प्रेमचंद भगत ने बताया कि अगर जाने-अनजाने में ठगी के शिकार हो गए हैं, तो सबसे पहले साइबर ठगी हेल्प लाइन नंबर 130 पर कॉल कर सूचित करें. उसके बाद विभाग की वेबसाइट पर जाकर अथवा साइबर थाने में जाकर प्राथमिकी दर्ज कराएं. इस दौरान मोबाइल में साइबर ठग द्वारा भेजे गए किसी भी डिटेल्स को डिलीट नहीं करें. उन्होंने कहा कि जागरूकता से ही ठगी से बचा जा सकता है. उन्होंने कहा कि कई मामलों में विभाग ठगों से पैसे वापस दिला चुका है. इसलिए तत्परता एवं जागरूकता जरूरी है.

कोर्ट की प्रक्रियाओं की दी जानकारी

प्रशिक्षक प्रेमचंद भगत ने बताया कि साइबर ठगी की प्राथमिकी दर्ज होने के बाद कोर्ट को सूचित किया जाता है.

ठग चिन्हित होने के बाद उसके अकाउंट को फ्रिज कराया जाता है. यहां तक कि ठगी का पैसा जिन-जिन के अकाउंट में गया है, सारे अकाउंट फ्रिज कराए जाते हैं. जिससे ठगी का पैसा निकल नहीं पाए. अनुसंधान के बाद कोर्ट के आदेश से पैसे वापस दिलाए जाते हैं.

बिष्टुपुर साइबर थाने की ओर से वर्ष 2018 अब तक 5 करोड़ रुपये वापस दिलाए गए हैं.

अच्छा इंसान बनें, तभी सफल हो पाएंगे : कुणाल षाड़ंगी

विभूतिभूषण विद्या सम्मान समारोह में 65 विद्यार्थी सम्मानित

- नशा से दूर रहें युवा बड़ों एवं शिक्षकों का करें सम्मान

संवाददाता । घाटशिला

गौरीकुंज उन्नयन समिति की ओर से रविवार को आशा ऑडिटोरियम में विभूतिभूषण विद्या सम्मान समारोह में जैक बोर्ड के लगभग 65 छात्र छात्राओं को प्रशस्ति पत्र एवं मेडल देकर सम्मानित किया गया.

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि पूर्व विधायक कुणाल षाड़ंगी ने छात्र-छात्राओं को अच्छा इंसान बनने की प्रेरणा दी. उन्होंने कहा कि जीवन में सफल इंसान से ज्यादा जरूरी है अच्छा इंसान बनने की कोशिश करना. अच्छा इंसान एक सफल इंसान बन सकता है परंतु जरूरी नहीं कि सफल इंसान एक अच्छा इंसान बन सके.

सफलता पाने वाले को तो सब प्रोत्साहित करते हैं परंतु फेलियर को यदि प्रोत्साहित किया जाए तो वह निश्चित रूप से सफल हो सकता है. उन्हें उदाहरण देते हुए कहा कि सचिन तेंदुलकर और विनोद कांबली ने एक साथ क्रिकेट की शुरुआत की थी. विनोद काबंली ने पहले मैच में डबल सेंचुरी एवं दूसरे मैच में सेंचुरी मारा था. सचिन फेलियर हो गए थे. बाद में सचिन सफल हुए और विनोद कामले फेलियर. उन्होंने कहा कि युवाओं को सोशल साइट एवं नशा से दूर रहना चाहिए तथा अपने से बड़ों एवं शिक्षकों का सम्मान करना ही उन्हें जीवन की ऊंचाई पर ले जा सकता है. मुख्य अतिथि के रूप में बहरागोड़ा के पूर्व विधायक कुणाल षाड़ंगी एवं समिति के अध्यक्ष तापस चटर्जी ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर समारोह का उद्घाटन किया. इस दौरान शिल्पी तीर्थ नाट्य अकादमी की छात्राओं ने मनमोहक नृत्य प्रस्तुत किया. कार्यक्रम को सफल बनाने में मुख्य रूप से साधु चरण पाल, शिल्पी सरकार, सतीश चंद्र, कंचन कर, प्रदीप भद्र, मनोरंजन बक्शी सहित अन्य का सराहनीय योगदान रहा.

गौरीकुंज उन्नयन समिति के कार्यक्रम में टॉपर बच्चे को सम्मानित करते मुख्य अतिथि कुणाल षाड़ंगी (ऊपर) और कार्यक्रम में शामिल बच्चे.

तीन माह से नहीं लगा रहा मानसिक स्वास्थ्य जांच शिविर, मरीज परेशान

वरीय संवाददाता । जमशेदपुर

- निःशुल्क उपचार मिलने से मरीजों को थी सहुलियत

जिला विधिक सेवा प्राधिकार एवं जिला मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम के संयुक्त तत्वावधान में प्रत्येक प्रखंड में आयोजित होते आ रहा मानसिक स्वास्थ्य जांच शिविर बीते तीन माह से बंद है. जिसके कारण मानसिक व मिर्गी रोगियों को परेशानी हो रही है.

इसकी शिकायत पोटका के पूर्व पार्षद करुणामय मंडल ने सिविल सर्जन से की. सिविल सर्जन ने उन्हें आश्वस्त किया है कि जल्द ही शिविर शुरू किया जाएगा.

पूर्व पार्षद ने बताया कि वर्ष 2017 से प्रत्येक माह रोस्टर के हिसाब से प्रत्येक प्रखंड में शिविर आयोजित होते आ रहा था.

इस दौरान मरीजों की जांच के बाद मौके पर ही निःशुल्क दवा भी दी जाती थी. लेकिन लोकसभा चुनाव के पहले शिविर को बंद कर दिया गया. तीन माह से शिविर नहीं लगने के कारण रोगियों को काफी परेशानी हो रही है. अधिकांश मरीज बीपीएल श्रेणी के हैं. जिसके कारण वे स्वयं के खर्च पर अस्पताल जाने में भी असमर्थ हैं.

आदित्यपुर में जन कल्याण मोर्चा की नई कार्यकारिणी का गठन

जलापूर्ति योजना की प्रगति पर जताई संतुष्टि

संवाददाता । आदित्यपुर

- ओम प्रकाश अध्यक्ष, शारदा देवी कार्यकारी अध्यक्ष, राजेश मुन्ना महासचिव

आदित्यपुर की सामाजिक संस्था जन कल्याण मोर्चा की नई कार्यकारिणी का गठन रविवार को किया गया. जिसमें ओम प्रकाश अध्यक्ष, शारदा देवी कार्यकारी अध्यक्ष, और राजेश कुमार मुन्ना महासचिव बनाया गया है. दो वर्ष के लिए चुनी गई कमेटी में उपाध्यक्ष लिली दास, धनंजय गुप्ता, रंजनी मिश्रा और डीसी मुखी को चुना गया है. सचिव मंडली में पांडी मुखी, नाइकी हेम्ब्रम, अनिल प्रसाद, सुधीर चौधरी, नीतू शर्मा और मनोज पासवान को जगह दी गई है. कमेटी के मुख्य संरक्षक मंडली में पूर्व नगर पर्षद अध्यक्ष राधा सांडिल और अधिवक्ता नरेंद्र प्रसाद को रखा गया है. उप सचिव में बाबू तांती और अनिला झा जबकि कोषाध्यक्ष रामजी प्रसाद को रखा गया है.

आज की बैठक में आदित्यपुर में निर्माणाधीन जलापूर्ति योजनाओं की प्रगति पर चर्चा हुई और जनहित याचिका की सुनवाई के बाद जारी प्रगति पर संतोष व्यक्त किया गया. आज की बैठक में मोर्चा में सभी वार्ड से 4-4 लोगों को शामिल करने का निर्णय लिया गया.

पोटका के विधायक की पहल पर किताकोचा में हुई बोरिंग

डुमरिया । डुमरिया प्रखंड के केंदुआ पंचायत अंतर्गत किताकोचा टोला में पेयजल एवं स्वच्छता विभाग द्वारा दो बोरिंग किया गया. रविवार को दोनों स्थानों की बोरिंग सफल हुई है. पानी का लेयर भी मिल गया है. विधायक संजीव सरदार विगत वर्ष किताकोचा में जनता दरबार का आयोजन कर ग्रामीणों की समस्याओं से रुबरु हुए थे. ग्रामीण पेयजल के लिए पहाड़ी नाला से रिसते हुए पानी पर निर्भर थे. ग्रामीणों ने विधायक से चापानल लगाने की मांग रखी थी. बिहड़ पहाड़ी क्षेत्र होने के कारण बोरिंग वाहन को किताकोचा पंहुचाना काफी मुश्किल था. विधायक के कड़े रुख के बाद पेयजल एवं स्वच्छता विभाग द्वारा जेसीबी की मदद से बोरिंग वाहन को पंहुचाया गया. विदित हो कि आजादी के 75 वर्ष होने के बावजूद किताकोचा में ग्रामीण पेयजल समस्या से जूझ रहे थे. बोरिंग सफल होने से ग्रामीणों को पेयजल समस्या से राहत मिलेगी. विधायक संजीव सरदार ने बताया कि जल्द ही किताकोचा में विद्युतीकरण का कार्य भी शुरू कर दिया जायेगा.

अंधविश्वास मिटाने के लिये गांवों में रात्रि प्रवास करेंगी डॉ. सुनिता

सरकारी सुविधा का लाभ लेने का तरीका बताएंगी

संवाददाता । घाटशिला

मूलभूत समस्याओं से वंचित ग्रामीणों को उनके हक और अधिकार दिलाने तथा समाज में फैले अंधविश्वास को मिटाने के लिए भाजपा नेत्री सह समाजसेवी डॉ. सुनिता देवदूत सोरेन घाटशिला विधानसभा क्षेत्र में एक माह तक अपने समर्थकों के साथ विभिन्न पंचायतों में रात्रि प्रवास करेंगी. मुसाबनी प्रखंड के फारेस्ट ब्लॉक पंचायत से 18 जुलाई को प्रवास कार्यक्रम आरंभ होगा. उसके बाद 21 जुलाई को पारुलिया और कुईली सूता पंचायत, 29 जुलाई को उतरी और दक्षिणी बदिया, 2 अगस्त को मेढ़िया और बेनाशोल पंचायत समेत एक माह तक विभिन्न पंचायतों में रात्रि प्रवास करेंगी.

यह जानकारी यहां रविवार को उन्होंने फुलडुंगरी स्थित आवास पर दी. डॉ. सुनिता कहा झारखंड राज्य गठन के 24 साल बाद भी आज लोग जानकारी के अभाव में मूलभूत सुविधाओं से वंचित हैं, न चलने के लिए बेहतर सड़क है, न पढ़ने के लिए स्कूल, स्वास्थ्य व्यवस्था तो अभी भी भगवान भरोसे चल रही है. इन सब बातों की ग्रामीणों के साथ रात्रि चौपाल लगाकर जानकारी लेंगी और उन्हें बतायेंगे कि किस प्रकार उन्हें सरकारी सुविधा का लाभ लेना है.

उन्होंने कहा कि आज सभी ग्रामीण क्षेत्र में सांप काटने पर लोग मरीज को अस्पताल लाने के बजाय झाड़फूंक पर विशेष जोर देते हैं. जिसके कारण अस्पताल पहुंचते-पहुंचते मरीज की मौत हो जा रही है. समाज में आज भी डायन प्रथा के कारण महिलाओं की हत्या की जा रही है. समाज में फैले इन अंधविश्वास को वह मिटाने के लिए रात्रि प्रवास के दौरान ग्रामीणों को जागरुक करेंगी. मौके पर सत्यनारायण पुष्टी, सुजन कुमार मन्ना, जयंत घोष, निमा रजक, संतोष समेत कई भाजपाई मौजूद थे.

सूंढी समाज उत्थान समिति छात्रों को करेगा सम्मानित

जमशेदपुर । सूंढी समाज उत्थान समिति पोटका सह राजनगर के कार्यकारिणी सदस्यों की एक बैठक समिति के अध्यक्ष सोमेन मंडल कि अध्यक्षता में रविवार को संपन्न हुई. बैठक में शैक्षणिक सत्र 2023-2024 में न्यूनतम प्राप्तांक 70 प्रतिशत के साथ उत्तीर्ण हुए मैट्रिक एवं न्यूनतम 60 प्रतिशत अंक हासिल करने वाले इंटरमीडिएट समाजस्थ छात्र-छात्राओं (जैक एवं सेन्ट्रल बोर्ड) को सम्मानित करने हेतु वार्षिक साधारण सभा आयोजन करने का निर्णय लिया गया. इस दौरान रक्तदान एवं नेत्र चिकित्सा शिविर आयोजन करने का सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया. सोमेन मंडल ने बताया कि अगस्त माह में वार्षिक आम सभा बुलाने का निर्णय लिया गया है. इसके लिए समाज के छात्रों से 17 अगस्त 2024 तक उत्तीर्णता का अंक पत्र जमा करने को कहा गया है. बैठक में सचिव उज्जवल कुमार मंडल, कोषाध्यक्ष सुबोध चंद्र मंडल, कार्यकारिणी सदस्य असित कुमार मंडल, दिलीप मंडल, आशुतोष मंडल आदि उपस्थित थे.

समस्या कर्मचारियों ने प्रबंधन से बचाने की लगाई गुहार, सरकार से भी राशन आवंटित करने की मांग

अंतिम सांसें गिन रहा यूसिल कर्मचारी सहकारिता उपभोक्ता भंडार

संवाददाता । जादूगोड़ा

- उपभोक्ता भंडार को भारत गैस एजेंसी का एकमात्र सहारा

यूसिल कर्मचारी सहकारिता उपभोक्ता भंडार झारखंड सरकार की खाद्य एवं आपूर्ति विभाग की उदासीनता से अंतिम सांसें गिन रहा है. यूसिल में कार्यरत कर्मचारियों ने यूसिल प्रबंधन से मदद की गुहार लगाई है, ताकि इसे बचाया जा सके. उपभोक्ता भंडार में कार्यरत कर्मचारियों को वेतन देने के पैसे बहुत मुश्किल से आ पाते हैं. इसकी सुधि लेने वाला कोई नहीं है.

एक वक्त था जब इस उपभोक्ता भंडार को झारखंड सरकार की खाद्य एवं आपूर्ति विभाग मुसाबनी प्रखंड से चावल, गेहूं, केरोसिन और चीनी आपूर्ति की जाती थी. बाद में साजिश के तहत यूसिल कर्मियों को मिलने वाली इस सुविधा पर रोक लग गई व आपूर्ति ठप कर दी गई. इससे यूसिल कॉलोनी के इस उपभोक्ता भंडार को होने वाली कमाई पर ग्रहण लग गया और यह घाटे में चली गई.

इसे बचाने के लिए यूसिल आगे आई व राशन सामग्री की बिक्री तेज की गई. एक बड़ा उपभोक्ता के रूप में यूसिल आगे आई. इसकी राशन आपूर्ति यूसिल कैंटीन, अस्पताल में शुरू की गई. बाद में कंपनी ने भी मुंह मोड़ लिया और इस उपभोक्ता भंडार से लेना बंद कर दिया. इस कारण इसका मुनाफा घट कर शून्य हो गया. इस उपभोक्ता भंडार को भारत गैस एजेंसी का एकमात्र सहारा है, जिसके 1600 भारत गैस धारक के सहारे यह उपभोक्ता भंडार टिका है. इधर स्थानीय लोगों ने झारखंड सरकार से दोबारा इस उपभोक्ता भंडार को चीनी, गेहूं, दाल, केरोसिन आवंटन करने की मांग की है, ताकि जादूगोड़ा की इस यूसिल कर्मचारी सहकारिता उपभोक्ता भंडार को बचाया जा सके.

खाली पड़े सहकारिता उपभोक्ता भंडार में बैठे कर्मचारी.

न्यूज अपडेट

पर्यावरण मित्र ने घाटशिला में लगाए 75 पौधे

घाटशिला । पर्यावरण मित्र घाटशिला के रविवारीय पौधारोपण अभियान में बड़ाजुड़ी फुटबाल मैदान में 50 एवं आदिवासी हॉस्टल धरमबहाल में 25 फलदार एवं छायादार पौधे लगाए गए. बड़ाजुडी फुटबाल मैदान में लगे सभी ग्रेसेबल पौधों को बांस और जाली लगाकर सुरक्षित किया गया. अब अगले 5 -6 रविवार को लगातार दोनो मैदानों में पौधारोपण कर और उसका देखभाल कर पौधों को बढ़ाया जायेगा ताकि उसे एक बगीचे का रूप दिया जा सके. उसके बाद दूसरे मैदान का रुख किया जाएगा. पौधारोपण अभियान में मुख्य रूप से संयोजक प्रो इंदल पासवान के नेतृत्व में जगदीश भकत, पार्षद सुभाष सिंह, मिहिर भगत, भागीरथ गोप, भावेश भकत, कंचन भकत, विश्वजीत सिंह, सहित कई ग्रामीणों ने सक्रिय भूमिका निभाई.

डीएमएफटी योजना चयन पर ग्राम सभा आयोजित

घाटशिला । जिला खनिज फाउंडेशन ट्रस्ट (डीएमएफटी) के मद से पंचायत स्तरीय योजना चयन को लेकर धरमबहाल पंचायत सचिवालय में रविवार को ग्राम सभा का आयोजन किया गया. ग्राम सभा में पंचायत क्षेत्र के कई लोग उपस्थित थे. ग्रामीणों ने प्रस्ताव देते हुए कहा कि कीताडीह गांव के समीप कृष्णा नगर जाने के लिए सड़क तथा पुल नहीं है. इस डीएमएफटी मद से इस योजना के क्रियान्वयन को लेकर प्रस्ताव भेजा जाए तो लोगों को काफी सुविधा होगी. इसके अलावा पंचायत क्षेत्र के कई सार्वजनिक स्थलों में हाई मास्ट लाइट नहीं है. इसे भी प्राथमिकता के आधार पर लिया जा सकता है. इसके अलावा अन्य कई योजना का प्रस्ताव ग्रामीण एवं पंचायत प्रतिनिधियों द्वारा दिया गया.

चोर काटकर ले गये बिजली के तार, बिजली गुल

घाटशिला । धालभूमगढ़ प्रखंड के जुनबनी पंचायत के रघुनाथडीह के खुलीडीह गांव में शनिवार देर रात चोर चलती लाइन से 500 मीटर केबल काट कर तार लेकर फरार हो गये. ग्रामीणों ने रविवार को काफी देर लाइन नहीं आने पर विभाग को जानकारी दी. विभाग के कर्मचारियों ने फॉल्ट खोजते हुए देखा कि केबल तार कटा है. ग्रामीणों ने इसकी सूचना पंचायत के उप मुखिया सुजन कुमार मन्ना को दिया. उन्होंने उस स्थान पर पहुंचकर कार्यपालक अभियंता, जेईई धालभूमगढ, थाना प्रभारी धालभूमगढ़ को मोबाइल के माध्यम से जानकारी दी. बिजली नहीं रहने पर पूरा खुलीडीह गांव अंधेरे में है. ऐसे भी यह गांव जंगल के बीच में है. घटनास्थल पर मुख्य रूप से सुमन सिंह मुंडा, जगदीश महतो, परणव मुंडा समेत काफी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे.

शांतिपूर्ण मुहर्रम मनाने को कांड्रा थाना में बैठक

कांड्रा । कांड्रा थाना में मुहर्रम को लेकर शांति व्यवस्था एवं सांप्रदायिक सौहार्द बनाए रखने के लिए कांड्रा थाना प्रभारी अंजनी कुमार के नेतृत्व में रविवार को शांति समिति की बैठक संपन्न हुई. बैठक में उपस्थित शांति समिति के सदस्यों ने अपनी-अपनी बातों को रखा एवं थाना प्रभारी को बताया कि कांड्रा थाना क्षेत्र में मुहर्रम का किसी तरह का कोई जुलूस नहीं निकलता है. लोग शांतिपूर्ण ढंग से यहां मुहर्रम का पर्व मनाते हैं. वहीं कांड्रा थाना प्रभारी ने क्षेत्र में किसी तरह की कोई भी अप्रिय घटना घटने पर इसकी सूचना तत्काल थाना को देने की अपील की. थाना प्रभारी ने नशा के विरुद्ध अभियान, साइबर अपराध से सतर्कता, मकान मालिकों को बाहर से सभी किराएदार का आईडी सत्यापन की अपील की.

दीपक प्रकाश का सनातन समिति ने किया अभिनंदन

जमशेदपुर । भाजपा की पोटका विधानसभा स्तरीय विजय संकल्प सभा को संबोधित करने शहर पहुंचें पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सह राज्यसभा सांसद दीपक प्रकाश का रविवार को सनातन उत्सव समिति के सदस्यों ने बिष्टुपुर में स्वागत और अभिनंदन किया. समिति के संस्थापक सदस्य वीर कुमार सिंह और जिलाध्यक्ष ललित राव के नेतृत्व में सदस्यों ने दीपक प्रकाश अंग वस्त्र भेंटकर उनका अभिनंदन किया. राज्यसभा सांसद ने समिति के सदस्यों द्वारा लोकसभा चुनाव के दौरान भाजपा हित में संचालित जनसंपर्क एवं प्रचार अभियान को सराहा. उन्होंने आग्रह किया कि उसी ऊर्जा के संग विधानसभा चुनाव में भी भाजपा के हित में तन्मयता से कार्य करें. इस दौरान वीर सिंह, ललित राव, कुलदीप सिंह, अमृत सिंह सहित अन्य उपस्थित थे.

फुलडुंगरी में लगाया निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर

घाटशिला । समाजसेवी सह भाजपा नेत्री डॉ सुनीता देवदूत सोरेन ने फुलडुंगरी स्थित अपने आवास पर रविवार को निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया. शिविर में मुख्य रूप से ब्रह्मानन्द अस्पताल के सर्जन डॉ देवदूत सोरेन मरीजों को चेकअप के लिए मौजूद रहे. शिविर में पेट की बीमारी, सिकल सेल एनीमिया, हाइड्रोसील वाले मरीजों का चेकअप कर चिकित्सीय परामर्श दिया गया. मरीजों को शुगर एवं ब्लड प्रेशर की भी जांच की गई. डॉ सुनीता देवदूत सोरेन ने कहा कि लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने की आवश्यकता है. गर्मी के साथ-साथ बारिश भी हो रही है ऐसे मौसम में अपने आप एवं अपने बच्चों का बचाव बहुत जरूरी है,पेट के इंफेक्शन एवं सर्दी, खांसी, बुखार होने की संभावना ज्यादा रहती है.

शॉर्ट सर्किट से लगी आग, लाखों का नुकसान

बहरागोड़ा । बहरागोड़ा प्रखंड क्षेत्र के मानुषमुड़िया गांव निवासी नीलकांत भोल के पक्के मकान में लगे बिजली के मीटर में शॉर्ट सर्किट से आग लग गई. आग पूरे घर में फैल गई और सारा सामान जल कर राख हो गया. गोदरेज अलमारी में रखा ढाई लाख रुपया तथा गहने भी जल गये. साथ ही साथ घर में रखे कई कीमती सामान भी राख हो गये. बताया जाता है कि जब आग लगी उस समय घर में केवल महिलाएं थीं. अचानक आग लगने पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया. इसे देखकर स्थानीय लोगों और परिवार के सदस्यों ने आग पर काबू पाया. उधर जब-तक घर के पुरुष सदस्य पहुंचे तब तक घर का सारा सामान जलकर राख हो गया था .

सेवानिवृत्त सेलकर्मियों को दी गई विदाई

किरीबुरू । सेल, मेघाहातुबुरु के माइनिंग विभाग द्वारा सेवानिवृत्त पांच सेलकर्मियों को विदाई दी गई. विभाग के मुरली आपट, अखिलेश प्रसाद, आशीष कुमार बोस, सत्यवान बेंकुरा, मनोरंजन साहू सेवानिवृत्त हो गये. उन्हें सामूहिक रूप से सामुदायिक भवन, मेघाहातुबुरु में 14 जुलाई को विदाई दी गई. ऐसी विदाई मेघाहातुबुरु के इतिहास में पहली बार दी गई. विदाई समारोह में माइनिंग विभाग के तीनों पालियों के अधिकारी व सेलकर्मी शामिल हुए.
कार्यक्रम में मुख्य अतिथि महाप्रबंधक एसके सिंह ने सभी सेवानिवृत्त सेलकर्मियों को बुके व उपहार भेंट किया. उन्होंने कहा कि ऐसा आयोजन हम सेलकर्मियों के बीच का आपसी व पारिवारिक अटूट प्यार व एकजुटता को दर्शाता है. हमें गर्व होता है कि हमारे साथी सेलकर्मियों ने ऐसी परम्परा को प्रारम्भ किया है. इससे हमें एक नयी शक्ति मिलती है. यह आजीवन यादगार रहेगा. समारोह में संदीप भारद्वाज, डीसी परिडा, अनुपम कुमार, प्रकाश कुमार गुप्ता, आदिल अहमद, अशोक सिंह, धीरज केरकेट्टा, चंद्रकांत सिंह, जे साशमल, सुरेश पान, संजय बेहरा, मुकेश कुमार, महेन्द्र नाथ, जगजीत सिंह गिल, यशवंत पान, प्रमोद पूर्ति, आर सी हंसदा, अमर ज्योति दास, दयानन्द कुमार, राजेश बनर्जी आदि दर्जनों शामिल थे.

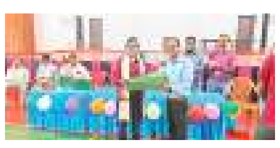

सीआईएसएफ ने पर्यावरण सुरक्षित रखने के लिए मेरा घर, मेरा पेड़, मेरा परिवार का दिया संदेश

जवानों व उनके परिजन ने घर के सामने लगाए पौधे, संरक्षण का लिया संकल्प

वृक्षारोपण कार्यक्रम में शामिल अतिथि।

वृक्षारोपण कार्यक्रम में शामिल सीआईएसएफ परिवार.

संवाददाता । किरीबुरू

मेरा घर, मेरा पेड़, मेरा परिवार की थीम पर पर्यावरण को सुरक्षित रखने के लिए केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) की गुवा इकाई ने पौधरोपण किया. सीआईएसएफ के उप कमाडेंट राकेश चंदन एवं संरक्षिका सह अध्यक्ष सुषमा चंदन के नेतृत्व में सीआईएसएफ के जवानों एवं उनके परिवारजनों ने मेरा घर, मेरा पेड़, मेरा परिवार का सन्देश देते हुए अपने आवास के सामने पौधरोपण किया. साथ ही संकल्प लिया कि सभी अपने-अपने परिवार के सदस्य की तरह पौधे का संरक्षण करेंगे और उसे परिवार का सदस्य मानेंगे. इससे परिवार के संरक्षण के साथ-साथ पर्यावरण का भी संरक्षण किया जा सकेगा. सीआईएसएफ जवानों के छोटे बच्चों ने भी इस कार्यक्रम में भाग लिया. इस मौके पर सीआईएसएफ के उप कमांडेंट राकेश चंदन ने कहा कि पर्यावरण को बचाए रखना हम सभी के लिए बहुत ही जरूरी है, क्योंकि इससे शुद्ध ऑक्सीजन मिलता है. बिना पर्यावरण के जीवन संभव नहीं है. गांव-गांव जाकर लोगों को जागरूक करने की जरूरत है, तभी हम पेड़ पौधों को बचा पाएंगे. सभी लोग यह प्रण कर लें कि अपने जन्मदिन या बच्चों के जन्मदिन पर एक पौधा अपने घर के पास जरूर लगाएं. इस दौरान कंपनी कमांडर एलके साहू, सूचना प्रभारी राज कुमार चौधरी एवं अन्य जवान मौजूद थे.

एक पेड़ मां के नाम अभियान चलाया

सारंडा वन प्रमंडल के डीएफओ अभिरुप सिन्हा के निर्देशानुसार गुवा वन क्षेत्र पदाधिकारी परमानंद रजक के नेतृत्व में एक पेड़ मां के नाम अभियान चलाया गया. अभियान में वन विभाग व जेएसएलपीएस जेंडर सीआरपी एवं कल्याण नगर आजीविका महिला ग्राम संगठन की महिलाएं शामिल हुईं. महिलाओं ने अभियान के तहत हिरजी हाटिंग और गुवा में पौधरोपण किया. वन विभाग व महिलाओं ने लोगों को जागरुक करते हुये कहा कि सारंडा जैसा एशिया का सबसे बड़े जंगल में हमें पौधरोपण करना पड़ रहा है, जो दुर्भाग्यपूर्ण व चिंता का विषय है. सारंडा जंगल में हजारों प्रजाति के पेड़-पौधे हैं. हमें फिर यहां पौधरोपण करने की जरुरत नहीं होगी. इस दौरान जेएसएलपीएस जेंडर सीआरपी ममता देवी, गीता देवी, अनुराधा राव, संजू कर्मकार, अलका पाठक, महादेवी सिंहा, रजनी देवी, नलिनी हाजरा सहित अन्य मौजूद थे.

मानगो में पकड़ाया स्कूटी चोर, पुलिस कर रही पूछताछ

जमशेदपुर । जमशेदपुर के मानगो थाना अंतर्गत दाईगुट्टू सर्दुल फैक्ट्री के पास रविवार देर शाम स्कूटी चोरी कर भाग रहे एक युवक ने टाइगर मोबाइल के जवान पर चाकू से हमला करने का प्रयास किया. हालांकि इस दौरान स्थानीय लोगों ने युवक को दबोच लिया और उसकी पिटाई कर दी. घटना के बाद सूचना पाकर मानगो पुलिस मौके पर पहुंची और युवक को पकड़कर थाना ले गई जहां युवक से पूछताछ की जा रही है. स्थानीय लोगों ने बताया कि युवक सर्दुल कंपनी के पास से स्कूटी चोरी कर भाग रहा था. इसकी सूचना मिलते ही टाइगर मोबाइल का जवान मौके पर पहुंचा और पीछा कर युवक को धर-दबोचा. पुलिस से बचने के लिए युवक टाइगर मोबाइल के जवान पर चाकू से हमला करने लगा, जिसमें टाइगर मोबाइल का जवान बाल-बाल बच गया. फिलहाल पुलिस थाना में युवक से पूछताछ कर रही है. उससे और चोरी की गाड़ियों के संबंध में जानकारी मिलेगी.

चूल्हा प्रमुख सम्मेलन में ईचागढ़ से विस चुनाव का शंखनाद

विकास पर आधारित राजनीति करती है आजसू : सुदेश महतो

मंच पर उपस्थित सुदेश महतो, रामचंद्र सहिस, हरेलाल महतो व अन्य.

चूल्हा प्रमुख सम्मेलन में पार्टी के कार्यकर्ता व ग्रामीण.

- ईचागढ़ में एक नहीं, 8500 हरेलाल नेतृत्व करेगा

संवाददाता । चांडिल

आजसू पार्टी चुनाव में जीत-हार की नहीं, बल्कि विकास आधारित राजनीति करती है. आजसू पार्टी सिर्फ राजनीतिक दल नहीं, बल्कि समाजसेवा करने वाली पार्टी है. यह बातें राज्य के पूर्व उप मुख्यमंत्री सह सिल्ली के विधायक सुदेश कुमार महतो ने कहीं. चांडिल प्रखंड के भादुडीह में आजसू पार्टी के ईचागढ़ विधानसभा स्तरीय चूल्हा प्रमुख सह ग्राम प्रभारी सम्मलेन को सुदेश महतो बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे उन्होंने कहा कि पार्टी की राजनीति की परिभाषा विकास आधारित है. पार्टी सिर्फ चुनाव के समय जनता के पास नहीं जाती है. हमेशा जनता के साथ रहती है.
उन्होंने कहा कि ईचागढ़ में 8,500 चूल्हा प्रमुख बनाये गये हैं. यहां एक हरेलाल नहीं साढ़े आठ हजार हरेलाल ईचागढ़ का नेतृत्व करेगा. इसमें आधी महिलाओं की भागीदारी होगी. एक चूल्हा प्रमुख के जिम्मे 10 परिवार होंगे. वे 10 परिवार को केंद्र व राज्य सरकार द्वारा दी जा रही सुविधाओं का निरीक्षण करेंगे और सुविधाएं दिलाने का प्रयास करेंगे. सुदेश कुमार महतो ने चूल्हा प्रमुख व ग्राम प्रभारियों से कहा कि इस सम्मेलन के साथ ही ईचागढ़ विधानसभा क्षेत्र से आजसू पार्टी विधानसभा चुनाव 2024 का शंखनाद कर रही है. अब ईचागढ़वासियों को तय करना होगा कि उन्हें नाम वाला विधायक चाहिए या काम वाला चाहिए. सुवर्णरेखा बहुद्देशीय परियोजना को झारखंड सरकार ने बंद कर दिया था. उनके मंत्रित्व काल में परियोजना को केंद्रीय परियोजना में बदल कर 300 करोड़ रुपये के फंड के साथ शुरू करवाया गया था.

व्यवसाय छोड़ जनसेवा के लिये राजनीति शुरू की : हरेलाल

आजसू पार्टी के केंद्रीय महासचिव हरेलाल महतो ने कहा कि कुछ लोग राजनीति में स्थापित होने के बाद बड़े-बड़े व्यवसाय शुरू करते हैं, लेकिन उन्होंने व्यवसाय छोड़कर जनसेवा के लिए राजनीति शुरू की है. ईचागढ़ विस क्षेत्र के चार प्रखंड में चार एम्बुलेंस दिया है, जो लोगों के लिए निःशुल्क है. वहीं पेयजल के लिए दर्जनों टैंकर दिया गया है. अगर उन्हें ईचागढ़ विधानसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने का मौका मिला तो सबसे पहले वे शिक्षा के विकास पर काम करेंगे और एक महिला डिग्री कॉलेज की स्थापना करवाएंगे.

कई समाजसेवी और युवाओं ने थामा आजसू का दामन

चांडिल । आजसू पार्टी के ईचागढ़ विधानसभा स्तरीय चूल्हा प्रमुख सम्मेलन सह शपथ ग्रहण समारोह में कई समाजसेवी व युवाओं ने पार्टी का दामन थामा. पार्टी का दामन थामने वालों में प्रफुल्य गोप, निरंजन गोप, नरेन गोप, सुभाष तंतुवाई, श्याम पदों तंतुवाई, विश्वजीत गोप, सुमन गोप, मनोज गोप, शंकर गोप, गणेश गोराई, प्रकाश गोप, धर्मराज गोप, मोहित गोप, राधेश्याम गोप, अरूप गोप, विश्वनाथ गोप, निमाई गोप, धनंजय गोप, रोहित गोप, मलखान गोप, विशाल गोप, रवींद्र गोप, सुमित गोप, शीला महतो, रोमनी बेसरा, रेखा हांसदा, सरस्वती देवी, चांदमनी हंसदा, सुशिल सिंह मुंडा, रजनी मछुआ, शिला मछुआ, पूजा मछुआ, वीणा मछुआ समेत कई युवा हैं.
खोयी अस्मिता को लौटाना है : सुदेशइस अवसर पर आजसू पार्टी सुप्रीमों सुदेश महतो ने कहा कि राज्य की खोयी अस्मिता को लौटाना है. सभी युवाओं का यही राजनीतिक दायित्व होना चाहिए. जनता के साथ विश्वास के संबंध को अटूट और मजबूत बनाना होगा. पार्टी के प्रधान महासचिव रामचंद्र सहिस ने कहा कि राज्य की मौजूदा परिस्थिति से समाज का हर एक वर्ग हताश और निराश है. इस परिस्थिति को बदलने और राज्यवासियों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने के लिए हम सभी को मिलकर काम करना होगा. इस अवसर पर रविशंकर मौर्य, सचिव सुनील सिंह, सत्यानारायण महतो, सुषेण महतो, मांझी साव, सचिन, आरती सिंह आदि आदि उपस्थित थे.

न्यूज अपडेट

गुवा थाना में प्रत्येक मंगलवार को लगेगा जनता दरबार

किरीबुरू । गुवा थाना में प्रत्येक मंगलवार को जनता दरबार का आयोजन किया जाएगा. उक्त जानकारी थाना प्रभारी नितिश कुमार ने दी है. उन्होंने कहा कि 23 जुलाई से जनता दरबार की शुरुआत की जाएगी. इस जनता दरबार के माध्यम से पारिवारिक व घरेलू विवाद, अंधविश्वास, भूमि विवाद जैसे मामलों का निपटारा, नशाखोरी पर अंकुश हेतु काउंसलिंग व रोकथाम हेतु प्रयास, छोटे अपराधों की रोकथाम का प्रयास किया जाएगा. बाल विवाह, बाल मजदूरी, मानव तस्करी, कानून की धाराओं में बदलाव व कानून संबंधी तमाम जानकारी से लोगों को दी जाएगी.

सारंडा में बारिश नहीं होने से परेशान हैं किसान

किरीबुरू। वर्षा नहीं होने से सारंडा के किसान परेशान हैं. वहीं किरीबुरु-मेघाहातुबुरु के लोग शहर में निरंतर छाये बादल व घने कोहरे से परेशान हैं. 14 जुलाई की सुबह किरीबुरु-मेघाहातुबुरु में कोहरा इतना घना था कि लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था. कोहरा में चलने के दौरान कपड़े भीग जा रहे थे. चश्मा व वाहन के शीशा पर पानी की परत बैठ जाती थी, जिससे वाहन चलाने में परेशानी हो रही थी. निरंतर बादल छाये रहने की वजह से गीले कपडे.सूख नहीं पा रहे हैं. वर्षा नहीं होने की वजह से किसानों के खेतों में लगे गोड़ा धान, मक्का, गंगई आदि फसल व सब्जियां बर्बाद होने के कगार पर पहुंच गई हैं. इससे किसानों परेशान हैं. उन्हें भारी नुकसान होने की संभावना है.

भैया-बहनों के अभिभावकों संग स्कूल प्रबंधन ने की बैठक

चांडिल । नौरंगराय सूर्यादेवी सरस्वती शिशु विद्या मंदिर रुचाप, चांडिल में रविवार को कक्षा 10वीं के भैया-बहनों के अभिभावक और विद्यालय प्रबंधन समिति की बैठक हुई. बैठक का उद्देश्य बच्चों में अनुशासन की भावना का विकास और बोर्ड परीक्षा 2025 में बेहतर अंक प्राप्त करने के गुर पर चर्चा करना था. इस अवसर पर सर्वप्रथम विद्यालय की परंपरा के अनुसार अभिभावकों में से कक्षा 10वीं की बहन हर्षिता राज के पिता ब्रजमोहन यादव का चयन अध्यक्ष के रूप में किया गया. अध्यक्ष चुने जाने के बाद उन्होंने दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम की शुरुआत की. मौके पर विद्यालय के प्रधानाचार्य कुणाल कुमार ने कार्यक्रम की प्रस्तावना सहित अनुशासन और भैया-बहन के विकास पर चर्चा की. इसके बाद अभिभावकों से महत्वपूर्ण सुझाव लिए गए. उप प्रधानाचार्य सुब्रतो चटर्जी ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया.

चांडिल : सौहार्दपूर्ण वातावरण में मुहर्रम मनाने की अपील

चांडिल । चांडिल अनुमंडल क्षेत्र के ईचागढ़ व तिरूलडीह थाना परिसर में रविवार को प्रखंड विकास पदाधिकारी कीकु महतो की अध्यक्षता में शांति समिति की बैठक हुई. मुहर्रम को लेकर शांति समिति के सदस्य व पंचायत प्रतिनिधियों के साथ चर्चा की गयी. प्रभारी प्रखंड विकास पदाधिकारी कीकू महतो, अंचल अधिकारी दीपक प्रसाद व तिरुलडीह थाना प्रभारी अलम चांद महतो ने लोगों से मुहर्रम पर्व को सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाने और पर्व के दौरान शांति व्यवस्था बनाए रखने में प्रशासन का सहयोग करने की अपील की. वहीं उपस्थित लोगों ने मुहर्रम पर्व को पूर्व की तरह आपसी भाईचारा के साथ मनाने का निर्णय लिया. मुहर्रम का त्योहार 17 जुलाई को है.

ब्रीफ खबरें

ईडब्ल्यूएस क्वार्टरवासियों की पुरेन्द्र ने सुनीं समस्याएं

आदित्यपुर । आदित्यपुर नगर परिषद के पूर्व उपाध्यक्ष पुरेन्द्र नारायण सिंह रविवार को 100 ई डब्ल्यूएस क्वार्टरवासियों की समस्याओं से रु-ब-रु हुए. इस क्रम में कॉलोनीवासियों के आग्रह पर वार्ड संख्या-34 स्थित दुर्गा पूजा मैदान पहुंचे पुरेन्द्र नारायण सिंह ने कॉलोनीवासियों की मांग को जायज बताया. उन्होंने शीघ्र ही पूर्व मुख्य मंत्री चंपाई सोरेन से मिलकर कॉलोनी वासियों की समस्या का स्थायी समाधान कराने की बात कही. लोगों ने बताया कि क्वार्टर में रहने वाले करीब 30-40 लोग आवास बोर्ड में आवंटन हेतु अग्रिम राशि भी जमा कर चुके हैं.

मेघाहातुबुरु खदान को मिला फाइव स्टार रेटिंग

किरीबुरू । सेल की मेघाहातुबुरु लौह अयस्क खदान को भारत सरकार के खान मंत्रालय के तहत भारतीय खान ब्यूरो (आईबीएम) द्वारा वर्ष 2022-23 के लिए सतत विकास के लिए 5 स्टार रेटिंग दी गई है. सेल की खदानों में मेघाहातुबुरु वर्ष 2022-23 के लिए 5 स्टार रेटिंग प्राप्त करने वाली एकमात्र खदान है. भारत में भाग लेने वाली कुल 1256 अयस्क खदानों में से केवल 68 खदानों को 5 स्टार रेटिंग दी गई है. मेघाहातुबुरु उनमें से एक है. खान मंत्रालय ने सतत विकास के कार्यान्वयन की दिशा में खदानों को मान्यता देने के लिए 2016 में स्टार रेटिंग शुरू की थी.

मानगो में चंदा मांगने आए युवकों ने किया हमला

जमशेदपुर । मुहर्रम का चंदा मांगने आये युवकों ने मानगो थाना अंतर्गत जवाहर नगर रोड नंबर 13 निवासी मो. महमूद अशरफ का सिर फोड़ दिया. पीड़ित ने इस संबंध में मानगो थाना में शिकायत दर्ज कराई. पुलिस ने उसे इलाज के लिए एमजीएम अस्पताल भेजवाया. अशरफ ने बताया कि रविवार सुबह 11 बजे हथियारों से लैस और नशे में धुत 20 से 25 युवक डंका बजाते हुए मुहर्रम का चंदा मांगने पहुंचे. अशरफ ने उन्हें डंका बजाने से मना किया कि उसके घर में हार्ट का पेशेंट है, तो वे लोग गाली-गलौज करने लगे.

शादी का झांसा देकर यौन शोषण का आरोप

जमशेदपुर । सरायकेला-खरसावां जिले के आरआईटी थाना क्षेत्र निवासी एक 16 वर्षीय नाबालिग से शादी का झांसा देकर यौनशोषण का मामला प्रकाश में आया है. इस संबंध में पीड़िता ने कदमा ग्रीन पार्क निवासी सोनू सोय पर आरोप लगाते हुए कदमा थाना में प्राथमिकी दर्ज करवाई है. पीड़िता ने पुलिस को बताया कि सोनू से उसकी मुलाकात साल 2022 में हुई थी. इस दौरान सोनू ने शादी का झांसा देते हुए शारीरिक संबंध बनाए. अब वह शादी से मुकर रहा है.

जोजोगुटू में ग्रामीणों ने गांव की समस्याओं पर की चर्चा

संवाददाता । चाईबासा

मनोहरपुर विधानसभा के रायडीह पंचायत के जोजोगुटू गांव के स्कूल टोला में रविन्द्र सिद्धू की अध्यक्षता में बैठक हुई. इसमें झारखंड पार्टी के केंद्रीय सचिव सह अधिवक्ता महेंद्र जामुदा को आमंत्रित किया गया था. बैठक में गांव की समस्याओं पर चर्चा की गई. पानी गांव की मुख्य समस्या है और अंचल कार्यालय से निर्गत होने वाली जाति, आवासीय,आय प्रमाण पत्र मिलने में परेशानी हो रही है. दूसरी ओर, झारखंड सरकार कहती है कि 15 दिन के अंदर आपको आपका प्रमाण पत्र मिल जाएगा, लेकिन अब लगता कि है कि यह सिर्फ चुनावी जुमला है. गांव की परती जमीन मुंडा द्वारा बंदोबस्त नहीं हो पा रही है. झारखंड सरकार उसको अपने अधीनस्थ ही रखा है. जिससे गांव वालों में रोष है. कोई भी बड़े सरकारी पदाधिकारी एवं जनप्रतिनिधि स्कूल का दौरा नहीं करते हैं. जबकि सभी इसी रास्ते से हो कर गुजारते हैं. मौके पर अभिराम गुड़िया, मोरा सिरका, सुखबीर देवगन, सामू गुड़िया, सोमय पूर्ति, रयल गुड़िया, जीवन कडुलना, विसंगी गुड़िया, आना गुड़िया, बसन्ती सिरका, गुरबारी आदि मौजूद थे.

आंगनबाड़ी कर्मियों की समस्याओं को संसद में रखूंगी : जोबा माझी

संवाददाता । किरीबुरू

कार्यक्रम में आंगनबाड़ी सेविका, सहायिकाओं के बीच जोबा माझी.

सारंडा झारखंड राज्य समाज कल्याण आंगनबाड़ी कर्मचारी संघ ने रविवार को सिंहभूम की नव निर्वाचित सांसद जोबा माझी का अभिनंदन किया. संत जेवियर्स ब्वायज स्कूल सभागार में आयोजित समारोह में कर्मचारी संघ के पदाधिकारियों ने शॉल ओढ़ाकर एवं फूलों का गुलदस्ता भेंट कर अभिनंदन किया. समारोह में सांसद जोबा माझी ने कहा कि आंगनाबाड़ी कर्मचारी समाज को सही दिशा देने का काम कर रही हैं. कुपोषण और एनीमिया जैसी समस्याओं को आंगनबाड़ी केंद्र से ही दूर किया जा सकता है. भले ही वह आज इस विभाग की मंत्री नहीं हैं, लेकिन कर्मचारियों की दुख-दर्द से भली भांति परिचित हैं. जोबा माझी ने कहा कि आंगनबाड़ी कर्मचारियों की समस्याओं को लेकर जल्द ही सूबे के मंत्री और सचिव के साथ बैठक कर बातों को रखेंगी. वहीं केंद्र सरकार से संबंधित मामलों को लेकर संसद में प्रखर होकर रखेंगी. संघ की प्रदेश अध्यक्ष अनीता बिरूवा, मार्टिन मुर्मू, हरदेव सिंह यादव ने सांसद के कार्यों की प्रशंसा की.

नृत्य व संगीत के साथ सांसद का किया स्वागत

इससे पूर्व पारंपरिक तरीके से सांसद जोबा माझी का नृत्य एवं गीत के साथ स्वागत किया गया. संघ के जिलाध्यक्ष मार्टिन मुर्मू ने अभिनंदन समारोह के दौरान सांसद के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि पूर्व में विभागीय मंत्री के रूप में कर्मचारियों के हित में मानदेय वृद्धि समेत किये गये अन्य कार्यों को संघ और कर्मचारी हमेशा याद रखेंगे. उन्होंने सांसद के समक्ष सेविका-सहायिका व अन्य कर्मचारियों के वास्तविक मानदेय, बीएलओ कार्य से मुक्त करने, नियमावली त्रुटि में सुधार करने, सेवा शर्त एवं प्रोन्नति से संबंधित आदि समस्याओं को दूर करने की मांग की.

आंदोलन सारंडा की खदानें खोलने, वनाधिकार पट्टा, वन ग्राम को राजस्व गांव, बालू, राशन-पेंशन दिलाने के लिए गरमाने वाली है राजनीति

कोड़ा दंपती ग्रामीणों की समस्या दूर करने के लिए राज्य सरकार से लड़ेंगे लड़ाई

संवाददाता । किरीबुरू

मधू कोड़ा.

गीता कोड़ा.

लागुड़ा देवगम.

सारंडा क्षेत्र के गांवों में रहने वाले अत्यंत गरीब ग्रामीणों की जरुरी मांगों को वर्तमान हेमंत सोरेन व तत्कालीन चंपाई सोरेन सरकार ने पूरा नहीं किया है. इसके खिलाफ सारंडा के ग्रामीणों के साथ कोड़ा दंपती पूर्व मुख्यमंत्री मधु कोड़ा एवं पूर्व सांसद गीता कोड़ा सरकार के खिलाफ चरणबद्ध आंदोलन करेंगे. सारंडा पीढ़ के मानकी लागुड़ा देवगम, राजाबेड़ा के मुंडा जामदेव चाम्पिया, जोजोगुटु मुंडा कानुराम देवगम, जामकुंडिया के मुंडा कुशु देवगम, छोटानागरा के मुंडा बिनोद बारिक आदि ने इसका ऐलान भी कर दिया है. ग्रामीण मानकी-मुंडा ने कहा कि मधु एवं गीता कोड़ा ने भी हमारी महत्वपूर्ण मांगों को लेकर सार्वजनिक मंच से बड़ा आंदोलन करने की घोषणा की है.
खदानें बंद होने से लोग हुए बेरोजगार : सारंडा में वर्ष 2021 से पहले दर्जनों खदानें चालू थीं. इस कारण यहां के हजारों बेरोजगारों को रोजगार मिलता था. खदानें बंद होने से अचानक लोग बेरोजगार हो गये. उनके परिवार की आर्थिक स्थिति खराब हो गई. सारंडा से रोजगार हेतु पलायन बढ़ गया है. जो खदानें चालू हैं उसमें बाहरी को रोजगार मिलने लगा और स्थानीय लोग रोजगार से वंचित हो गये. इसके खिलाफ मधु कोड़ा के नेतृत्व में सेल, गुवा प्रबंधन के खिलाफ बड़ा आंदोलन हुआ, जिसमें सफलता मिली. खदानों में स्थानीय बेरोजगारों को ही नौकरी देने की लड़ाई तेज होगी.

कुछ माह से नहीं बन रहा जन्म-मृत्यु प्रमाणपत्र

पिछले कुछ माह से सारंडा के लोगों का जन्म और मृत्यु प्रमाण पत्र आदि नहीं बन पा रहा है. आधार अपडेट की कोई सुविधा नहीं है. इस कारण राशन कार्ड, बैंक पासबुक आदि का केवाईसी नहीं हो रहा है. इससे ग्रामीण परेशान हैं. इस कार्य हेतु मोटी रकम की मांग की जा रही है. गरीब जनता देने में असमर्थ है. सारंडा में चिकित्सा व पेयजल की समस्या की स्थिति दयनीय है. थोलकोबाद के ग्रामीण जलमीनार हेतु वर्तमान सांसद से गुहार लगा चुके हैं, लेकिन समस्या का समाधान नहीं हो रहा है. इसे लेकर राजनीति गरमाने वाली है.

वनाधिकार का पट्टा के लिए हैं संघर्षरत

सारंडा के ग्रामीण वर्षों से वनाधिकार का पट्टा के लिए संघर्ष कर रहे हैं. वर्तमान सरकार भी पट्टा दिलाने के नाम पर वोट प्राप्त कर जीत हासिल की थी. लेकिन आज तक वनाधिकार का पट्टा ग्रामीणों को नहीं मिला. सरकार ने सरकार आपके द्वार कार्यक्रम के माध्यम से ग्रामीणों से वनाधिकार का पट्टा के लिए आवेदन भी पिछले दो वर्षों से लिया है, लेकिन एक भी पट्टा देने का कार्य नहीं किया. वर्ष 2011-12 में पूर्व केन्द्रीय मंत्री जयराम रमेश के प्रयास से सारंडा के कुछ ग्रामीणों को बिना नक्शा व चौहद्दी के फर्जी पट्टा दिया गया था, जिसे बाद में निरस्त कर दिया गया.

राशन व पेंशन की नहीं मिल रही सुविधा

सारंडा के हजारों ग्रामीणों को आज भी सही तरीके से राशन और वृद्धों को पेंशन नहीं मिल रहा है. राशन डीलर चार-पांच महीने से लाभुकों को राशन नहीं दे रहे हैं. ऐसी स्थिति गंगदा पंचायत के दुईया, दोदारी, कुम्बिया, चुर्गी, ममार आदि गांव के ग्रामीणों के साथ है. इसके अलावे अन्य गांवों के लाभुकों को राशन की कटौती कर दी जाती है. कई गांवों के ग्रामीण संयुक्त रूप से बैठक कर बड़ा आंदोलन मुखिया राजू सांडिल के नेतृत्व में अलग से छेड़ने वाले हैं.

बालू की जारी है तस्करी

सारंडा समेत पूरे झारखंड में बालू की तस्करी बडे.पैमाने पर जारी है. बालू के अभाव में या महंगी बालू होने के कारण गरीबों का पीएम आवास व अन्य विकास योजनाएं प्रभावित हैं. मधु कोड़ा और गीता कोड़ा ने बालू घाटों को गरीबों के लिये फ्री करने की मांग करेंगे.

नहीं मिला राजस्व ग्राम

सारंडा के 10 वन ग्रामों को अब तक राजस्व ग्राम नहीं मिल पाया, जिससे यहां के ग्रामीणों परेशान हैं. दसों गांवों के ग्रामीण इसके खिलाफ लड़ाई लड़ रहे हैं. प्रतिनिधिमंडल सीएम हेमंत सोरेन से भी मिला था, लेकिन सिर्फ आश्वासन मिला.

ब्रीफ खबरें

वज्रपात की चपेट में आए दो किशोर, एक की मौत

केरेडारी। प्रखंड की पेटो पंचायत के डम्भा बागी गांव के पनिया गढा टोला निवासी बुधन भुइयां के लगभग 13 वर्षीय पुत्र बादल कुमार और बिनेश्वर भुइंया के लगभग 15 वर्षीय पुत्र पंकज कुमार वज्रपात की चपेट में आने से घायल हो गए. दोनों घायलों को आनन फानन में परिजनों ने केरेडारी हॉस्पिटल लाया, जहां पर इलाज के दौरान बादल कुमार की मौत हो गई. वहीं पंकज कुमार को प्राथमिक उपचार कर हजारीबाग सदर हॉस्पिटल रेफर कर दिया गया है. यह घटना रविवार को लगभग 5 बजे शाम की है. दोनों लड़के अपने घर से लगभग 50 मीटर की दूरी पर एक किराना दुकान से अपने घर फोर लाइन सड़क से होकर लौट रहे थे. इसी बीच चमक और गर्जन के साथ वज्रपात हुई, जिसकी चपेट में आने से बादल और पंकज घायल हो गए.

संयुक्त कार्रवाई में बालू लदे तीन ट्रैक्टर जब्त

चौपारण। एनजीटी के आदेश लागू होने के बाद भी प्रखंड के विभिन्न नदी घाटों से बालू का अवैध उठाव लगातार जारी है. इसकी शिकायत विभिन्न माध्यमों से चौपारण प्रशासन को लगातार मिल रही थी, जिसके बाद चौपारण सीओ सजंय यादव व थाना प्रभारी दीपक कुमार सिंह भी गंभीर नजर रहे हैं. इसी क्रम में उन्होंने रविवार को संयुक्त कार्रवाई कर चौपारण के चतरा मोड़ के समीप स्तिथ पेट्रोल पंप के पास से अवैध तरीके बालू लोड कर तस्करी के लिए जा रहे तीन ट्रैक्टर जब्त किए. इस संबंध में सीओ सजंय यादव से पूछे जाने पर उन्होंने बताया कि रविवार को बालू लदे तीन ट्रैक्टर को जब्त कर चौपारण पुलिस को सुपुर्द कर अग्रेतर कार्रवाई के लिए डीएमओ हजारीबाग को प्रेषित किया गया.

जेबीकेएसएस का हुआ कार्यकर्ता मिलन समारोह

रामगढ़। झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा जेबीकेएसएस के बैनर तले छावनी परिषद के नईसराय में रविवार को कार्यकर्ता मिलन समारोह का आयोजन किया गया, जिसकी अध्यक्षता युवा नेता सूरज सिंह ने की, जबकि संचालन अमित गुप्ता ने किया. कार्यक्रम मुख्य अतिथि युवा नेता पंकज महतो उन्होंने कहा कि झारखंड बने 24 वर्ष हो गए पर झारखंड को सभी राजनीतिक दलों ने लूटने का काम किया. खासकर रामगढ़ विधानसभा क्षेत्र में आजसू व कांग्रेस दोनों ने जनता को धोखा दिया. वहीं संगठन से जुड़ने वाले नए सदस्यों को गमछा ओढ़कर पंकज महतो ने स्वागत किया. इनमें दिनेश रजवार, विकास कुमार, सचिन कुमार, प्रेमनाथ सिंह, सनोज कुमार सरोज, कल्याण पांडे आदि शामिल रहे.

मैरिज हाल में चोरी का आरोपी पकड़ा गया

हजारीबाग। सदर बडा बाजार ओपी पुलिस ने 11 जुलाई को संध्या करीब सात बजे मिशन रोड स्थित दीक्षित ग्रेड मैरेज हॉल में आभूषण चोरी करने के आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है. सीसीटीवी फुटेज में उसकी निशानदेही की पुष्टि हुई थी. उसके बाद पुलिस ने छापेमारी कर उसे जेवरात सहित गिरफ्तार कर लिया गया. पुलिस ने बताया कि प्रिंस कुमार पांडय के आवेदन के आधार पर सदर बड़ा बाजार ओपी में काड संख्या 289/24. दर्ज किया गया था. त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी रौशन ठाकुर (30) दर्जी मौहल्ला खिरगांव, थाना बडा बाजार ओपी को गिरफ्तार किया गया. उसकी निशानदेही पर एक लाख 852 रुपये कीमत के सोना एवं चांदी के आभूषण भी बरामद किये गये.

महुदी रामनवमी जुलूस मार्ग को लेकर बड़कागांव थाना परिसर में हुई शांति समिति की बैठक में आरोप-प्रत्यारोप का दौर भी चला

हृदय को स्वच्छ रखकर एक-दूसरे का सम्मान कर आगे बढ़िए : एसडीपीओ

संवाददाता। बड़कागांव

थाना परिसर में रविवार को महुदी रामनवमी जुलूस मार्ग को लेकर शांति समिति की विशेष बैठक हुई. इसकी अध्यक्षता अंचलाधिकारी बालेश्वर राम एवं संचालन थाना प्रभारी कुंदन कांत विमल ने किया.

बैठक के लिए अंचलाधिकारी ने महुदी गांव के हिंदू पक्ष से छह एवं मुस्लिम पक्ष से छह लोगों को पत्र जारी कर आमंत्रित किया था. इसमें प्रबुद्ध नागरिक एवं जनप्रतिनिधि लोगों को भी बुलाया गया था. दोनों पक्ष के लोगों ने शालीनता के साथ अपनी-अपनी बातों को रखा. इस दौरान दोनों पक्षों में आरोप प्रत्यारोप भी देखने को मिला. एसडीपीओ कुलदीप कुमार ने लोगों से कहा कि हृदय को स्वच्छ रखकर एक दूसरे का सम्मान कर आगे बढ़िये. निश्चित रूप से समस्या का समाधान होगा. वहीं एसडीपीओ ने कहा कि सोनपुरा में स्कूल के पास धरने पर बैठे लोगों को धरना उठा लेने के लिए कहा गया है. अंचलाधिकारी ने कहा कि एसडीओ के निर्देशानुसार अगली बैठक 21 जुलाई को बड़कागांव थाना परिसर में ही होगी. लगातार बैठक करनी होगी. दोनों समुदाय सामंजस्य के साथ आगे बढ़े ताकि मामले का समाधान हो सके. इस दौरान पूर्व विधायक लोकनाथ महतो ने कहा कि 2024 का रामनवमी जुलूस मुस्लिम भाइयों ने नहीं रोका था, बल्कि प्रशासन द्वारा रोका गया था. दो-चार वर्ष पूर्व महुदी में यज्ञ हुआ था, जिसमें जितना चंदा हिंदू ने दिया था उतना ही मुस्लिम ने भी सहयोग किया था. 364 दिन दोनों समुदाय एक साथ रहते हैं, एक दिन के लिए लड़ते हैं, इसे समाप्त करें. जिला परिषद सदस्य सुनीता देवी ने कहा कि हिंदू मुस्लिम दोनों के खून का रंग एक ही है, तो इतना गहरा भेदभाव क्यों? आपस में बैठकर सूझबूझ से इसका जल्द समाधान करें और महुदी गांव को जलने से बचाएं. उप प्रमुख बचन देव कुमार ने कहा कि हम लोग स्वतंत्र भारत के स्वतंत्र नागरिक हैं, सभी नागरिक को यहां स्वतंत्रता प्रदान की गई है. धर्म की रक्षक बनकर काम करें, धर्म का विरोधी नहीं बनें.

थाना परिसर में हुई शांति समिति की बैठक में दो पक्षों के लोग मौजूद थे.

हमें भाईचारा निभाने की जरूरत है

वहीं हाजी तबस्सुम ने कहा कि दोनों समुदाय के लोगों को थोड़ा लचीलापन दिखलाना होगा. सीताराम राणा ने कहा कि महुदी में आज तक हम लोगों में कोई लड़ाई नहीं हुई है. दोनों समुदाय द्वारा 2018 में तिरंगा जुलूस निकाला निकाला गया था और निर्णय लिया गया था कि अगले वर्ष रामनवमी जुलूस निकाला जाएगा. कई बार बैठक भी हुई, परंतु समस्या का समाधान नहीं हुआ. वहीं मोहम्मद मखदूम आलम ने प्रशासन से कहा कि कहा कि जुलूस मार्ग के लिए सरकार द्वारा हम लोगों से महुदी स्कूल से ट्रांसफार्मर तक और आंगनबाड़ी से लेकर नदी तक जमीन ली गई है. उसे वापस कर दिया जाए, तभी आप सर्वे रोड से रामनवमी जुलूस निकाल सकते हैं.

दबाव से समस्या का समाधान नहीं होगा

आदित्य साहू सोनी ने कहा कि यह विवाद देश की आजादी से पहले का है. महुदी में एक समुदाय को जुलूस निकालने का अनुमति है, तो दूसरे समुदाय को क्यों नहीं मिलती है, प्रशासन इस पर विचार करे. बड़कागांव मध्य पंचायत मुखिया तकरीमुल्लाह खान ने कहा कि आखिर हम दोनों समुदाय के लोग कब तक लड़ते रहेंगे, मिलजुल कर साथ चलिए तभी हमारी पंचायत और गांव का भी विकास होगा. मौके पर बीडीओ जितेंद्र कुमार मंडल, जिप सदस्य सुनीता देवी, हाजी तबस्सुम, बाबर हुसैन, पंसस रितेश ठाकुर, रंजीत चौबे, मुखिया पारसनाथ प्रसाद, मुखिया संघ अध्यक्ष, रंजीत कुमार तकरीमुला खान आदि उपस्थित थे.

शक्तिपीठ में नवग्रह प्राण प्रतिष्ठा को लेकर किया गया नगर भ्रमण

जय मां काली...हर-हर महादेव के जयकारे से गूंजा शहरी क्षेत्र

संवाददाता। हजारीबाग

हजारीबाग के दक्षिणी शिवपुरी में श्री दक्षिणेश्वरी महाकाली दस महाविद्या शक्तिपीठ दक्षिणी शिवपुरी काली मंदिर में हो रहे 11दिवसीय नवग्रह प्राण प्रतिष्ठा को लेकर सूर्य, चंद्र, मंगल, बुध, गुरु, शुक्र, शनि, राहु, केतु प्रतिमा का नगर भ्रमण किया गया. इसी क्रम में शिवपुरी सहित शहरी क्षेत्र के सैकड़ों महिला पुरुषों ने प्रतिमा के नगर भ्रमण में भाग लिया, जहां महिला पुरुषों के जयकारे से शिवपुरी सहित हजारीबाग शहरी क्षेत्र के दर्जनों मोहल्ला गुंजायमान हुआ. नगर भ्रमण के दौरान जय मां काली, हर हर महादेव, जय श्री राम के नारों के साथ श्रद्धालुओं का उत्साह देखते बन रहा था. वहीं रथ रूपी वाहन में नवग्रह का रूप धारण किए बच्चों के हाथ में नवग्रह की प्रतिमा यात्रा को और भी आकर्षित बना रही थी. नगर भ्रमण दक्षिणी शिवपुरी काली मंदिर से हनुमान मंदिर बाडम बाजार, काली मंदिर रामनगर रोड से होते हुए बाबा मालकेश्वर नाथ मंदिर (शिव मंदिर) शिवपुरी पहुंचा. इसके बाद नगर भ्रमण यात्रा पुनः शिवपुरी काली मंदिर पहुंची, जहां वैदिक मंत्रोच्चार के साथ नवग्रह प्रतिमा का पूजन कर स्वागत किया गया.

बताते चलें कि श्री दक्षिणेश्वरी महाकाली दस महाविद्या शक्तिपीठ का प्राण प्रतिष्ठा दो वर्ष पूर्व हुआ था. श्री दक्षिणेश्वरी महाकाली दस महाविद्या शक्तिपीठ में मां काली, मां दुर्गा, दस महाविद्या, शिव परिवार, पंचमुखी हनुमान, बटुक भैरव, श्री राम दरबार, भगवान भास्कर, भगवान ब्रह्मा, चित्रगुप्त भगवान, भगवान विश्वकर्मा, वरुण देव, राधे कृष्ण, नवग्रह, सहित दर्जनों देवी देवताओं की प्रतिमा को स्थापित कर प्राण प्रतिष्ठा किया गया था.

प्राण प्रतिष्ठा के बारे में पूछे जाने पर दक्षिणी शिवपुरी काली मंदिर अध्यक्ष प्रभात कुमार प्रधान ने कहा कि क्षेत्र में यज्ञ अनुष्ठान होने से सुख, समृद्धि, खुशहाली मिलती है. साथ ही समस्त नगर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है. उन्होंने कहा कि हर एक धार्मिक अनुष्ठान में शिवपुरी के लोगों की अग्रणी भूमिका के साथ सहयोग रहता है, जो हमेशा हमें और बेहतर करने के लिए प्रेरित करता है. वहीं प्राण प्रतिष्ठा अनुष्ठान के मुख्य यजमान प्रशांत कुमार प्रधान ने कहा कि शिवपुरी हमेशा से ही धार्मिक आस्था का केंद्र बिंदु रहा है. उन्होंने हजारीबाग समेत समस्त क्षेत्र के लोगों से अपील करते हुए कहा कि दक्षिणी शिवपुरी के स्थित श्री दक्षिणेश्वरी महाकाली दस महाविद्या शक्तिपीठ में आकर पूजा अर्चना करें और मां के असीम अनुकंपा के भागी बनें.

रथ रूपी वाहन में नवग्रह का रूप धारण किए बच्चे यात्रा को और भी आकर्षित बना रहे थे.

हर धार्मिक आस्था को मानने वाले यज्ञ में भाग लें

प्राण प्रतिष्ठा यज्ञ के आचार्य जगदीश दास ने कहा कि यज्ञ ही सर्वश्रेष्ठ कर्म है. हर धार्मिक आस्था को मानने वालों को यज्ञ में अपनी सहभागिता निभानी चाहिए. इससे धन धन्य यश कीर्ति की प्राप्ति होती है. मौके पर डॉ (प्रो) प्रदीप कुमार प्रधान, शंभू सिन्हा अनिल मिश्रा, अजय सिन्हा, निशांत कुमार प्रधान, चंदन पाठक, विनय कुमार, राजकिशोर प्रसाद, बैजनाथ लाल, मिथलेश कुमार सिन्हा, कुंदन पाठक, अमरेश कुमार सिंह, निशिकांत सिंह, मदन मोहन प्रसाद, अंजनी कुमार सिन्हा, सतीश कुमार, शनि सिंह, सुधा प्रधान, सोनम प्रिया, मिताली रश्मि, राखी सिंह, लक्ष्मी देवी, राजीव प्रताप, अजय कुमार, मुकेश कुमार सिंह, अमित सिन्हा, श्रीकांत कुमार, संजीव कुमार सहित शिवपुरी व शहरी क्षेत्र के सैकड़ों महिला पुरुष शामिल थे.

गाजे-बाजे के साथ देवी-देवताओं का नगर भ्रमण

- महाआरती और महाभोग में श्रद्धालुओं की खासी भीड़ उमड़ी

संवाददाता। हजारीबाग

ओकनी बड़ा शिव मंदिर में आयोजित श्री श्री 1008 श्री शतचंडी महायज्ञ में रविवार को गाजे-बाजे के साथ देवी-देवताओं का नगर भ्रमण कराया गया. मां दुर्गा, श्रीगणेश, गौरी और नंदी संग हजारों महिला-पुरुष श्रद्धालुओं ने नगर भ्रमण में उल्लास, उमंग, उत्साह और भक्तिभाव से भाग लिया. लोग माता और देवाधिदेव के जयकारे करते हुए नगर भ्रमण कर रहे थे. ओकनी बड़ा शिव मंदिर से निकली नगर यात्रा इंद्रपुरी चौक, लाल कोठी रोड, पैगोडा, झंडा चौक, हनुमान मंदिर, बड़ा अखाड़ा होते हुए यज्ञ मंडप लौटी. इससे पहले हल्दी और घृतढ़ारी अनुष्ठान संपन्न कराया गया. देवी-देवताओं का फलाधिवास, नव बालकों का अन्नप्रासन और विविध संस्कार आयोजित कराए गए. महाआरती और महाभोग में श्रद्धालुओं की खासी भीड़ उमड़ी. शनिवार की देर शाम देवघर से पधारीं प्रवचनकर्ता ज्योति शास्त्री ने मनोभाव विषय पर प्रवचन देकर भक्तों को भावविभोर कर दिया. उन्होंने बताया कि किसी भी प्राणी के प्रति मन में विकार नहीं रखना चाहिए. सच्चे और अच्छे भाव से ही भगवान मिलते हैं. सोमवार को मुंडन संस्कार का कार्यक्रम यज्ञ मंडप के समीप होगा. पूरे धार्मिक अनुष्ठान में समस्त ओकनीवासियों समेत शहर के विभिन्न लोगों का भरपूर सहयोग मिल रहा है. शिवनगरी वाराणसी से पधारे विद्वान यज्ञाचार्य अभिषेक शास्त्री कथावाचक चतरा के मयूरहंड निवासी पं. दिलीप उपाध्याय और प्रवचनकर्ता धनंजय शास्त्री संग अनुष्ठान करा रहे हैं.

हजारों महिला-पुरुष श्रद्धालुओं ने नगर भ्रमण में भक्तिभाव से भाग लिया.

जैन समाज की महिलाओं ने निकाली घट यात्रा

- सुयश सागर के चातुर्मास मंगल कलश की स्थापना 22 को

संवाददाता। हजारीबाग

बड़ा बाजार जैन मंदिर से बडम बाजार जैन मंदिर तक जैन समाज की महिलाओं ने रविवार की सुबह कलश लेकर घट यात्रा निकाली. इसके बाद मुनि श्री 108 सुयश सागर जी महाराज के मुखारबिंद से अभिषेक एवं शांति धारा की क्रिया हुई. तत्पश्चात मुनि का पाद प्रक्षालन की गई. इसका सौभाग्य ललित, दिलीप, संजय को प्राप्त हुआ. महाराज श्री को जिनवाणी भेंट करने का सौभाग्य सुशीला, सुनील, संजय को प्राप्त हुआ. छुल्लक श्री 105 श्रेय सागर महाराज को जिनवाणी भेंट करने का सौभाग्य कांता देवी, निर्मल को प्राप्त हुआ. वहीं 15 जुलाई से यागमंडल विधान होगा एवं बॉडम बाजार मंदिर की तीनों शिखरों पर कलश स्थापित की जाएगी. पूज्य मुनि 108 सुयश सागर के दर्शन हेतु भक्तों की संख्या में नित प्रतिदिन बढ़ोतरी हो रही है. भक्तगण मुनि श्री का दर्शन करके अपने आप को भाग्यशाली महसूस कर रहे हैं. जैन समाज के काफी युवा वर्ग मुनि श्री की सुबह आहार चर्या, मुनि श्री के मंगल प्रवचन एवं संध्या में णमोकार चालीसा में आकर धर्म लाभ ले रहे हैं. बताते चलें कि मुनि श्री 108 सुयश सागर के चातुर्मास मंगल कलश की स्थापना 22 जुलाई को होनी है. जैन समाज द्वारा इसकी पूर्ण तैयारी की जा रही हैं. लोगों का ज्यादा समय मंदिर और धार्मिक कार्यक्रम में व्यतीत हो रहा है. उत्सव रूपी माहौल बना हुआ है. इसकी जानकारी दिगंबर जैन समाज के अध्यक्ष धीरेंद्र सेठी, मुख्य संयोजक अमर जैन विनायका एवं एवं मीडिया प्रभारी राजेश लुहाड़िया ने दी.

घट यात्रा में बड़ी संख्या में जैन समाज की महिलाएं शामिल हुईं.

पूर्व विधायक ममता देवी ने किया डोर टू डोर जन संवाद

रामगढ़ में जन संवाद कार्यक्रम के दौरान पूर्व विधायक ममता देवी व अन्य.

संवाददाता। रामगढ़

पूर्व विधायक ममता देवी ने रविवार को रामगढ़ छावनी परिषद क्षेत्र के वार्ड नंबर 4 के कोयरी टोला, कुंवर टोला, पारे बस्ती, सौदागर मोहल्ला और दुसाध मोहल्ले में डोर टू डोर जन संवाद किया. इस दौरान लोगों ने अपने-अपने मुहल्ले की समस्याएं पूर्व विधायक के समक्ष रखीं. कई समस्याओं का निपटारा ममता देवी ने ऑन स्पॉट संबंधित अधिकारियों से बात कर किया. अन्य समस्याएं को जल्दी सुलझाने का आश्वासन दिया. मौके पर मुख्य रूप से रामगढ़ विधानसभा के पूर्व प्रत्याशी बजरंग महतो, कांग्रेस पार्टी के जिलाध्यक्ष मुन्ना पासवान, जिला कांग्रेस कमेटी के कार्यकारी अध्यक्ष पंकज प्रसाद तिवारी, जिला बीस सूत्री उपाध्यक्ष दिनेश मुंडा, ओबीसी प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष चंदन प्रसाद, जिला कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता मुकेश यादव, जिला महासचिव आसिफ इकबाल, बीस सूत्री सदस्य शमसुद खान, अनिल मुंडा, समीर हुसैन, साजिद हुसैन, पप्पू पासवान, टिंकू खान, संतोष नायक, मतीन अंसारी आदि उपस्थित रहे.

आइरिस सुपर स्पेशियलिटी आई हॉस्पिटल का हुआ उद्घाटन

- संचालकों ने कहा–यहां मरीजों के लिए वो तमाम सविधाएं उपलब्ध हैंजो देश के प्रतिष्ठित अस्पतालों में दी जाती हैं

संवाददाता। रामगढ़

नाइसराय मेन रोड स्थित राधिका बजाज ऑटोमोबाइल्स एल एल पी बिल्डिंग में अत्याधुनिक उपकरणों और बेहतर सुविधाओं से लैस आइरिस सुपर स्पेशलिटी आई हॉस्पिटल का रविवार को विधिवत उद्घाटन हुआ. समारोह में बतौर मुख्य अतिथि रामगढ़ सिविल सर्जन महालक्ष्मी प्रसाद सहित क्षेत्र के कई गणमान्य लोग शामिल हुए. इस अवसर पर अस्पताल प्रबंधन की ओर से प्रेस कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया, जिसमें मैनेजिंग पार्टनर डॉक्टर सुबोध कुमार सिंह, निदेशक आर्किड अस्पताल के सिद्धांत जैन, राजकुमार अग्रवाल और डॉक्टर गोपाल सिंह शामिल रहे. प्रेस कॉन्फ्रेंस की शुरुआत करते हुए डॉक्टर सिद्धांत जैन ने बताया कि रांची में आंखों के मरीज को सेवा देने के साथ अब रामगढ़ में अस्पताल की स्थापना की गई है. यहां आंखों के इलाज के लिए तमाम सुविधाएं उपलब्ध हैं, जो देश के प्रतिष्ठित अस्पतालों में उपलब्ध हैं. मरीज के लिए आयुष्मान योजना के तहत इलाज की सुविधा है. विभिन्न इंश्योरेंस कंपनियों से भी हमारा टायप है. साथ ही चैरिटी के उद्देश्य से सेवाएं देने का भी प्रयास रहेगा. डॉक्टर सुबोध कुमार सिंह ने कहा कि मरीज का अस्पताल पर विश्वास तब जमता है जब अस्पताल के डॉक्टर ट्रेंड और अस्पताल के इक्विपमेंट बेस्ट हो. आइरिस ने यह क्वॉलिटी मेंटेन की है.

आई हॉस्पिटल का उद्घाटन करतीं सिविल सर्जन महालक्ष्मी प्रसाद व अन्य.

लाठी प्रतियोगिता का पूर्व मंत्री योगेंद्र साव ने किया उद्घाटन

संवाददाता। केरेडारी

प्रखंड क्षेत्र की ग्राम पंचायत हेवई के टोली बिलारी में मुहर्रम चौंका के अवसर पर आयोजित लाठी प्रतियोगिता का पूर्व मंत्री योगेंद्र साव ने बतौर मुख्य अतिथि फीता काटकर उद्घाटन किया. गांव पहुंचने पर पगड़ी पहना कर पूर्व मंत्री का स्वागत किया गया. इस दौरान साव ने कहा कि मुहर्रम भारत में मुस्लिम भाइयों द्वारा मनाए जाने वाले सबसे महत्वपूर्ण त्योहार है, क्योंकि यह इस्लामी नए साल की शुरुआत का प्रतीक है. मौके पर मुखिया प्रतिनिधि अमित दुबे, वार्ड सदस्य मोहम्मद जिलानी, मोहम्मद शमीम, सदर अब्दुल सलाम, मोहम्मद बशारत, डॉक्टर मोइन अंसारी, मोहम्मद अयूब, मोहम्मद इजहार, मोहम्मद नसीम, मोहम्मद कादिर, मोहम्मद शमशेर सहित कई लोग मौजूद थे.

लाठी प्रतियोगिता का उद्घाटन करते पूर्व मंत्री योगेंद्र साव व अन्य.

राजनीति

हजारीबाग जिले की पांच विस सीटों पर दावेदार आम लोगों के घर-घर पहुंचने लगे

विधानसभा चुनाव : 'एक अनार और अनेक बीमार'

प्रमोद उपाध्याय। हजारीबाग

लोकसभा चुनाव खत्म होते ही अब विधानसभा चुनाव की तैयारी में नेता जुट गए हैं. अपनी-अपनी पार्टी का बैनर लेकर आम लोगों के घर तक पहुंच रहे हैं. कोई भाजपा का उम्मीदवार होने की बात कर रहा है तो कोई कांग्रेस के टिकट पर दावा ठोक रहा है. ऐसे में एक अनार और अनेक बीमार जैसी स्थिति बनती दिख रही है. बता दें कि हजारीबाग जिले में पांच विधानसभा क्षेत्र हैं, जिनमें सदर, बरकट्ठा, बड़कागांव, बरही और मांडू शामिल हैं.

चुनाव में वैसे तो कई पार्टियों के उम्मीदवार मैदान में उतरते हैं, लेकिन मुकाबला दो पार्टी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस पार्टी के बीच ही देखने को मिलता है. पांचों विधानसभा सीटों में से दो पर कांग्रेस के विधायक हैं, तो दो सीट भाजपा ने जीती है. बरकट्ठा में निर्दलीय विधायक है. 2024 लोक सभा चुनाव में विधायक मनीष जायसवाल के सांसद चुने के कारण सदर विधानसभा सीट खाली हो चुकी है.

ऐसे में अब सदर विधानसभा सीट पर भाजपा और कांग्रेस से एक-एक दर्जन उम्मीदवार अपना दावा ठोक रहे हैं. कोई वर्षों से पार्टी की सेवा करने की बात कर रहा है, तो कोई अपनी पार्टी को सदर सीट पर खड़ा करने में अपनी अहम भूमिका बता रहा है. वहीं सदर विधानसभा सीट पर भाजपा और कांग्रेस से प्रत्याशी कौन होगा, यह जानने के लिए आम जनता की उत्सुकता बढ़ती जा रही है. वहीं उम्मीदवार अपना कद बढ़ाने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ रहा. कोई बड़े लीडर को अपने आवास पर बुलाकर अपनी उपलब्धियां बता रहा है, तो कोई आलाकमान के पास जाकर सर्वे के हवाले से जनमत अपने पक्ष में होने का दावा कर रहा है.

दावेदार मीडिया के माध्यम से आम जनता के बीच सुर्खियों में आने के लिए नाली, गली का उद्घाटन कर रहे हैं, खराब सड़क की मरम्मत करवा रहे हैं. यहां तक कि नेताजी गांव में जाकर आम जनता की हर समस्या को दूर करने का दावा कर रहे हैं. वही बात करें बरही विधानसभा सीट की तो वहां भी नेताजी आम जनता के बीच विकास कैसे हो इसकी लड़ाई न लड़कर, बल्कि अपना वर्चस्व मजबूत रखने के लिए हाथापाई लेकर हथियार, बम और बारूद की बात कर रहे हैं, जबकि पहले के चुनाव में मुद्दों पर बात की जाती थी. लेकिन आम जनता भी ऐसे नेताओं की सच्चाई अच्छी तरह से वाकिफ हो गई है और चुनाव में इसका माकूल जवाब देने की तैयारी कर रही है.

क्या कहते हैं आम लोग

इस संबंध में फोटो नहीं छापने की शर्त पर रिक्शा चालक, फुटपाथ दुकानदार, राकेश, मुकेश और रंजन ने बताया कि जब चुनाव आता है तो नेताजी खूब आम जनता को आश्वासन देते हैं, लेकिन इससे पहले और बाद में ये लोग कभी आम जनता के बीच नजर नहीं आते और न ही कभी इसकी जरूरत महसूस करते हैं. अब चुनाव आया है तो नेताजी खूब पसीना बहा रहे हैं. जैसे ही चुनाव समाप्त हो जाएगा, गरीब जनता से इनका कोई मतलब नहीं रह जाएगा. दिल्ली, महाराष्ट्र और विदेश में डंका बजाने की बात करने लगेंगे. इन्हें आम जनता की समस्याओं से कोई लेना-देना नहीं रह जाएगा.

चौपारण में धड़ल्ले से बिक रहा बहन- बेटी योजना का फर्जी फॉर्म

- जबकि महिला, बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग की ओर से अभी सिर्फ संकल्प जारी हुआ है

संवाददाता। चौपारण

प्रखंड में मुख्यमंत्री बहन बेटी स्वावलंबन प्रोत्साहन योजना का गलत फॉर्म धड़ल्ले से बेच कर अवैध वसूली की जा रही है. इस संबंध में प्रखंड सामाजिक विभाग के लेखापाल धनन्जय तिवारी ने पूछे जाने पर बताया कि झारखंड सरकार की महत्वाकांक्षी योजना मुख्यमंत्री बहन बेटी मई कुई स्वावलंबन प्रोत्साहन योजना का फॉर्म अधिकारिक रूप से अभी तक जारी नहीं हुआ है.

अभी सिर्फ महिला, बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग की ओर से संकल्प जारी हुआ है, जिसके मुताबिक मुख्यमंत्री बहन बेटी स्वावलंबन प्रोत्साहन योजना का ऑफ़लाइन आवेदन भरा जाएगा. अभी तक सामाजिक सुरक्षा कार्यालय द्वारा किसी भी प्रकार का फॉर्म या फॉर्म के प्रारूप का वितरण नहीं हुआ है, लेकिन प्रखंड के कई लोगों द्वारा फॉर्म भरे जाने की सूचना मिल रही है. लोग गलत फॉर्म भरकर परेशान हो रहे हैं. उन्होंने प्रखंड के लोगों से थोड़ा धैर्य रखने को कहा. उन्होंने बताया कि भविष्य में विभाग से सूचना अथवा फॉर्म का वितरण होने पर सभी को सूचित किया जाएगा. वहीं जिला सामाजिक सुरक्षा विभाग असिटेंट डाइरेक्टर निविद्धता राय ने सोशल मीडिया के माध्यम से कहा कि जाली फॉर्म को नहीं भरें.

इस योजना के नाम पर गलत प्रचार या अवैध फॉर्म वितरण अथवा कालाबाजारी की सूचना पर कार्रवाई भी हो सकती है. बता दें कि प्रखंड की कई फ़ोटो कॉपी और कंप्यूटर दुकान में जाली फॉर्म बेचकर अवैध वसूली की जा रही है. ज्ञात हो कि मुख्यमंत्री बहन बेटी स्वावलंबन योजना के तहत 21 वर्ष से 50 वर्ष के सभी योग्य महिलाओं को सरकार द्वारा प्रत्येक महीने 1000 रुपये आर्थिक सहायता के रूप में दी जाएगी. इस योजना को कैबिनेट से स्वीकृति मिलने के बाद विभागीय प्रक्रिया अभी चल रही है. जल्द ही प्रखंड स्तर से फॉर्म को भरे जाने की शुरुआत होगी.

राशिफल

आचार्य प्रणव मिश्रा

मेष समय बहुत ही उत्तम है. सप्तम चंद्र से आय के द्वार खुलेंगे. कार्य के लिए समय अनुकूलता देगा. व्यापार के लिए स्थिति सुखद रहेगी. बहन का सहयोग मिलेगा. रिश्तों में मधुरता आएगी. जीवनसाथी का सहयोग और सांनिध्य मिलेगा.

वृषभ कोई पुराना रोग उभर सकता है. मौसमी रोग से बचें. आमोद-प्रमोद का अवसर प्राप्त होगा. भागदौड़ रहेगी. स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें. यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद रहेगी. ऋण लेने से बचना चाहिए. हनुमानजी का पूजन ध्यान करें.

मिथुन सर्दी बुखार से स्वास्थ्य पर असर होगा. संतान के कार्य से लाभ होगा. शिक्षा में लाभ होगा.रचनात्मक प्रयास फलीभूत होंगे. पारिवारिक दायित्व की पूर्ति होगी. रिश्तों में मधुरता आएगी. भागदौड़ रहेगी. संतान के दायित्व की पूर्ति होगी.

कर्क समय सामान्य है. किसी से विवाद हो सकता है. पर धन की स्थिति सुखद रहेगी. गृह उपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी. संतान के दायित्व की पूर्ति होगी. भागदौड़ की स्थिति सुखद रहेगी. कोई नुकसान हो ऐसा कार्य नहीं करे. साथ ही सूर्य को अर्घ्य दें.

सिंह आय का अटका मामला ठीक होगा. किसी प्रकार का आर्थिक मामलों में जोखिम न उठाएं. कोई ऐसा कार्य न करें, जिससे स्वास्थ्य एवं प्रतिष्ठा प्रभावित हो. किया गया पुरुषार्थ सार्थक होगा. शिवलिंग पर गंगाजल चढ़ाए.

कन्या शाम में कोई उत्सव हो सकता है. पर खर्च पर नियंत्रण करें. पारिवारिक जीवन सुखमय होगा. आय होने से आर्थिक पक्ष मजबूत होगा. उपहार या सम्मान में वृद्धि होगी. शासन सत्ता का सहयोग रहेगा. गणेश जी का ध्यान पूजन करें.

तुला कार्य होने से मानसिक संतुष्टि होगा. समय अनुकूल है. जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी. संबंधों में निकटता आएगी. गृह उपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी, लेकिन जीवनसाथी से तनाव मिल सकता है. लक्ष्मी माता को लाल फूल अर्पण करें.

वृश्चिक पैतृक सम्पति से लाभ होगा. आपके व्यहार से आय और धन में वृद्धि होगी.पारिवारिक जीवन सुखमय होगा. आर्थिक पक्ष मजबूत होगा. शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में सफलता मिलेगी. यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद रहेगी.

धनु आय के लिए दिन बहुत ही अच्छा है. पारिवारिक दायित्व की पूर्ति होगी. किसी अपने से कोई लाभ होगा. साथ ही उपहार या सम्मान में वृद्धि होगी. सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी. अपनों के सहयोग से आर्थिक पक्ष मजबूत होगा.

मकर कोई शुभ कार्य होने से मन खुश होगा. उपहार या सम्मान में वृद्धि होगी. रिश्तों में मजबूती आएगी. आलस का त्याग करें. कार्य पर ज्यादा ध्यान दें. दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा. पारिवारिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी.

कुंभ समय शुभ है. शासन सत्ता से सहयोग लेने में सफल होंगे.आपके अपने का विवाह सम्बंधित शुभ और सुखद समाचार मिलेगा. व्यावसायिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी. आर्थिक पक्ष मजबूत होगा. शनि चालीसा और छाया दान करना चाहिए.

मीन किसी परिचित मित्र से सहयोग होगा. आपके अथक प्रयास से रिश्तों में मधुरता आएगी. राजनीतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी. स्वास्थ्य एवं प्रतिष्ठा के प्रति सचेत रहें. आपके मेहनत से धन आएगा. घी का दीपक विष्णु भगवान को दिखावें.

ठेकेदार के घर 25 लाख की चोरी

मेदिनीनगर । शहर थाना क्षेत्र अंतर्गत रेडमा निवासी ठेकेदार प्रदीप तिवारी के दो मंजिला घर के एक कमरे की खिड़की का ग्रिल उखाड़कर व आलमारी तोड़कर 25 लाख के गहने की चोरी कर ली गई. इस घटना के बाद लोगों ने पुलिस की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठाया है. इस घटना में प्रथम दृष्टया स्थानीय भेदिया के शामिल होने का संदेह जताया गया है. प्रभावित परिवार का कहना है कि जिस कमरे में चोरी हुई, उसमें आम लोगों का आना-जाना नहीं होता था. खास लोगों को ही घर में अलमारी होने की जानकारी थी. ऐसे में इस चोरी के पीछे स्थानीय भेदिया की भूमिका से इनकार नहीं किया जा सकता. चोरी की इस घटना से प्रदीप तिवारी का परिवार सदमे में है. घटना की सूचना मिलते ही झामुमो नेता दीपक तिवारी समेत अन्य ने मौके पर पहुंचकर घटना की जानकारी ली. सभी लोगों ने घटना पर चिंता जताते हुए जल्द मामले का उद्वेदन करने का आग्रह पुलिस प्रशासन से किया. उल्लेखनीय है कि कुछ दिन पहले ही पुलिस लाइन रोड में भाजपा नेता लवली गुप्ता के घर में भी 25 लाख के गहनों की चोरी हुई थी, जिसका अब तक उदभेदन नहीं हो पाया है.

केटीपीएस प्रभावित इलाके में सुविधा देने की मांग

कोडरमा। जिले के बांझेडीह में थर्मल पावर प्लांट शुरू हुए कई साल हो गए, लेकिन विस्थापित परिवारों के साथ ही इलाके को मूलभूत सुविधा नहीं मिल पायी है. नियमों की अनदेखी करते हुए मनमाने तरीके से अपशिष्ट और गंदे पानी को आम लोगों की रैयती कृषि युक्त भूमि को बर्बाद होने के लिए छोड़ दिया गया है. भाजपा नेता और प्रदेश किसान मोर्चा के कोषाध्यक्ष सुरेंद्र मोदी ने इस मामले में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखा है और लोगों की सुविधा के लिए आवश्यक कार्रवाई करने की मांग की है. मोदी ने रविवार को कोडरमा स्थित होटल सेलेब्रेशन में पत्रकार वार्ता में कहा कि केटीपीएस के प्रदूषण के कारण आसपास के 15 किलोमीटर परिधि के क्षेत्र के लोग प्रभावित हैं और आठ पंचायत (करियावां, हिरोडीह, कन्द्रहपड़ी, तमाम, बिरसोडीह, कांको, पिपराडीह व चंदवारा पूर्वी) के लगभग 40 गांवों के लोग प्रभावित हैं, जिनकी जमीन भी प्लांट निर्माण में गई है.

चक्रधरपुर के आसनतलिया में मुख्य न्यायाधीश का पत्ते की टोपी पहनाकर व नृत्य-गीत से किया स्वागत

42 साल इंतजार के बाद चक्रधरपुर को मिला अनुमंडल व्यवहार न्यायालय

संवाददाता । चक्रधरपुर

42 साल के लंबे इंतजार के बाद चक्रधरपुर के आसनतलिया में बनकर तैयार अनुमंडल व्यवहार न्यायालय का रविवार को उद्घाटन हुआ. भवन का उद्घाटन झारखंड उच्च न्यायलय के मुख्य न्यायाधीश विद्युत रंजन सारंगी ने किया. पांच साल पूर्व लगभग 20 करोड़ रुपये की लागत से इस भवन का निर्माण कराया गया था. 26 जनवरी 1982 को चक्रधरपुर अनुमंडल बना था, लेकिन यहां व्यवहार न्यायालय नहीं था. इस वजह से चाईबासा में ही व्यवहार न्यायालय संचालित हो रहा था. भवन का उद्घाटन करने से पहले मुख्य न्यायाधीश के चक्रधरपुर पहुंचने पर उन्हें पत्ते की टोपी पहना कर पारंपरिक नृत्य-गीत के साथ स्वागत करते हुए उन्हें मंच तक पहुंचाया गया. भवन के उद्घाटन का झारखंड उच्च न्यायालय, जिला न्यायालय, अनमुंडल न्यायालय के न्यायाधीश, अधिवक्ता, शहर के बुद्धिजीवी, समाजसेवी व शहरवासी साक्षी बने. उद्घाटन के बाद मुख्य न्यायाधीश के साथ पहुंचे झारखंड उच्च न्यायालय व जिला न्यायालय के न्यायधीशों ने पूरे भवन व परिसर में जज व कर्मचारियों के लिए बने भवन का जायजा लिया. वहीं कार्यक्रम के अंत में मुख्य न्यायाधीश को गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया. समारोह को झारखंड उच्च न्यायालय के न्यायाधीश सुजीत नारायण प्रसाद, झारखंड उच्च न्यायालय के न्यायाधीश दीपक रौशन, प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश विश्वनाथ शुक्ला, झारखंड उच्च न्यायालय के महानिबंधक मो. शाकिर, उपायुक्त कुलदीप चौधरी ने भी संबोधित किया. सभी ने कहा कि चक्रधरपुर, आसपास व सुदूरवर्ती क्षेत्र के लोगों को न्याय संबंधी कार्य के लिए अब चाईबासा नहीं जाना पड़ेगा. लोगों की समस्या का निपटारा अब इसी भवन में होगा.

उद्घाटन समारोह को संबोधित करते मुख्य न्यायाधीश विद्युत रंजन सारंगी.

कार्यक्रम में ये रहे मौजूद

कार्यक्रम में जिला पुलिस अधीक्षक आशुतोष शेखर, उप विकास आयुक्त संदीप कुमार मीणा, अपर आयुक्त कमलेश्वर नारायण, अनुमंडल पदाधिकारी रीना हांसदा, चाईबासा सदर अनुमंडल पदाधिकारी अनिमेष रंजन, जिला सिविल सर्जन डॉ .साहिर पाल, चक्रधरपुर के अंचलाधिकारी सह प्रखंड विकास पदाधिकारी गिरिजानंद किस्कू, चक्रधरपुर बार एसोसिएशन के अध्यक्ष सुब्रत कुमार प्रधान, भवन निर्माण विभाग के कार्यपालक अभियंता सैफुल्लाह अंसारी के अलावे जिला के कई जज, अधिवक्ता, बार एसोसिएशन के अधिवक्ता, सरकारी अधिवक्ता सह जेजेडी के सदस्य पवन कुमार शर्मा, सिस्टर निवेदिता महिला इंटर कॉलेज के प्राचार्य देवव्रत महापात्रा, समाजसेवी बीके हिन्दवार, अनवर खान समेत अन्य सामाजिक संगठन से जुड़े लोग व शहरवासी मौजूद थे.

आजसू की नजर 15 सीटों पर, आदिवासी- मुस्लिम वोटरों को अपने पाले में करने में भाजपा से आगे आजसू

भाजपा-आजसू का गठबंधन टूटने से भाजपा को गंवानी पड़ी थी सत्ता

प्रवीण कुमार । रांची

विधानसभा चुनाव

- 2019 में गंठबंधन टूटने से भाजपा ने चार और आजसू ने दो सीटिंग सीटें गंवा दीं
- 2019 में दोनों दलों को कुल मिले वोट 14 सीटों पर दूसरे दलों के विजेता से अधिक

विधानसभा चुनाव 2019 में जहां झामुमो-कांग्रेस-राजद को गठबंधन के तहत चुनाव लड़ने का फायदा सत्ता के रूप में मिला. वहीं गठबंधन टूटने से भाजपा और आजसू दोनों को सत्ता से बेदखल होना पड़ा. ऐसे में यदि यहां भाजपा और आजसू संयुक्त रूप से प्रत्याशी देती तो 14 विधानसभा सीटों के नतीजे कुछ और हो सकता थे. 81 में से 14 विधानसभा के आजसू और भाजापा को मिले वोट झामुमो-कांग्रेस-राजद को गठबंधन से अधिक थे. 2019 के विधानसभा चुनाव में दोनों दलों के अलग लड़ने पर भाजपा को अपनी 4 और आजसू को 2 सिटिंग सीटों को गंवाना पड़ा था. भाजपा के हाथ से जहां खिजरी, गांडेय, ईचागढ़ व मधुपुर हाथ से निकल गया था. वहीं आजसू के हाथ से रामगढ़ व जुगसलाई निकल गया था. जबकि भाजपा ने आजसू के हाथ से चंदनकियारी झटक लिया था. 2024 के विधानसभा चुनाव में भाजपा को नयी रणनीति के साथ काम करना पड़ सकता है. जिस तरह आदिवासी रिजर्व सीटों से एनडीए का सफाया हुआ है, वहां एनडीए आजसू को आगे कर सकती है. आजसू का भी प्रयास होगा आदिवासी और मुस्लिम बहुल सीटों से उन्हें आगे किया जाए.

आंकड़ों के विश्लेषण से यह स्पष्ट होता है कि इन 14 विधानसभा सीटों पर दूसरे दलों के विजेता प्रत्याशियों को कुल मिले वोट भाजपा और आजसू के उम्मीदवार को कुल मिले वोट से कम हैं. जैसे ईचागढ. विधानसभा सीट 2014 में भाजपा के पास थी. लेकिन 2019 के चुनाव में झामुमो ने जीता था. झामुमो प्रत्याशी को 57546 वोट मिले, वहीं भाजपा को 38485 और आजसू को 38836 वोट मिले. इसी तरह खिजरी सीट भाजपा के हाथ से निकल गई. यहां कांग्रेस के प्रत्याशी को 83,829 वोट मिले. भाजपा के सिटिंग विधायक 5,469 वोट से पिछड़ गए. दूसरी तरफ आजसू प्रत्याशी को 29,091 वोट मिले. साफ है कि यदि यहां आजसू अपना प्रत्याशी नहीं देती तो यह सीट भाजपा को नहीं गंवानी पड़ती. भाजपा और आजसू के अलग-अलग चुनाव लड़ने से मधुपुर में भी भाजपा को अपनी सीट गंवानी पड़ी. यह सीट झामुमो के खाते में चली गई. वहीं आजसू के प्रत्याशी तीसरे स्थान पर रहे. यदि इन दोनों दलों के प्रत्याशियों को कुल मतों को जोड़ दें तो यह विजेता प्रत्याशी से काफी अधिक होता है. दूसरी तरफ, आजसू को भाजपा के साथ नहीं लडने से रामगढ़ और जुगसलाई सीट गंवानी पड़ीथी. यहां भी भाजपा अपना प्रत्याशी नहीं देती तो नतीजा कुछ और होता. आजसू इन दोनों सीटों पर काफी मजबूत थी, लेकिन भाजपा के प्रत्याशी देने से समीकरण बदल गए.

10 से 15 सीटों पर आजसू की नजर : 2024 का विधानसभा चुनाव जीतने के लिए एनडीए को नयी रणनीति पर काम करना होगी. लोकसभा चुनाव आदिवासी रिजर्व सीटो से एनडीए का सफाया हो गया. इसे ध्यान में रखते हुए आदिवासी और मुस्लिम बहुल सीटों को निकालने के लिए एनडीए आजसू को आगे कर सकती है. आजसू 15 विधानसभा सीटों की मांग रख सकता है, जिनमें पाकुड़, घाटशिला, राजमहल, मधुपुर, चक्रधरपुर के आलवा ईचागढ़, जुगसलाई, चंदनकियारी, डुमरी, बड़कागाव,सिमरीया, लोहरदगा, रामगढ़ , सिल्ली और गोमिया विधानसभा सीटें हैं.

एनडीए के साथ अगर आजसू होती तो 14 सीटें नहीं गंवानी पड़ती

विस.	गठबंधन को मिले वोट	भाजपा	आजसू	विस.	गठबंधन को मिले वोट	भाजपा	आजसू
नाला	झामुमो 61356	57794	16778	डुमरी	झामुमो 71128	36013	36840
जामा	झामुमो 60925	58499	3351	घाटशिला	झामुमो 63531	56807	31910
मधुपुर	झामुमो 88115	65045	45620	जुगसलाई	झामुमो 88581	56807	31910
बड़कागांव	कांग्रेस 98862	31764	67348	ईचागढ़	झामुमो 57546	38485	38836
रामगढ	कांग्रेस 99944	31761	67348	चक्रधरपुर	झामुमो 43832	31598	17232
बगोदर	माले 98201	83656	5188	खिजरी	कांग्रेस 83829	78360	29091
गांडेय	झामुमो 65023	56168	15361	लोहरदगा	कांग्रेस 74380	44230	39916

परिवहन विभाग को ठेंगा दिखा रहे हैं बाइक सवार

ये खतरनाक है...एक बाइक पर पांच युवकों की सवारी, कहीं हादसा न हो जाए.

संवाददाता । मझिआंव

मझिआंव थाना क्षेत्र में बाइक सवार अपनी अनमोल जिंदगी को हथेली में लेकर और परिवहन नियम एवं पुलिस प्रशासन को ठेंगा दिखाते हुए रविवार को रिमझीम वर्षा के दौरान एक बाईक पर पांच लोग सवार होकर अपने घर जा रहे थे. यह वाक्या मझिआंव-बरडीहा मुख्य सड़क का है. उस दौरान लोगों से पूछा गया तो उन लोगों ने ना ही अपना नाम और घर नहीं बताया. केवल यह बताया कि बाहर से मजदूरी करके आ रहे हैं और लेने के लिए गए हुए थे. बताते चले कि एक माह पूर्व 16 जून को मझिआंव-सुंडीपुर मुख्य पथ पर खरसोता विद्यालय के पास एक मोटरसाइकिल दुर्घटना हुई थी, उसे मोटरसाइकिल पर भी चार लोग सवार होकर एक बारात में शामिल होने जा रहे थे और उसी दौरान जेसीबी से मोटरसाइकिल टकरा गई जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई और तीन लोग घायल हो गए. इस तरह से क्षेत्र में काफी मोटरसाइकिल दुर्घटना हो रही है. लेकिन परिजन अपने नाबालिक बच्चों को मोटरसाइकिल देकर अनमोल जिंदगी को खतरे में डाल रहे हैं साथ परिवहन विभाग के नियम को तक में रखते हुए पुलिस प्रशासन को भी ठेंगा दिखाने का काम कर रहे हैं.

लूट व चोरी की घटनाओं के खिलाफ स्वर्ण व्यवसायियों ने किया प्रदर्शन

संवाददाता । पलामू

जिले के अलग-अलग प्रखंड क्षेत्र के बाजारों में स्वर्ण आभूषण की दुकानों में लूट व चोरी की घटनाओं के खिलाफ स्वर्ण आभूषण व्यवसायियों ने रविवार को छह मुहान पर पलामू जिला स्वर्णकार संघ के तत्वावधान में धरना प्रदर्शन किया. इसकी अध्यक्षता संघ के पलामू जिला अध्यक्ष धनंजय सोनी ने की, जबकि मुख्य रूप से संघ के प्रदेश अध्यक्ष दुर्गा जौहरी मौजूद थे. धरना प्रदर्शन के माध्यम से वक्ताओं ने कहा कि 15 दिनों के भीतर घटनाओं का उदभेदन नहीं हुआ तो सारे स्वर्ण व्यवसायी दुकानों में ताला लगाकर चाबी जिला प्रशासन को सौंप देंगे.किसी मामले का उदभेदन नहीं हुआ. जिला अध्यक्ष धनंजय सोनी ने कहा कि पिछले तीन माह के दौरान जिले नावा बाजार, छतरपुर, सतबरवा, पोची, पांकी, मनातू, सगालीम, लेस्लीगंज आदि इलाकों में लूटपाट व दुकानों से लाखों की ज्वेलरी गायब कर देने की कई घटनाएं सामने आ चुकी हैं, लेकिन एक भी मामले का उदभेदन पुलिस नहीं कर पायी है.

बिना मैनेज किये काम करनेवाले ठेकेदार-कारोबारियों को मारेगा गोली

मयंक ने चेताया-अमन साहू को जेल में प्रताड़ित करनेवालों को दंडित करेगा

सौरभ सिंह । रांची

अमन साहू गिरोह द्वारा गिरिडीह जेल अधीक्षक के परिवार पर गोलीबारी की साजिश रचने का खुलासा होने के बाद मयंक सिंह ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा है कि उसने गिरिडीह के जेल अधीक्षक और जेलर से बहुत ही अच्छे से बात करने की कोशिश की. लेकिन जेल अधीक्षक व जेलर ने मेरे अमन साहू को बदनाम और झूठे केस में फंसाने का प्रयास किया. मुझे यह भी जानकारी मिली है कि अमन साहू को गिरिडीह जेल में जेल मैनुअल के हिसाब से नहीं रखा जाता है. उसे जेल में बहुत ज्यादा प्रताड़ित किया जाता है. कहा कि अमन साहू को परेशान और प्रताड़ित करने वाले को दंडित करूंगा. विज्ञप्ति में मयंक सिंह ने कहा कि अमन साहू सिर्फ उसका बॉस ही नहीं, उसके लिए भगवान से भी बढ़कर है. गिरोह से उसका पूर्व में रिश्ता बहुत अच्छा रहा था, यह बात सत्य है. लेकिन जानकारी देना चाहता हूं कि अमन साहू और उनके गिरोह का सारा काम मैं देखता हूं.

कारोबारियों को धमकी

मयंक सिंह ने दावा किया वह अपने नाम (मयंका सिंह) से अपना गिरोह चलाएगा. झारखंड में काम करनेवाले सभी रेलवे, रोड, सिविल कंस्ट्रक्शन कॉन्ट्रैक्टर, कोयला कारोबारी, रैक लोडिंग कारोबारी और डीओ होल्डर से कहा कि गैंग के सारे निर्णय खुद लेगा. सभी को चेताते हुए कहा है कि कोई भी कंपनी बिना उसे मैनेज किये झारखंड में काम करेगी, तो पहले उसमें काम करनेवाले कर्मियों को गोली मारेगा, फिर कंपनीवालों से निबटेगा.

हरिहरगंज-पिपरा में नहीं है डिग्री कॉलेज

हरिहरगंज (पलामू)। डेढ़ लाख से अधिक की आबादी वाले पलामू जिले के सबसे सुदूरवर्ती हरिहरगंज और पिपरा प्रखंड क्षेत्र में शिक्षा के समुचित विकास को लेकर डिग्री कॉलेज नहीं है. जिस कारण दोनों प्रखंड क्षेत्र के हजारों छात्र छात्राएं उच्च शिक्षा से वंचित हो रहे हैं. आजादी के 77 वर्षों बाद भी डिग्री कॉलेज नही होने से लोगों में मायूसी है . कई प्रबुद्ध लोगों ने कहा कि यहां हर वर्ष बड़ी संख्या में छात्र छात्राएं मैट्रिक परीक्षा पास करने के बाद इंटर से आगे की पढ़ाई पूरी नहीं कर पाते हैं. इस वजह से हमेशा ही विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा से वंचित होना पड़ता है. उन्होंने बताया कि जो संपन्न घरानों के विद्यार्थी हैं वे तो उच्च शिक्षा के लिए पटना, रांची, बनारस ,मेदिनीनगर, औरंगाबाद, गया आदि दूसरे जगहों में एडमिशन करा लेते हैं. परंतु डिग्री कॉलेज नहीं रहने से गरीब और मध्यम वर्ग के विद्यार्थीयों की पढ़ाई बाधित हो जाती है. यहां के प्रतिभावान विद्यार्थि हर वर्ष मैट्रिक और इंटर परीक्षा में प्रखंड,जिला और राज्य टॉप टेन में नाम दर्ज कराकर क्षेत्र का नाम रौशन करते रहे हैं.

संवेदक के विरोध में ग्रामीणों ने किया प्रदर्शन

खास बातें

- पंडी नदी पर पुल निर्माण कार्य में देरी होने से ग्रामीण आक्रोशित
- स्कूली बच्चों सहित मरीजों को लाने और ले जाने में परेशानी

संवाददाता । कांडी

प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत राजा घटहुआं के मेहता टोला के ग्रामीणों ने रविवार को आक्रोश व्यक्त किया. जहां घटहुआं कला गांव स्थित पंचायत सचिवालय के समीप पंडी नदी में निर्माण हो रहे पुल के संवेदक के विरोध प्रदर्शन किया. उक्त टोले के ग्रामीणों ने कहा कि मरीज को चारपाई पर लेटाकर मुख्य सड़क पर लाना पड़ रहा है. साथ ही घटहुआं कला गांव में ही बाइक को खड़ा करना पड़ रहा है. ग्रामीणों ने बताया कि घटहुआं कला गांव स्थित माध्यमिक विद्यालय में अध्ययनरत बच्चों को स्कूल में जाने में काफी परेशानी हो रही है. आक्रोश व्यक्त करने वालों में जरिया देवी, पूनम देवी, मनमतिया देवी, संजू देवी, कमला देवी, मंजू देवी, कमला देवी, आरती देवी, रूमा देवी, रीता देवी, संजीव मेहता, मनोज मेहता, राजेश्वर मेहता, ओमप्रकाश मेहता, शंकर मेहता, रामप्रवेश मेहता, संतोष मेहता, राजकुमार मेहता, श्रवण मेहता, रामाशीष मेहता सहित सैकड़ों लोगों का नाम शामिल है. आक्रोश व्यक्त करने वालीं में झारखण्ड विकास पार्टी के जेपी सोनी, अनूप कुमार व अन्य सदस्यों ने अल्टीमेटम देते हुए कहा कि यदि तीन दिनों के भीतर निर्माणाधीन पुल के दोनों तरफ अच्छी सड़क का निर्माण नहीं हुआ तो आंदोलन करने को बाध्य होंगे.

पुल निर्माण स्थल पर विरोध -प्रदर्शन करते ग्रामीण.

संकल्प समारोह

हाता के श्रेष्ठश्री वाटिका में अभिनंदन सह विजय संकल्प समारोह का आयोजन

भाजपा ने पोटका में किया विधानसभा चुनाव का शंखनाद

सुनील पांडे । जमशेदपुर

भारतीय जनता पार्टी ने पोटका से रविवार को विधानसभा चुनाव का शंखनाद कर दिया. हाता के श्रेष्ठ श्री वाटिका में आयोजित कार्यकर्ता अभिनंदन सह विजय संकल्प सभा में मौजूद राज्यसभा सांसद सह पूर्व प्रदेश अध्यक्ष दीपक प्रकाश ने उपस्थित कार्यकर्ताओं में जोश भरते हुए कहा कि जिस प्रकार लोकसभा चुनाव में बूथ पर सर्वाधिक वोट दिलाकर विद्युत वरण महतो को तीसरी बार संसद भेजने का काम किया है. उसी तरह विधानसभा चुनाव में पोटका से भाजपा प्रत्याशी को जिताकर झारखंड में सरकार बनाने का काम करें.

कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ाते हुए उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव परिणाम के आधार पर प्रदेश की कुल 81 विधानसभा सीटों में भाजपा को 51 सीटों पर विजय मिली है. जबकि विपक्षी झामुमो, कांग्रेस व राजद को मात्र 29 सीटों पर ही सफलता प्राप्त हुई है. उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री रहते चंपई सोरेन सहित राज्य के 11 में 7 मंत्री अपने क्षेत्र में पराजित हुए हैं. दीपक प्रकाश ने कहा कि राज्य के लिए लोकसभा चुनाव सेमीफाइनल था, फाइनल मुकाबला विधानसभा चुनाव होगा. जनता हेमंत सोरेन की विफल सरकार को बदलने के लिए तैयार हैं. उन्होंने कार्यकर्ताओं में जोश भरते हुए कहा कि आप कमर कसकर तैयार रहें. कुछ ही दिनों में विधानसभा चुनाव होगा.

कार्यक्रम को संबोधित करते सांसद दीपक प्रकाश

झामुमो के झूठ की हार हुई : सांसद

सांसद विद्युतवरण महतो ने कहा कि उन्हें तीसरी बार सांसद बनाने के लिए सभी सम्मानित कार्यकर्ताओं का हृदय से अभिनंदन है. कहा विपक्ष दंभ भरता था कि जमशेदपुर की 6 विधानसभा में भाजपा का एक भी विधायक नहीं हैं तो बढ़त कहां मिलेगी, लेकिन देवतुल्य जनता भाजपा के साथ खड़ा होकर सभी विधानसभा क्षेत्रों में बढ़त दिलाने का काम किया. लोकसभा चुनाव में झामुमो के झूठ की हार हुई. विधानसभा चुनाव में भी जनता झामुमो गठबंधन को सबक सिखाएगी.

भारी संख्या में उपस्थित रहे कार्यकर्ता

अभिनंदन सह विजय संकल्प सभा में पोटका क्षेत्र के भाजपा कार्यकर्ता काफी संख्या में मौजूद रहे. पूर्व विधायक मेनका सरदार व जिलाध्यक्ष सुधांशु ओझा ने भी कार्यकर्ताओं को संबोधित किया. इससे पहले मौके पर अतिथियों ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय, डा.श्यामा प्रसाद मुखर्जी व स्व. अटल बिहारी वाजपेयी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया. इस दौरान लोकसभा स्तर के 6 बूथ एवं विधानसभा स्तर पर 10 बूथ के कार्यकर्ताओं को अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया गया. कार्यक्रम का संचालन जिला मंत्री मनोज राम व धन्यवाद ज्ञापन सुबोध झा ने किया.

चोरी की बाइक के साथ पकड़े गए लुटेरे, लूटकांड का खुलासा

- लूट की रकम, बाइक, सिम कार्ड और मोबाइल पुलिस ने किया बरामद

संवाददाता । रामगढ़

रामगढ़ पुलिस का वाहन जांच अभियान रंग लाने लगा है. रविवार को जांच के दौरान ही पुलिस के हाथ तीन कुख्यात लुटेरे लग गए. लुटेरों को जब पुलिस ने पकड़ा तो उनके पास से चोरी की बाइक, लूट की रकम, सिम कार्ड, मोबाइल आदि बरामद हुए हैं. इसके अलावा हजारीबाग जिले के गिद्दी थाना क्षेत्र में एक बैंक कर्मी के साथ हुई लूट कांड का भी खुलासा हो गया है. जानकारी के अनुसार पुलिस को गुप्त सूचना मिली कि तीन लुटेरे रामगढ़ शहर से भागने की फिराक में है. इसी दौरान एफजेड बाइक जेएच 24 एस 3158 पर सवार होकर तीन लोग मेन रोड से आते दिखाई दिए. जब पुलिस ने उन्हें रोकने की कोशिश की तो वह उन्हें चकमा देकर भागने लगे. पुलिस ने पीछा कर बस स्टैंड के पास बाइक को रोका और तीनों अपराधियों को गिरफ्तार किया.

गिरफ्तार अपराधियों में गिद्दी थाना क्षेत्र अंतर्गत फुलसराय निवासी शमशेर आलम, नौशाद अंसारी और बोकारो जिले के लालपनिया कोदवाटांड निवासी अब्दुल रहमान शामिल हैं. पुलिस ने जब उनकी तलाशी ली तो उनके पास से 19780 रुपए नगद, मोबाइल और सिम कार्ड बरामद हुए. जब बाइक की छानबीन की गई तो वह भी चोरी की निकली.

प्रतीकों से बचने की जरूरत

संदर्भ संविधान को बचाने और उसके मूल्यों के अनुरूप राजनीति को आकार देने का है, लेकिन इस संदर्भ को राजनीतिक दलों ने अपने हितों के अनुकूल इस्तेमाल करने का प्रयास किया है. लोकसभा चुनाव के दौरान संविधान बचाने के मुद्दे ने भारतीय जनता पार्टी की संभावनाओं को प्रभावित किया. इसका एक बड़ा कारण भाजपा नेताओं के वे बयान थे, जिसमें 400 पार सीटों की वकालत संविधान को बदलने के नजरिए से की गयी थी. अब भाजपा नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने विपक्ष के मुद्दे की धार को कम करने के लिए हर साल संविधान हत्या दिवस मनाने का एलान किया है. कांग्रेस और दूसरी विपक्षी पार्टियों की ओर से संविधान हाथ में लेकर शपथ लेने और उससे पहले लोकसभा चुनाव में संविधान का मुद्दा बनाए जाने के बाद यह एलान किया गया है. केंद्र सरकार ने तय किया है कि अब हर साल 25 जून को संविधान हत्या दिवस मनाया जाएगा. सरकार ने इसकी अधिसूचना भी जारी कर दी है. गौरतलब है कि 25 जून 1975 को इंदिरा गांधी ने देश में इमरजेंसी लगाई थी, जिसके विरोध में हर साल 25 जून को इमरजेंसी दिवस मनाया जाता है. कांग्रेस पार्टी ने सरकार के इस फैसले को एक और सुर्खियां बटोरने वाली कवायद बताया. कांग्रेस ने वर्तमान सरकार पर दस साल से अघोषित आपातकाल लगाने का आरोप लगाया है. लोकसभा चुनाव में जब भाजपा ने चार सौ सीट पार का नारा दिया और उसके कुछ नेताओं ने संविधान बदलने की बात कही तो विपक्ष ने भाजपा पर संविधान विरोधी होने का आरोप लगाया. कहा कि अगर भाजपा सरकार में आई तो वह संविधान बदल देगी. माना जा रहा है कि कांग्रेस और दूसरी विपक्षी पार्टियों के इस प्रचार का भाजपा को बड़ा नुकसान हुआ. चुनाव नतीजों में भाजपा के अपेक्षाकृत खराब प्रदर्शन के बाद विपक्ष ने संसद सत्र में संविधान को लेकर हर दिन प्रदर्शन किया. राहुल गांधी, अखिलेश यादव सहित विपक्ष के ज्यादातर सांसदों ने संविधान की कॉपी हाथ में लेकर शपथ ली. लोकसभा चुनाव के बाद विधान सभा के उपचुनावों में भाजपा को बड़ी कामयाबी नहीं मिल पायी है. भाजपा ने इसके पहले विभाजन विभीषिका दिवस मनाने का एलान किया था, जिसे देश के नागरिकों ने ज्यादा महत्व नहीं दिया. भाजपा हमेशा ऐसी शब्दावलियों का प्रयोग करती है, जिसमें सद्भाव नहीं दिखता है. विभीषिका के बाद हत्या शब्द के इस्तेमाल को भाजपा के नजरिए में अंतर्निहित अवधारणों से जोड़ कर दिखाया जा रहा है. इस तथ्य को नकारा नहीं जा सकता है कि पचास साल पहले इलाहाबाद हाईकोर्ट के एक फैसले और जेपी आंदोलन के कारण इंदिरा गांधी ने अपातकाल लगाया था, लेकिन 18 माह बाद ही उनका लोकतांत्रिक विवेक जाग उठा और चुनावों का एलान कर दिया गया, जिसमें इंदिरा गांधी और उनका बेटा संजय गांधी तक चुनाव हार गए. लेकिन जिन वोटरों ने इंदिरा गांधी को इमरजेंसी के कारण सत्ता से हटाया था, उन्हीं वोटरों ने 1980 में उन्हें प्रचंड बहुत के साथा सत्ता में वापस ला दिया. कांग्रेस और इंदिरा गांधी और बाद में डॉ. मनमोहन सिंह इमरजेंसी के लिए देश से माफी मांग चुके है. केंद्र सरकार को चाहिए कि वह प्रतीकों की राजनीति के बजाय ठोस और ज्वलंत सवालों को हल करने की दिशा में कदम उठाए.

> राहुल गांधी, अखिलेश यादव सहित विपक्ष के ज्यादातर सांसदों ने संविधान की कॉपी हाथ में लेकर शपथ ली. लोकसभा चुनाव के बाद विधान सभा के उपचुनावों में भाजपा को बड़ी कामयाबी नहीं मिल पायी है.

सुभाषित

अङ्गणवेदी वसुधा कुल्या जलधिः स्थली च पातालम्।
वल्मीकश्च सुमेरुः कृतप्रतिज्ञस्य धीरस्य॥

अपनी प्रतिज्ञा पर दृढ़ रहने वाले धीर व्यक्ति के लिए यह वसुधा (पृथ्वी) एक बगिया के समान होता है, समुद्र एक नहर के समान होता है (जब चाहे तैर कर पार कर लो), पाताल लोक एक मनोरंजन स्थल के समान होता है और सुमेरु पर्वत एक चींटी के घर के समान होता है. अतः मनुष्य को दृढ़प्रतिज्ञ एवं धीर-गम्भीर होना चाहिए.

अग्निपथ स्कीम पर झुकेगी सरकार!

लोकसभा चुनाव में भाजपा को दलितों और कमजोर वर्गों का अपेक्षित समर्थन नहीं मिला. इसका असर पार्टी के प्रदर्शन पर साफ दिखा. पार्टी बहुमत के आंकड़े से दूर रह गई. अब अग्निवीर के मुद्दे पर विपक्ष के साथ ही एनडीए के सहयोगी दल भी आवाज उठा रहे हैं. कुल मिला कर नरेंद्र मोदी सरकार के लिए कुछ भी बेहतर नजर नहीं आ रहा है. अब खबर है कि सरकार अग्निवीर योजना की समीक्षा कर सकती है.

• देश-काल

बृजेंद्र दुबे

केंद्र में सरकार बनाने के बाद भी भाजपा की चुनौतियां कम होती नहीं दिख रही हैं. पहले लोकसभा चुनाव में पार्टी को दलित वोटर की बेरुखी का सामना करना पड़ा. अब भाजपा अग्निवीर के मुद्दे पर घिरती नजर आ रही है. विपक्ष के साथ ही एनडीए के घटक दल भी अग्निवीर और मणिपुर के मुद्दों पर सरकार से अलग सुर निकाल रहे हैं. ऐसा लग रहा है कि केंद्र की सत्ता में भाजपा कि भले ही वापसी हो गई है, लेकिन पार्टी इन मुद्दों पर अंदर से कुछ हिली नजर आ रही है. लोकसभा चुनाव में भाजपा से दलित वोटर छिटके नजर आए. इसकी वजह से भाजपा ने एक दशक के बाद अपने दम पर लोकसभा में बहुमत खो दिया. हालांकि 240 सीटों के साथ वह अभी भी निचले सदन में सबसे बड़ी पार्टी है. दलित वोटरों के भाजपा से छिटकने के पीछे वजह रही कि इंडिया ब्लॉक ने 400 पार के नारे को संविधान बदलने और संविधान पर खतरे के रूप में पेश किया. दलित-बहुजन तबके के वोटरों ने कांग्रेस की इस बात पर यकीन भी किया. यह यकीन भाजपा की दलित बाहुल्य सीटों पर हार के रूप में सामने आया. राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण राज्य यूपी में भाजपा ने आधी सीटें खो दीं. पार्टी समाजवादी पार्टी के बाद दूसरे नंबर पर आ गई. 2019 के लोकसभा चुनाव की तुलना में इस बार भाजपा को राज्य में आठ प्रतिशत वोटों का नुकसान हुआ. भाजपा को सबसे ज्यादा नुकसान पिछड़े समुदाय और दलितों के वोटों से हुआ. भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए ने एससी के बीच छह फीसदी वोट गंवा दिए. वहीं, कांग्रेस के नेतृत्व वाले इंडिया ब्लॉक ने एससी के बीच दोहरे अंकों का वोट शेयर हासिल किया.

लोकसभा चुनाव में कांग्रेस ने प्रमुखता से अग्निपथ स्कीम का विरोध किया. कांग्रेस ने वादा भी किया था सत्ता में आते ही वह इस योजना को खत्म कर देंगे. सरकार बनने के बाद भी कांग्रेस ने इस स्कीम का विरोध बंद नहीं किया. 18वीं लोकसभा के पहले सत्र में कांग्रेस नेता राहुल गांधी इस मुद्दे पर अधिक मुखर हुए. भाजपा के लिए चिंता की बात यह है कि एनडीए के प्रमुख सहयोगी दल भी अग्निवीर के मुद्दे पर विपक्ष के सुर में सुर मिला रहे हैं. सरकार बनने से पहले ही भाजपा की अहम सहयोगी जनता दल यूनाइटेड ने अग्निपथ योजना की समीक्षा की मांग की थी. हालांकि, जदयू ने एनडीए गठबंधन को बिना शर्त समर्थन देने की पेशकश की. जनता दल (यूनाइटेड) के वरिष्ठ नेता केसी त्यागी ने कहा था कि उनकी पार्टी चाहती है कि इस योजना की कमियों पर विस्तार से चर्चा की जाए. यह बात विपक्षी दल समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव के उस बयान के बाद आई, जिसमें उन्होंने कहा था कि इस योजना को तत्काल प्रभाव से खत्म कर देना चाहिए.

संसद में अग्निवीर की शहादत के बाद उनके परिवार को मिलने वाली सुविधाओं के मुद्दे पर राहुल गांधी ने सरकार को घेरा था. इस पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की सफाई के बाद सेना की तरफ से भी जवाब आया था. ऐसे में विपक्षी हमले को देखते हुए भाजपा इस मुद्दे पर बैकफुट पर नजर आ रही है. इस मुद्दे पर विपक्ष की आलोचना का सामना कर रही भाजपा ने विवाद को शांत करने के लिए एयर चीफ मार्शल (सेवानिवृत्त) राकेश कुमार सिंह भदौरिया को मैदान में उतारा है. हाल ही में हुए लोकसभा चुनाव से पहले भाजपा में शामिल हुए सेवानिवृत्त एयर चीफ मार्शल ने कहा कि अग्निवीर के परिवार को पहले ही 98 लाख रुपए का मुआवजा दिया जा चुका है. भदौरिया ने कहा कि पुलिस वेरिफिकेशन सहित निर्धारित प्रक्रिया पूरी होने पर जल्द ही 67 लाख रुपए और दिए जाएंगे. उन्होंने कहा कि सेना को राजनीति में नहीं घसीटा जाना चाहिए. उधर, अग्निवीर के ही मुद्दे पर जनरल बक्शी जैसे भाजपा के मुखर समर्थक अब विरोध में आ गए हैं. जनरल बक्शी एक चैनल पर अग्निवीर योजना पर बहस के दौरान रोने लगे और उन्होंने खुलेआम मोदी सरकार की अग्निपथ योजना की लानत-मलामत की. हाल के दिनों में दो अग्निवीर जवानों की आत्महत्या ने भी इस स्कीम की कलई खोल दी है. नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी अपने हर बयान में स्पष्ट कहते हैं कि उनकी सरकार जब भी केंद्र में आएगी, वे स्कीम को कूड़े में डाल देंगे. इंडिया ब्लॉक के बाकी सहयोगी दल भी अग्निवीर स्कीम पर राहुल गांधी का पक्ष ले रहे हैं.

इसका नतीजा है कि अब कि सरकार अग्निपथ स्कीम की समीक्षा पर विचार कर रही है. खबर है कि सेना ने सिफारिश की है कि शहीद होने वाले अग्निवीरों के परिवार को पेंशन की तरह मदद दी जानी चाहिए. इसके अलावा 50 फीसदी या इससे अधिक अग्निवीरों को परमानेंट किए जाने की भी सिफारिश की गई है. सेना की तरफ से यह सिफारिश डिपार्टमेंट ऑफ मिलिट्री अफेयर्स को भेजी गई है. सेना की तरफ से यह सिफारिश अपने यहां करीब चार महीने तक अपनी सभी यूनिट से अग्निपथ स्कीम और अग्निवीरों को लेकर फीडबैक के आधार पर की गई है. इसके साथ ही सेना के भीतर इस मुद्दे पर पूरा सर्वे कराया गया है. पता चला है कि इस सर्वे में भी वही बात सामने आई है, जो राहुल गांधी संसद से लेकर सड़क तक कहते आ रहे हैं. अब देखना है कि सरकार अग्निवीर जवानों के भले के लिए अब नया क्या करती है. इंतजार कीजिए, शायद कुछ भला ही हो जाए. हालांकि इसकी उम्मीद बहुत कम ही है.

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

• बोधि-वृक्ष | सुज्ञ

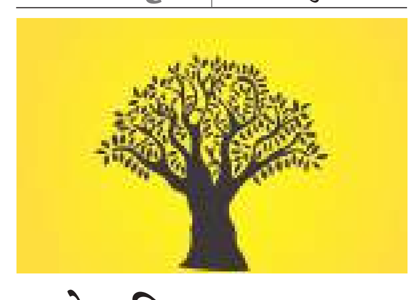

क्रोध विनाश का मूल

क्रोध मनुष्य की विनाशकारी प्रवृत्ति का नाम है. क्रोध एक ऐसा आवेग है, जो इतनी उत्तेजना उत्पन्न कर देता है कि आंखें कुछ देख नहीं पातीं, कान कुछ सुन नहीं पाते और मस्तिष्क सोचने-समझने की क्षमता खो चुका होता है. क्रोध की अधिकता में मनुष्य जो भी कदम उठाता है वह विनाशकारी ही होता है. क्रोध प्रेरित द्वेष के साथ साथ, कभी-कभी ईर्ष्या जनित द्वेष भी पूर्वाग्रहों-दुराग्रहों के कारण बनते हैं. राग की भाँति द्वेष भी अंधा होता है. राग हमको प्रेमपात्र के अवगुणों की ओर से अंधा कर देता है और द्वेष, अप्रिय पात्र के गुणों की ओर से. इसलिए प्रतिहिंसा न तो अन्याय अत्याचार रोकने का साधन है, न प्रतिशोध और द्वेष के निवारण का समुचित उपाय. प्रत्येक सदाचरण कठिन ही होता है, अहिंसा और क्षमा भी कठिन राजमार्ग है, किसी भी परिस्थिति में समतावान व धैर्यवान ही इस महामार्ग पर चल पाते है. 'मन की शान्ति' तो निश्चित ही क्षमावान-सहिष्णु लोगों को ही प्राप्त होती है और वे ही इसके अधिकारी भी है. यह एक भ्रामक धारणा है कि भड़ास या क्रोध निस्तारण से तनाव मुक्ति मिलती है. उलट, क्रोध तो तनाव के अन्तहीन चक्र को जन्म देता है. क्योंकि भड़ास निकालने, आवेश अभिव्यक्त करने या क्रोध को मुक्त करने से प्रतिक्रियात्मक द्वेष ही पैदा होता है और द्वेष से तो वैर की परम्परा का ही सर्जन होता है. इस तरह प्रतिशोध की प्रतिपूर्ति के लिए व्यक्ति निरन्तर तनाव में रहता है. क्रोध का ईलाज आवेशों को मंद करके, क्रोध के शमन या दमन में ही है. क्षमा ही परमानेंट क्योर है. क्योंकि क्षमा ही वह शस्त्र है जो वैर के दुष्चक्र को खण्डित करता है. क्षमा के बाद किसी तरह के तनाव-बोझ को नहीं झेलना पड़ता. अर्थात् सहिष्णुता ही तनाव मुक्ति का उपाय है. अहिंसा पर आम सोच बहुत ही सतही होती है. लोग गांधी के चिंतन, 'दूसरा गाल सामने करने' का परिहास करते है. वस्तुतः दूसरा गाल सामने करने का अभिप्राय है, धैर्यपूर्वक सहनशीलता से कोई ऐसा व्यवहार करना जिससे बदले की परम्परा प्रारम्भ होने से पहले ही थम जाय. ईंट का जवाब पत्थर से देना तो तात्कालिक सरल और सहज है, किंतु निराकरण तो तब है जब हिंसा-प्रतिहिंसा की शृंखला बनने से पूर्व ही तोड दी जाय. कईं लोगों के मानस में हिंसा और अहिंसा की अजीब अवधारणा होती है, वे सभी से हर हाल में अपने साथ तो अहिंसक व्यवहार की अपेक्षा रखते है, दूसरे किसी आक्रोशी को सहनशीलता का पाठ पढा लेते है, दूसरे लोगों के धैर्य सहित शिष्टाचार की भूरि भूरि प्रशंसा भी करते है. किन्तु अपने साथ पेश आती, जरा सी प्रतिकूलता का प्रतिक्रियात्मक हिंसा से ही जवाब देना उचित मानते हैं.

शिक्षा-रोजगार से वंचित अफगानी महिलाएं

• देशांतर

पुष्परंजन

इस समय अफ़ग़ान सिविल सेवा में जो बची-खुची महिलाएं हैं, उनकी मासिक सेलरी का अंदाज़ा लगा सकते हैं आप? केवल पांच हज़ार रुपये. भारतीय मुद्रा में कन्वर्ट कीजिये, तो यह केवल पांच हज़ार 883 रुपये बनेगा. इतने में उस महिला सिविल सेवा कर्मी को अपना घर-परिवार चलाना है. आप काम पर आइये, या घर बैठिये, मिलेगा बस पांच हज़ार. भारत में कामवाली बाई भी इससे कहीं ज्यादा कमा लेती है. अफ़ग़ानिस्तान में औरतों का जो हाल इस्लामिक अमीरात ने किया है, उस पर इसी मंगलवार को चिंताजनक रिपोर्ट आई है. संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट में कहा गया है कि अगस्त, 2021 में 'सदाचार का प्रचार और बुराई की रोकथाम के लिए मंत्रालय' (एमपीवीपीवी) की स्थापना के बाद से तालिबान ने 'डर का माहौल' पैदा किया है. इस रिपोर्ट में 'मोरल पुलिस' के तौर-तरीकों पर भी सवाल किया गया है. आप वेस्टर्न हेयर स्टाइल नहीं रख सकते. 'एमपीवीपीवी' ने एक रूढ़िवादी ड्रेस कोड भी लागू किया है, जो इस्लामी पोशाक को 'एक दैवीय दायित्व' के रूप में संदर्भित करते हैं. तालिबान सरकार ने महिलाओं के लिए पुरुष एस्कॉर्ट अनिवार्य करने के फैसले का बचाव करते हुए कहा, कि वे 'उनके सम्मान और शुद्धता की रक्षा के लिए' हैं. संयुक्त राष्ट्र सहायता मिशन (यूएनएएमए) की रिपोर्ट 15 अगस्त, 2021 से 31 मार्च, 2024 तक अमीरात में मानवाधिकार की स्थिति और मंत्रालय की कारगुजारियों पर केंद्रित है. तालिबान सरकार के प्रवक्ता जबीहुल्ला मुजाहिद ने मंगलवार देर रात कहा कि यूएनएएमए रिपोर्ट, अफगानिस्तान को पश्चिमी नज़रिये से आंकने की कोशिश कर रही है, जबकि यह एक इस्लामी समाज है. पुरुषों और महिलाओं के साथ शरिया कानून के अनुसार व्यवहार किया जाता है, यहां कोई उत्पीड़न नहीं होता है.' 'यूएनएएमए' ने 15 अगस्त, 2021 से 31 मार्च, 2024 के बीच 1033 लोगों का दस्तावेजीकरण किया, जिसमें 828 महिलाएं व 205 पुरुष शामिल थे. इनका ज़ोर-ज़बरदस्ती का दस्तावेजीकरण किया, जहां अमीरात की मोरल पुलिस और एमपीवीपीवी ने निर्देशों के कार्यान्वयन के दौरान बल प्रयोग किया. अफ़सोस, अफ़ग़ानिस्तान का जो अकादमिक क्लास है, वो भय से अमीरात के पक्ष में भी बयान देता है. इनमें काबुल विश्वविद्यालय के व्याख्याता मोहम्मद ऐमल दोस्तयार का बयान उल्लेखनीय है. दोस्तयार कहते हैं 'दुर्भाग्य से, यूएनएएमए की हालिया रिपोर्ट वास्तविकताओं पर आधारित नहीं हैं; सदाचार मंत्रालय इन निर्देशों को प्रभावी ढंग से लागू करता है.' सदाचार मंत्रालय के डिप्टी मोहम्मद फकीर मोहम्मदी ने कहा कि हमने तो बल्कि 4,600 महिलाओं को विरासत प्रदान की है. इस्लामिक अमीरात महिलाओं के अधिकारों के लिए प्रतिबद्ध हैं. अर्थ मंत्रालय के प्रवक्ता अब्दुल रहमान हबीब कहते हैं, 'अब संबंधित मंत्रालयों ने आर्थिक और वाणिज्यिक क्षेत्रों में महिलाओं के लिए आवश्यक सुविधाएं प्रदान की हैं. न केवल काबुल, बल्कि देश के विभिन्न प्रांतों में भी, छात्राओं ने सिलाई, पेंटिंग, कालीन बुनाई और कढ़ाई जैसे व्यवसायों को सीखने की ओर रुख किया है, ताकि अपने परिवार को सपोर्ट कर सकें.' लेकिन, मुल्क की महिलाएं ऐसे हालात को कुबूल करने के पक्ष में नहीं दिखतीं. इसी हफ्ते अदबी लेखिकाओं ने काबुल में एक कविता गोष्ठी आयोजित की और इस्लामिक अमीरात से छठी कक्षा से ऊपर की लड़कियों के स्कूलों को फिर से खोलने का आग्रह किया. विभिन्न प्रांतों से राजधानी में एकत्र हुईं इन कवयित्रियों और लेखिकाओं ने कहा कि लड़कियों को स्कूल जाने से रोकना इस्लामी कानून और मानवाधिकार मानदंडों का उल्लंघन है. एक प्रस्ताव में उन्होंने कहा कि लड़कियों के स्कूलों को बंद करने का कोई धार्मिक औचित्य नहीं है. कार्यक्रम के आयोजकों में से एक, ओगी ने सवाल किया, 'हमारा पाप क्या यही है कि हम पुरुष नहीं हैं?' अफ़ग़ानिस्तान में लड़कियों के स्कूल बंद हुए 292 दिन हो गए हैं. अब भी स्पष्ट नहीं है कि वे फिर से कब खुलेंगे, और भविष्य में लड़कियों के लिए क्या होगा. छात्राएं अपने अनिश्चित भविष्य को लेकर तनाव में रहती हैं. उनके लगभग छह महीने के लिए विश्वविद्यालयों में जाने पर प्रतिबंध लगा दिया गया है. तालिबान ने विगत दो वर्षों में 80 फतवे जारी किए हैं, इनमें से 54 सीधे तौर पर महिलाओं को निशाना बनाते हैं. वर्ष 2004 में नए संविधान में लैंगिक समानता सुनिश्चित की गई और अफगान महिलाओं के लिए संसद में 27 प्रतिशत सीटें आरक्षित की गईं.

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

> संयुक्त राष्ट्र सहायता मिशन की रिपोर्ट 15 अगस्त, 2021 से 31 मार्च, 2024 तक अमीरात में मानवाधिकार की स्थिति और मंत्रालय की कारगुजारियों पर केंद्रित है. तालिबान सरकार के प्रवक्ता जबीहुल्ला मुजाहिद ने मंगलवार देर रात कहा कि यूएनएएमए रिपोर्ट, अफगानिस्तान को पश्चिमी नज़रिये से आंकने की कोशिश कर रही है, जबकि यह एक इस्लामी समाज है.

भारत के अध्ययन में उम्दा पाठ हैं गुफा-चित्र

• पुरातत्व

अंजनी कुमार

पुरातत्व की दुनिया में हाल ही में एक महत्वपूर्ण खबर छपीः इंडोनेशिया में विश्व का प्राचीनतम गुफा चित्र मिला. यह खबर भारत में भी छपी और एकाध जगह इसकी चर्चा भी हुई. लेकिन, आमतौर पर यह खबर चर्चा का विषय नहीं बनी. जिस समय यह खबर आई, उसके चंद दिनों पहले मैं अपने मित्रों के साथ भीमबेटका गुफा चित्रों को दूसरी बार देखने गया था. इसके पहले लगभग दस साल पहले उन चित्रों को देखा था. इस बार बहुत से चित्र नहीं दिख रहे थे. वे नष्ट हो गये हैं. उन खत्म हो गये चित्रों पर पुरातत्व विभाग ने अपने नम्बर डाल रखे हैं. चित्रों का इस तरह काले नम्बरों में बदल जाना एक इतिहास के ध्वंस की कहानी की तरह है. इंडोनेशिया के एक गुफा में जो चित्र मिला है, उसमें कुछ लोग एक सूअर का शिकार कर रहे हैं. सूअर का चित्रण विशाल है. यह चित्र काफी धुंधला हो गया है. इसकी आकृतियों पर काम करने वाले पुरातत्वविदों के अनुसार इसमें चित्रित सूअर का मुंह थोड़ा खुला हुआ है. इसमें जो तीन इंसान हैं उन पर जानवरों की शक्ल का आरोपण है. यानी उनके कुछ हिस्से जानवरों से समानता रखते हैं. मसलन, उसमें से एक की पूंछ है. एक ने पगड़ी जैसा कुछ पहन रखा है. यह चित्र एक गत्यात्मक अवस्था को पेश करता है जिसमें एक इंसान उसके सिर और गले के बीच भाले जैसा कुछ तान रखा है. दूसरा सूअर के सिर पर निशाना बांधे हुए है और उसकी टांगें खुली हुई हैं. तीसरा इन दोनों से बड़ा और भव्य सा दिखता है. उसके हाथ में कुछ अस्पष्ट-सी वस्तु है. उसने पगड़ी जैसा कुछ पहन रखा है. इन चित्रों के अध्ययन करने वाले एक शोधकर्ता के अनुसार यह चित्रात्मक वर्णन जानवरों के संदर्भ में इंसानी उपस्थिति का है. जानवरों के साथ ये आधुनिक इंसान अब एक खास व्यवहार के साथ दिख रहे हैं. ये इंसान, होमोसेपियंस के विकास की आधुनिक स्थिति में पहुंच चुके हैं और जानवरों के साथ नये रिश्तों में ढल रहे हैं. वे अब जानवरों के साथ अपने रिश्तों को चित्रों में ढाल रहे थे. इंडोनिशिया में मिले इन चित्रों का दो साल के गहन अध्ययन और नाभिकीय काल निर्धारण विधि समय के मूल्यांकन ने इसे 51,200 साल पुराना घोषित किया. इसकी समयावधि ने इंसान द्वारा चित्रण के सबसे पुराने साक्ष्य को यूरोप से इंडोनेशिया और दक्षिण एशिया को झुका दिया. यहां यह उल्लेख करना उपयुक्त होगा कि नियंडरथल मानवों का अंत तो हुआ लेकिन उनके साथ होमोसेपियंस के साथ सम्मिलन की स्थिति भी बन गई थी. आज के इंसान में नियंडरथल मानवों का डीएनए भी शामिल हो चुका था. नियंडरथल मानवों के गुफा में रहने के पुरातात्विक साक्ष्य इराक से लेकर यूरोप तक फैले हुए हैं. जिस समय के ये चित्र हैं उस समय भूशास्त्र की शब्दावली में अत्यंतनूतन काल का अंतिम दौर चल रहा था और धरती आज के आकार में ढल रही थी. मौसम आज के दौर की तरह बन रही थी. नियंडरथल इन बदलावों में खुद को बचा नहीं पा रहे थे जबकि होमोसेपियंस आग और नई तकनीक का ईजाद करते हुए भोजन के नये स्रोतों को विस्तारित कर रहे थे. ये नई राह पूरी दुनिया में पुरातत्व के रूप में आज भी मौजूद हैं और उसमें गुफा चित्र एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं. भारत में गुफा चित्रों की एक लंबी शृंखला है. ये मध्य प्रदेश के सतपुड़ा की पहाड़ियों से लेकर मिर्जापुर के विंध्य की पहाड़ियों की गुफाओं में फैले हुए हैं. ये गुफा चित्र महाराष्ट्र से लेकर तमिलनाडु और झारखंड की पहाड़ियों में दिखते हैं. इनमें सबसे महत्वपूर्ण गुफा चित्र भोपाल से लगभग 40 किमी दूर भीमबेटिका के गुफा चित्र हैं. इन गुफा चित्रों का जिक्र 1888 ईस्वी से मिलने लगता है. लेकिन, इसे 1957 में ही उपयुक्त ढंग से इसे देखा, समझा गया. 1970 के बाद ही इसे तवज्जो मिलनी शुरू हुई. यहां पाषाणकाल से लेकर सातवाहन काल के समय के साक्ष्य मिलते हैं. यहां की बसावट को पुरातत्वविदों ने एक लाख साल पुराना माना है. पूरी दुनिया में शायद ही इतने विशाल समय को समेटे हुए कोई स्थल होगा. भूगर्भ शास्त्रियों के अनुसार ये पहाड़ लंबे समय तक समुद्र में डूबे हुए थे. समुद्र के जल स्तर के नीचे आने के साथ ये पहाड़ बहुत सारी बनावटों के साथ उभरकर आये. इस जून के अंतिम हफ्तों में पंचमढ़ी और भीमबेटका की यात्रा में हम गुफाओं को देखते हुए विशालकाय पहाड़ों पर पानी की लहरों, उसकी कटान और जल-निक्षेप के संस्तरों को देख रहे थे.

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

> जानवरों के साथ ये आधुनिक इंसान अब एक खास व्यवहार के साथ दिख रहे हैं. ये इंसान, होमोसेपियंस के विकास की आधुनिक स्थिति में पहुंच चुके हैं और जानवरों के साथ नये रिश्तों में ढल रहे हैं. वे अब जानवरों के साथ अपने रिश्तों को चित्रों में ढाल रहे थे. इंडोनिशिया में मिले इन चित्रों का दो साल के गहन अध्ययन और नाभिकीय काल निर्धारण विधि समय के मूल्यांकन ने इसे 51,200 साल पुराना घोषित किया.

मीडिया में अन्यत्र

नीट-यूजी 2024 : जटिल समस्याओं का पिटारा

शासन में विश्वास ही सब कुछ हो सकता है. राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट)-यूजी-2024 के नतीजों के प्रकाशन के साथ ही फूटे जटिल समस्याओं के पिटारे ने मेडिकल (और डेंटल) सीटों के लिए होने वाली इस प्रवेश परीक्षा को लोगों के बीच व्यवस्था में अविश्वास के एक रूपक के रूप में स्थापित कर दिया है. इस साल प्रश्न-पत्र लीक होने, कदाचार और तकनीकी विफलताओं के आरोपों के अलावा, कुछ छात्रों को अनुग्रह अंक देने के आरोपों से घिरा नीट, जिसकी परिकल्पना योग्यता के आधार पर चयन को एकरूप करने के मकसद से की गई थी अब एक ऐसी हिकमत में तब्दील हो गया है जो अपने मूल मकसद से हटकर बहुत दूर चला गया है. सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) द्वारा आयोजित परीक्षा के दौरान अनियमितताओं और कदाचारों से जुड़ी शिकायतों का निपटारा करने के लिए नीट-यूजी की सुनवाई 18 जुलाई को पुनर्निर्धारित की. केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा आरोपों की जांच जारी है. इस बीच, केंद्र ने आईआईटी मद्रास द्वारा पेश एक डेटा विश्लेषण रिपोर्ट पर बहुत ज्यादा भरोसा किया है. इस रिपोर्ट में यह पता लगाने के लिए परीक्षा के नतीजों की जांच की गई है कि कदाचार हुआ है या नहीं. इस रिपोर्ट के कार्यकारी सारांश में यह दावा किया गया कि दो साल के केंद्र और शहर-वार किए गए विश्लेषण में कोई असामान्यता नहीं पाई गई. यह विश्लेषण देश के शीर्ष 1.4 लाख रैंक के लिए किया गया था. इसमें आगे कहा गया है कि बड़े पैमाने पर कदाचार या स्थानीय स्तर पर उम्मीदवारों को फायदा मिलने का कोई सबूत नहीं है. छात्रों के अंकों में कुल वृद्धि, एक आरोप जो शुरू में लगाया गया था, के लिए पाठ्यक्रम में 25 फीसदी की कमी को जिम्मेवार माना गया है और यह रिपोर्ट इस बात की पुष्टि करती है कि ऐसा कई शहरों में हुआ है. हालांकि, सोशल मीडिया पर आवेदकों का आक्रोश जारी है. हालांकि नीट विवादों से अछूता नहीं रहा है. कई राज्य इसका विरोध कर रहे हैं. लेकिन इस साल इसके खिलाफ जो आरोप लगाए गए हैं, उनका देश भर में बड़े पैमाने पर होशियार विद्यार्थियों के बीच इस परीक्षा के प्रति अविश्वास का भाव पैदा करने वाला प्रभाव पड़ा है. यहां से आगे बढ़ने का एकमात्र तरीका यह सुनिश्चित करना है कि इस मुद्दे पर सार्वजनिक मंचों पर घनघोर बहस हो और सभी संदेह दूर किये जायें, बजाय इसके कि ढंकी हुई समस्याओं को एक झटके में बुहारने की कोशिश की जाए. कदाचार के जोरदार खंडन का सार्वजनिक मंच पर प्रभावित लोगों के साथ संवाद करने एवं स्पष्टीकरण प्रदान करने की इच्छा के साथ मेल होना चाहिए. जहां त्रुटियां हुई हैं, जोकि इस पैमाने की कवायद में संभव है, उसकी उपयुक्त स्वीकृति और उसके लिए माफी मांगा जाना जरूरी है.

(द हिंदू)

शब्द चर्चा

डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

भूल/भुल

फिल्म राम बलराम का एक गीत बहुत ही लोकप्रिय हुआ था-अच्छा कहो चाहे बुरा कहो, झूठा कहो चाहे सच्चा कहो, हमको सब कबूल, हमसे भूल हो गयी, हमका माफी दई दो. किशोर कुमार और आशा भोंसले की आवाज में इस गीत ने धूम मचा दी थी. इस गीत के मुखड़े में प्रयुक्त सभी शब्दों के केंद्र में भूल शब्द है. नायक या नायिका की अभिव्यक्ति का आशय यही है कि परिणाम चाहे जो भी हो, लेकिन भूल तो हो गयी. उसका निदान यही है कि माफी दे दी जाये. पहले इस शब्द की वर्तनी पर विचार करते हैं. शब्द है भूल. वर्तनी है-भ में दीर्घ उकार की मात्रा और ल. कुछ लोग अज्ञानता वश भूल के भ अक्षर में ह्रस्व उकार की मात्रा लगा कर लिख देते हैं, जो गलत है. हालांकि कुछ स्थानों पर ऐसा भी सही हो जाता है. उदाहरण के लिए मैं भूल गया, हां तुम मुझे यूं भुला न पाओगे, भुलक्कड़, भुलवा देना. अब इस शब्द के अर्थ पर आते हैं. वर्धा हिंदी शब्दकोश के अनुसार भूल हिंदी का संज्ञा स्त्रीलिंग शब्द है. इसका प्रयोग खूब होता है. भूल का मतलब है भूलने की क्रिया या भाव, अशुद्धि, अज्ञान, गलती, चूक. भूल-भुलैया संज्ञा स्त्रीलिंग शब्द है. इसका मतलब है ऐसा भवन, जिसमें व्यक्ति जाकर रास्ता भूल जाता है और अपने ठिकाने पर जल्दी नहीं पहुंच पाता, पेचीदी बात. भूलना सकर्मक क्रिया है. आशय है विस्मृत होना, याद न रहना, याद रखना, ध्यान न रहना. इससे मिलते जुलते शब्द हैं गलती, गुनाह, अपराध, लेकिन इन तीनों में अंतर है. भूल उसे कहते हैं, जो अनुचित या त्रुटिपूर्ण या अनपेक्षित कार्य परिणाम या तथ्य के याद न रहने के कारण किया जाये या अनजाने में हो जाये, लेकिन गलती वह है जो अनपेक्षित कार्य किसी गलतफहमी या सही जानकारी के अभाव में किया जाये या हो जाये. गुनाह या अपराध का मतलब है जानबूझ कर बुरे उद्देश्य से किया गया अनपेक्षित कार्य.

लोगों को भागते देख प्रलय ही भाग चला

• तीर-तुक्का

डॉ. एसके पाण्डेय

खबरीलाल ने प्रलय की ऐसी अफवाह उड़ायी कि पूरा शहर अस्तव्यस्त हो गया. लोग घर छोड़ कर भागने लगे. उन्हें लग रहा था कि भागने के सिवा प्रलय से बचने का कोई रास्ता नहीं रहा. वे भाग रहे थे और मोबाइल पर लोगों को भागने की प्रेरणा दे रहे थे. यह सिलसिला बढ़ता गया और मेरा मोबाइल भी बज उठा. आवाज आई घर छोड़कर भाग जाओ. प्रलय आ रही है. भूकम्प आ रहा है. खबरीलाल ने यह खबर आप तक पहुंचाई है. कई शहर तबाह हो गए हैं. बोले हैं कि आप जितना हो सके उतने लोगों को लेकर बाहर खड़े होकर इस ठंड में कांपे. तो हो सकता है कि आप सबको कांपता देखकर भूकम्प कांप कर भाग जाए अथवा आये तो कांप ही न सके. हम जग तो गए ही थे, सो कुछ सोच-विचार करने लगे. इतने में फिर फोन बजा. किसी ने पूछा आप बचे हैं. भूकम्प नहीं आया. मैंने कहा, भूकम्प नहीं आया, भूकम्प का फोन आया था. हम बचे हैं और बचे ही रहेंगे. हम 2025 में भी मिलेंगे. क्योंकि विनाश 2024 में नहीं होगा. विनाश वाली प्रलय नहीं आएगी. वैसे कई प्रलय आ सकती है. हम सोचने लगे जब देश तबाह हो तो ऐसे में देश का कोई शहर तबाह हो या हो जाये तो इसमें क्या आश्चर्य है? मंहगाई, घूसखोरी, बेईमानी, हत्या, लूट, घुसपैठ आदि से क्या देश तबाह नहीं है? इनसे लोगों को तरह-तरह के झटके लगते रहते हैं. इस प्रकार से देखा जाय तो प्रतीकात्मक रूप से खबरीलाल पूर्णतयः गलत नहीं हैं, लेकिन इस तरह से हड़कम्प मचाने की क्या जरूरत है? यदि सही में भूकम्प ही आएगा तो खबरीलाल की खबर धरी रह जायेगी. क्योंकि आज का विज्ञान भी नहीं बता पाता है कि भूकम्प कब आएगा? इतना जरूर बता देता है कि तीव्रता क्या थी यानी हल्का था या तेज? और कितने देर तक आया था. यदि बच जाय तो इतना कोई गंवार भी बता सकता है. फिर विज्ञान या खबरीलाल के विज्ञान से इसमें क्या फायदा ? प्रलय का रूपक यदि परिवर्तन मान लिया जाय तो खबरीलाल गलत नहीं होंगे. ऐसी प्रलय आ रही है और आएगी, लेकिन लोगों को घर छोड़ने के पहले समझना होगा. नहीं तो घर छोड़कर भागते रहे तो सामान खरीदने के लिए पैसे जुटाने पड़ सकते हैं. क्योंकि जब घर वापस पहुंचेंगे तो घर तो मिलेगा, लेकिन घर में सामान नहीं होगा. हम यह सब सोचते रहे और इधर खबरीलाल और इनकी टीम को भागते-भागते सुबह हो गई. प्रलय रात में ही आनी थी. ये बोले हमारा प्रयास सार्थक हुआ. हमें भागते देखकर प्रलय भाग गई. लेकिन हमें सावधान रहना होगा..

सुकून

मोटिवेशन

ये हैं परमानेंट दुखियारे

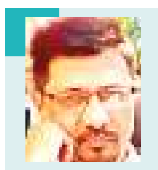
डॉ कुमार संजय
शिक्षाविद

एलेनोर रूजवेल्ट ने बहुत अच्छी बात कही है: " कोई भी आपको आपकी स्वीकृति के बिना हीन महसूस नहीं करा सकता." यही बात दु:ख, निराशा और चिंता के साथ भी लागू होती है. सुख-दुख चुनना भी हमारे व्यक्तिगत च्वायस पर निर्भर करता है. एक ही परिस्थिति में कोई संघर्ष कर उठ खड़ा होता है, तप कर सोना बन जाता है, और कोई डिप्रेशन का शिकार हो जाता है, नशे की तरफ रुख अख्तियार कर लेता है. यह कहना अतिशयोक्ति लगे, लेकिन कुछ लोग परमानेंट दुखियारे होते हैं. ये कभी दुख से बाहर नहीं निकलते, बल्कि उससे बाहर निकलना ही नहीं चाहते. आइए हम परमानेंट दुखियारों से मिलें, इस बात को ध्यान में रखते हुए कि कहीं हम तो इस ग्रुप में नहीं आते.

1. **शिकायती लोग :** कुछ की शिकायतें कभी समाप्त नहीं होतीं. घर-परिवार, रिश्तेदार, पड़ोसी, दोस्त, सहकर्मी को तो छोड़िए, इन्हें सड़क पर चलते लोगों से भी शिकायत होती है. दिन-रात शिकायत, हर बात की शिकायत, हर व्यक्ति से शिकायत. इनके लिए आप कुछ भी कर दें, शिकायतें समाप्त नहीं होतीं. जो कर दिया, उस पर नजर नहीं जाती. जो नहीं किया, उसे अंडरलाइन करके बताना अपना परम कर्तव्य मानते हैं. अब आप ही बताएं, क्या ऐसे लोग कभी खुश रह सकते हैं?

2. **बेचारे लोग :** ये लोग आत्म-दया (सेल्फ पिटी) में डूबे रहते हैं. हर जगह दुखड़ा रोते रहते हैं कि इस जालिम दुनिया ने इनके साथ कितना अन्याय किया है. परिवार, समाज, और ऑफिस वालों ने इन्हें कितना सताया है. दर्द भरी दास्तां सुनाते-सुनाते इनका गला भर आता है. सामने वाले इनकी दास्तां इतनी बार सुन चुके होते हैं कि वे गला छुड़ाने में लगे रहते हैं.

3. **हीन भावना से ग्रसित लोग :** इन्हें अपने नाटे, मोटे, लंबे, काले होने का कॉम्प्लेक्स रहता है. अपने नाक, कान, आंख से असंतुष्ट रहते हैं. इन्हें लगता है कि हर व्यक्ति इनका मजाक उड़ा रहा है. ये घंटों आईने के सामने खड़े रहते हैं, कई बार कपड़े बदलते हैं, बाल संवारते हैं, तरह-तरह के क्रीम लगाते हैं, बावजूद इसके ये कभी संतुष्ट नहीं दिखते.

4. **तारीफ के प्यासे लोग :** इनकी ख्वाहिश रहती है कि हर शख्स इनकी तारीफ करे. इनकी पाककला, साफ-सफाई, होम मैनेजमेंट, मेहनत, ज्ञान की तारीफ होनी चाहिए. एक बार की तारीफ से इनका मन नहीं भरता. मन मुताबिक तारीफ नहीं मिलने पर ये भीतर से फ्रस्ट्रेटेड रहते हैं.

5. **हाय हाय पैसा :** पैसे की प्यास इनकी कभी समाप्त नहीं होती. ये खुद पैसा नहीं कमाते, लेकिन परिवार के सदस्यों से उम्मीद लगाए रहते हैं. इनमें महिलाओं की संख्या ज्यादा होती है. दिन भर पैसों के लिए अपने पति को कोसते रहती हैं और पैसा नहीं मिलने पर सारा घर सिर पर उठा लेती हैं.

6. **शक, क्रोध, ईर्ष्या से भरे लोग :** हर खुशहाल इंसान इनके शक के रडार पर रहता है. अगर कोई खुश है तो इसका मतलब कुछ न कुछ गड़बड़ है. उसका कहीं अफेयर चल रहा है, वह गलत ढंग से पैसा उपार्जन कर रहा है. दूसरों की तरक्की देखकर इनके कलेजे पर सांप लोटने लगता है. इन्हें बुदबुदाने और अपशब्द कहने की आदत होती है. चूंकि ये श्राप देकर प्रसन्न व्यक्ति को भस्म नहीं कर सकते, अपने शब्दों के तीखे बाणों से उसे छलनी करने में कोई कसर नहीं छोड़ते.

7. **बीमार लोग :** कुछ लोगों को अपनी बीमारी से प्यार होता है. शायद इसलिए कि उन्हें लोगों की थोड़ी सहानुभूति मिल जाती है. जब भी मुंह खोलते हैं, अपनी बीमारी गिनाने लगते हैं. डॉक्टर, टेस्ट, रिपोर्ट, दवा - बस इन्हीं बातों के इर्द-गिर्द इनकी सूई घूमती है. घर-परिवार के खुशहाल माहौल को बिगाड़ने में भी इनका हाथ होता है. कुछ भी हो, इनकी दवा और जरूरत की चीजें समय पर मिलनी ही चाहिए. किसी कारणवश न मिले या देर हो जाए, तो मुंह लटकाकर कोपभवन में बैठ जाते हैं.

8. **पिछली सफलता के किस्से :** कभी ये सफल थे. उनके पास नाम था, ऊंचा पोस्ट था. काफी पैसा कमाते थे. आज उनके पास कुछ नहीं है, बस गुजरी जिंदगी की हसीन दास्तां है. हर किसी को पकड़ कर सुनाते रहते हैं लेकिन लोग एक ही दास्तां बार-बार सुनने के लिए तैयार नहीं होते. इसका इन्हें बड़ा मलाल रहता है और सभी को स्वार्थी करार देते फिरते हैं.

मूल मंत्र : अगर इनमें से किसी आदत से हम ग्रसित हैं, तो जरूरी है कि हम उसे स्वीकारें और उससे बाहर आने का प्रयत्न करें. आत्म-सुझाव (ऑटो सजेशन) के द्वारा, इन कमजोरियों से बाहर निकला जा सकता है. अगर हमारा कोई परिचित इन आदतों से ग्रसित है तो उससे थोड़ी दूरी बनाकर रहने में ही भलाई है. ऐसे लोगों को बोलकर या समझाकर नहीं सुधारा जा सकता क्योंकि अपनी नजर में ये परफेक्ट हैं, दुनिया ही स्वार्थी और जालिम है. डॉ. भीमराव अंबेडकर का कहा याद रखें – "जब तक कोई सुधरना न चाहे, उसे कोई सुधार नहीं सकता."

कॉर्पोरेट जगत में एक टर्म इन दिनों खूब चर्चित है-ड्राई प्रमोशन. रेडिट से लेकर लिंक्डइन जैसे प्लेटफॉर्म पर इन दिनों कई यूजर्स अपना दुखड़ा रो रहे हैं. यह रूखा-सूखा प्रमोशन भला क्या है? सीधे शब्दों में कहिए तो काम खूब लाद दिया जाएगा, जिम्मेदारी ढेर सारी होगी, पर तरक्की के नाम पर सैलरी जस की टस रहेगी. जाहिर है इस सूखी तरक्की की बधाई अधिक रास नहीं आती होगी.

कॉर्पोरेट वर्ल्ड में बढ़ रहा "ड्राई प्रमोशन" का चलन

जब बिना पैसा बढ़ाए कंपनी थमा दे

प्रमोशन का झुनझुना

13% नियोक्ता अपने कर्मचारियों के पैसे वृद्धि की जगह नया ऊंचा पद (ड्राई प्रमोशन) ऑफर करते हैं.

08% नियोक्ता कोविड काल (2018) में अपने कर्मचारियों को सूखी तरक्की देते थे.

एक्सपर्ट की मानें तो इस नए चलन से कर्मचारी खुद को अवमूल्यांकित यानि अंडर वैल्युड महसूस करते हैं. काम का बढ़ा दवाब उन्हें ठगा सा महसूस कराता है. यह मन:स्थिति न केवल उनकी कार्यक्षमता को प्रभावित करता है, बल्कि कई बार वे इससे अवसाद में चले जाते हैं.

योर सैलरी क्रेडिटेड इन योर अकाउंट...कहा जाता है कि इन दिनों नौकरी पेशा आदमी की जिंदगी के लिए महीने के अंत में आने वाला यह मैसेज दुनिया के सबसे खुशनुमा मैसेज में एक है. आपने इस पर हाल के दिनों में खूब मीम्स और जोक्स भी पढ़े-देखे-सुने होंगे जिसमें इस संदेश को प्यार के ढाई आखर "आई लव यू" से भी अधिक सुखद बताया गया है. इसी तरह साल के आखिर में प्रमोशन का भी नौकरीपेशा लोगों को शिद्दत से इंतजार रहता है. प्रमोशन हो गए तो बल्ले-बल्ले. ऑफिस में रुतबा बढ़ा, पद बढ़ा और महंगाई से जूझते हुए अपनी लाइफ स्टाइल बेहतर करने के लिए सैलरी भी बढ़ गई. पर प्रमोशन सूखा-सूखी हो तो...जी हां इन दिनों प्रमोशन का झुनझुना तो पकड़ा दिया जाता है मगर सैलरी ठन ठन गोपाल. कंपनियों के इस नए चलन को एक खास नाम दिया गया है-ड्राई प्रमोशन. आइए, आज ड्राई प्रमोशन के कॉन्सेप्ट को समझे, कर्मचारियों पर प्रभाव को जानें और जानें कि गर आपको भी प्रमोशन के नाम पर यह झुनझुना थमा दिया जाए तो क्या कदम उठाना चाहिए?

क्यों होता है ड्राई प्रमोशन

ड्राई प्रमोशन ज्यादातर तब होता है, जब कंपनी की आर्थिक स्थिति डांवाडोल होती है. उसे लाभ कम मिल रहा हो. ऐसी स्थिति में कंपनी को खुद को भी बचाना होता है और अपने मैन पावर को भी. यह ट्रेंड वर्ष 2018 में अमेरिका में खूब चलन में आया था. साल 2020 में कोविड के दौरान पूरी दुनिया में तरक्की का यह सूखा झुनझुना थमाया गया. ड्राई प्रमोशन के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी एआई को भी जिम्मेदार ठहराया जाता है. यह भी सच्चाई है कि कई कंपनियां अधिक मुनाफा खुद बटोरने और कर्मचारियों को कम देने के नीयत से जूनियर को सूखा-सूखी तरक्की दे देती है. पद से जूनियर शब्द हटा कर कर्मचारी को जैसे-तैसे जता देती है कि अभी तो ऊंचे पद को एंजॉय करो, बाद में तुम्हारी सैलरी पर भी विचार करते हैं. यह भी अहसास दिला देती है कि पद अच्छा दिया है, तो आगे कई फायदे होंगे. दरअसल यह कंपनी की रणनीति होती है अपने टैलेंटेड कर्मचारियों को रोकने की जो यह सोचकर रुक जाते हैं कि पद मिल गया, कुछ महीने में सैलरी में भी बढ़ ही जाएगी. कंपनियां ड्राई प्रमोशन का झुनझुना मिडिल मैनेजमेंट से लेकर टॉप मैनेजमेंट तक कहीं भी थमा सकती है.

कर्मचारियों पर प्रभाव

कर्मचारी इस नए चलन को लेकर उत्साही नहीं हैं. हालांकि कंपनियों का मानना है कि नया ऊंचा पद उन्हें मोटिवेट करेगा और उनके टैलेंट को मान्यता मिलेगी. लेकिन एक्सपर्ट की मानें तो इस नए चलन से कर्मचारी खुद को अवमूल्यांकित यानि अंडर वैल्युड महसूस करते हैं. काम का बढ़ा दवाब उन्हें ठगा सा महसूस कराता है. यह मनःस्थिति न केवल उनकी कार्यक्षमता को प्रभावित करता है, बल्कि कई बार वे इससे अवसाद में चले जाते हैं. ऐसी स्थिति में ज्यादातर कर्मचारी नई नौकरी की तलाश में रहते हैं.

क्या करें जब मिले ड्राई प्रमोशन

- कंपनी की मार्केट में अच्छी साख हो तो एक बार ड्राई प्रमोशन ली जा सकती है. लेकिन कंपनी के मालिक या प्रबंधक तक यह संदेश जरूर पहुंचे कि आप आगे ऐसा ऑफर स्वीकार नहीं करेंगे. बेहतर हो कि पहले ही खुल कर बात करें और उन्हें वेतन वृद्धि के लिए समय सीमा बता दें.
- ड्राई प्रमोशन मिलने पर मैनेजर या मैनेजमेंट से बात करें कि आपके ऊपर वर्क प्रेशर कितना होगा. अन्य लाभों के लिए बातचीत करने पर विचार करें, जैसे कि व्यावसायिक विकास के अवसर, फ्लेक्सिबल वर्क आवर, बोनस, अतिरिक्त अवकाश समय आदि.
- नई पदोन्नति का मतलब है नए कौशल सीखना. यह बाद में तब फ़ायदेमंद हो सकता है जब कोई दूसरा अवसर उपलब्ध हो. अगर नए कौशल को सीखना बेहतर जॉब के लिए जरूरी है तो इसे ट्रेंनिग पीरियड के तौर पर लें और फिर वेतन वृद्धि के आसार नहीं देखें तो कहीं और प्रयास करें.
- आप महिला हैं और आपके साथ ऐसा हो, तो दूसरी नौकरी का विकल्प तलाशना शुरू कर दें. मानें या ना मानें, लेकिन अभी भी महिला कर्मचारी को अपेक्षाकृत हल्के तौर पर लिया जाता है, चाहे वे कितनी भी काबिल क्यों न हों.
- जब आपके प्रमोशन का समय नजदीक हो, उससे पहले ही अपनी उपलब्धियों के बारे में प्रबंधक से बात कर खुद के लिए फीडबैक लें. प्रमोशन के मसले पर बात करें. इससे प्रबंधक यह समझ जाएगा कि आप ड्राई प्रमोशन लेने के लिए तैयार नहीं हैं.
- इस सच्चाई से भी अवगत हों कि अगर आप उतने ही मूल्यवान हैं जितना आपकी कंपनी कहती है, तो वे आपको उचित मुआवजा देने के लिए पैसे जुटा लेंगे.

रमता जोगी :

वैसे तो लंदन एक शहर है लेकिन यहां एक वैश्विक संस्कृति देखी जा सकती है क्योंकि इसके अंदर पूरी दुनिया के अलग-अलग देशों के लोग बसते हैं. इस शहर के कई हिस्से ऐसे हैं जहां किसी एक देश के निवासियों की बहुलता है. इसके कारण वहां का माहौल भी उसी देश के जैसा लगता है.

लंदन : यहां भी बसता है एक हिंदुस्तान

नूपुर अशोक

हमें ईस्ट हैम जाने का मौका मिला. मीलों तक हिन्दुस्तानी दुकानें, कहीं कुर्ते पाजामे बिक रहे हैं तो कहीं सलवार कमीज़ और साड़ियां, कहीं शेरवानी और लहंगे, कहीं जेवर तो कहीं बर्तन. दुकानों की साज-सज्जा भी बिल्कुल हिन्दुस्तानी-बर्तन की दुकानों के बाहर प्लास्टिक की बाल्टियों का ढेर, प्लास्टिक की गेंदों का गुच्छा, फूल झाड़ू और पोंछे, चटाइयां और हर वह चीज़ जो सामान्यतः हिंदुस्तान के किसी आम शहर के किसी भी बाज़ार में दिखाई देती है. सड़कों भी लोगबाग भी हिन्दुस्तानी वेषभूषा में घूमते हुए दिखाई देते हैं. चाय की दुकान, पान दुकान, मिठाइयां, राशन सब कुछ हिन्दुस्तानी ढर्रे पर. कुछ देर के लिए आप यह भूल ही जाते हैं कि आप लंदन में हैं, हिंदुस्तान में नहीं. यहां हम एक रेस्टोरेन्ट में गए. घुसते ही लगा कि भारत आ गए. वही गहमा-गहमी, ऊंची आवाज़ में बातचीत, खाने की खुशबू, भीड़-भाड़. सचमुच हिंदुस्तानियों ने यहां अपना एक देश बसा रखा है.

इसी तरह व्हाइट चैपल नाम का एक इलाका

बांग्लादेशी निवासियों से भरा हुआ है. कई दुकानों के साइनबोर्ड भी बांग्ला में लिखे हुए दिखे. दुकानें भी बंगाली मिठाइयों की, मछली इत्यादि की. यहां तक कि वहां के अंडरग्राउंड स्टेशन यानी मेट्रो का नाम भी अंग्रेज़ी के अलावा बांग्ला लिपि में लिखा हुआ था.

यही नज़ारा हमें साउथ हॉल नामक इलाके में दिखा जहां पंजाबी भाषा-भाषी अधिक संख्या में हैं वहां के स्टेशन के साइनबोर्ड अंग्रेजी के साथ-साथ गुरमुखी में लिखे हुए थे. काफी बड़ा एक गुरुद्वारा भी दिखा. लंदन में दो मंदिरों को भी देखने का मौका मिला. एक नीसडेन में अक्षरधाम की तर्ज़ पर उसी

संस्था के द्वारा बनाया गया विशाल भव्य मंदिर और एक इस्कॉन का कई एकड़ के परिसर के

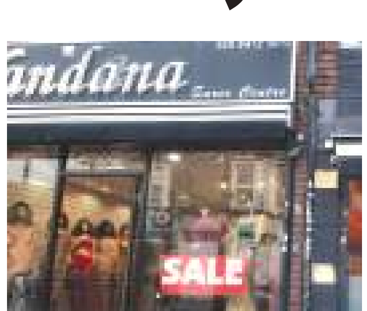

बीच बना हुआ राधा कृष्ण का मंदिर. कहते हैं प्रसिद्ध म्यूज़िक बैंड बीटल्स का एक सदस्य इस्कॉन से प्रभावित होकर न सिर्फ उसका भक्त बन गया था बल्कि उसने अपनी यह विशाल संपत्ति इस संस्था को दान कर दी थी.

इस्कॉन का एक मंदिर लंदन के सोहो इलाके में भी हमने देखा. दरअसल हम उसके रेस्टोरेन्ट गोविंदा की तलाश में वहां पहुंचे थे. पहुंच कर सोचा कि पहले मंदिर में दर्शन कर लेते हैं फिर खाने बैठेंगे. मंदिर में प्रवेश किया तो वहां कुछ प्रवचन चल रहा था. हम वहां बैठ गए. वक्ता युगोस्लाविया के मूल निवासी थे लेकिन गीता के बारे में बता रहे थे और भारतीय संस्कृति की प्रशंसा कर रहे थे. उन्होंने कहा कि भारतीय लोग सम्बन्धों को बहुत महत्व देते हैं और

विवेकानंद का उदाहरण देते हुए कहा कि उन्होंने शिकागो में अपनी वक्तृता का प्रारम्भ लेडीज एंड जेंटलमेन की जगह ब्रदर्स एंड सिस्टर्स से किया जिसने श्रोताओं का दिल जीत लिया. विदेश की धरती पर एक विदेशी के मुख से ये बातें सुनना परमसुखदायी था. इसी बीच वहां भोजन की व्यवस्था शुरू हो गई और उन्होंने सभी उपस्थित जनों को भोजन करके जाने का अनुरोध किया. सादा चावल, पुलाव, खिचड़ी और मीठा चावल, दाल और कई तरह की सब्जियां, सलाद, पापड़, चटनी–खाना प्रचुर और स्वादिष्ट तो था ही, उन सभी के आचरण और व्यवहार से दिल भी भर आया. हम थे तो लंदन में लेकिन भारतीय प्रेम से ओतप्रोत हो चुके थे.

रहना नहिं देस बेगाना

वन वर्ल्ड ट्रेड सेंटर – जिजीविषा का गौरवशाली जागरण

डॉ मयंक मुरारी

राष्ट्रकवि मैथिली शरण गुप्त की कविता है- निज गौरव का नित्य ज्ञान रहे. हम भी कुछ हैं, यह ध्यान रहे. अदम्य इच्छाशक्ति के रूप में इस गौरव गान को अमेरिका के लोगों ने बार-बार प्रदर्शित किया है. चाहे नार्थ कैरिलोना में लार्ड कार्नवालिस को हराकर अमेरिका की स्वतंत्रता की घोषणा हो या गुलामी के खिलाफ गृह युद्ध के बावजूद समानता और स्वतंत्रता के लिए वचनबद्धता का सवाल हो. ऐसी एक जगह है - वर्ल्ड ट्रेड सेंटर. मृत्यु पर जीवन, घृणा पर प्रेम और हिंसा पर अहिंसा का जीवंत स्मृति है. अगर आप पर्यटक है तो कुछ नहीं मिलेगा. आपमें करूणा है, प्रेम आपकी भाषा है तो यहां विशाल उद्यान में सब प्रेमी नजर आयेंगे. हिंसा को चिढ़ाते हुए.

वर्ल्ड ट्रेड सेंटर, अमेरिका में न्यू यॉर्क के मैनहैटन में बने दो टावर रूपी इमारतों का जोड़ा था, जिसे आतंकवादी संगठन अल कायदा से जुड़े आतंकवादियों ने 11 सितंबर, 2001 को नष्ट कर दिया था. 13 सालों के बाद उसी जगह पर वर्ल्ड ट्रेड सेंटर की नई इमारत काम करने के लिए खोल दी गई है. 104 मंजिल की ये इमारत न्यूयॉर्क या मैनहट्टन ही नहीं बल्कि अमेरिका की सबसे ऊंची इमारतों

में शुमार हो गई है. इस नई इमारत को नाम दिया गया है - वन वर्ल्ड ट्रेड सेंटर.

यहां एक जीवंत कथा है- प्रेम की, संकल्प की और इच्छा शक्ति की. इसने जीवन दिया और देते रहेगा. 11 सितंबर 2001 को वर्ल्ड ट्रेड सेंटर पर हुए आतंकी हमलों के बाद एक नाशपाती का पेड़ बच गया था जिसे अब सवाईवर ट्री के रूप में जाना जाता है. हमले के बाद इसकी जड़ें टूटी हुई थीं और जली हुई और टूटी हुई शाखाएं थीं. पेड़ को मलबे से हटा दिया गया और न्यूयॉर्क शहर के पार्क और मनोरंजन विभाग की देखभाल में रखा गया. इसकी पुनर्प्राप्ति और पुनर्वास के बाद, पेड़ को 2010 में मेमोरियल में वापस कर दिया गया था. यह अमेरिका के अदम्य साहस और शक्ति का प्रतीक बना हुआ है.

वर्ल्ड ट्रेड सेंटर का पूरा परिसर एक स्मारक, उद्यान और संग्रहालय समूची मानवीय सभ्यता के लिए एक अनुपम उदाहरण है. हिरोशिमा की तरह यह भी बर्बर और अमानवीयता के खिलाफ विजयी स्वर का प्रतीक है. यहां पर स्थित स्मारक पर शहीद लोगों के नाम और असीम गहराई में पानी की अनवरत बहाव से एक संदेश मिलता है कि जीवन चलता है और चलते ही रहना चाहिए.

संयोजन : चेतना झा, डिजाइनिंग - खुशबू कुमारी

कनाडा को हराकर तीसरे स्थान पर रहा उरुग्वे

एजेंसी। चार्लोट (अमेरिका)

कोपा कप 2024

स्टार स्ट्राइकर लुइस सुआरेज के दूसरे हाफ के इंजरी टाइम में किए गए गोल की मदद से बराबरी करने वाले उरुग्वे ने कनाडा को पेनल्टी शूटआउट में 4-3 से हराकर कोपा अमेरिका फुटबॉल टूर्नामेंट में तीसरा स्थान हासिल किया. उरुग्वे निर्धारित समय से कुछ मिनट पहले तक एक गोल से पीछे था लेकिन सुआरेज के गोल की मदद से वह 2-2 से बराबरी करने में सफल रहा. पेनल्टी शूट आउट में उरुग्वे की तरफ से फेडेरिको वाल्वरडे, रोड्रिगो बेंटानकुर, जियोर्जियन डी अर्रास्काएटा और सुआरेज ने जबकि कनाडा की तरफ से जोनाथन डेविड, मोइज बॉम्बिटो और मैथ्यू चोइनियर ने गोल किए. इससे पहले बेंटानकुर ने आठवें मिनट में उरुग्वे को बढ़त दिला दी थी, लेकिन कनाडा ने 22वें मिनट में इस्माइल कोने और 80वें मिनट में डेविड के गोल से 2-1 की बढ़त हासिल कर ली.

जाने-माने ऑलराउंडर क्रिकेटर ने खुद को 12वें खिलाड़ी के तौर पर चुना है

युवराज ने चुनी ऑलटाइम प्लेइंग11, धौनी टीम में नहीं

एजेंसी। मुंबई

जाने-माने ऑलराउंडर क्रिकेटर रह चुके युवराज सिंह दुनिया के बेस्ट 11 क्रिकेट टीम बनायी है. वर्ल्ड क्रिकेट के एक से बढ़कर एक धुरंधर खिलाड़ियों को चुनकर उन्होंने अपनी ऑल टाइम बेस्ट प्लेइंग 11 बनायी है. युवराज ने प्लेइंग 11 में अपने जमाने और मौजूदा समय के महान खिलाड़ियों को चुना है.

अपनी ऑल टाइम ग्रेट क्रिकेटरों की प्लेइंग इलेवन में युवराज सिंह ने महेंद्र सिंह धौनी को जगह नहीं देकर सभी को चौंका दिया है. एक निजी इंटरव्यू में युवराज सिंह ने अपनी ऑल टाइम बेस्ट प्लेइंग 11 का ऐलान किया है. युवराज सिंह का ये वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है. युवराज सिंह ने सचिन तेंदुलकर को बतौर ओपनिंग बल्लेबाज प्लेइंग इलेवन में जगह दी है. युवराज सिंह ने सचिन तेंदुलकर के ओपनिंग जोड़ीदार के रूप में ऑस्ट्रेलिया के पूर्व दिग्गज कप्तान रिकी पोंटिंग को चुना है. जबकि रोहित शर्मा को नंबर तीन और विराट कोहली को नंबर चार पर बल्लेबाजी के लिए चुना है.

युवराज सिंह की ऑलटाइम बेस्ट प्लेइंग 11 टीम

सचिन तेंदुलकर, रिकी पोंटिंग, रोहित शर्मा, विराट कोहली, एबी डिविलियर्स, एडम गिलक्रिस्ट (विकेटकीपर), एंड्रयू फ्लिंटॉफ, शेन वॉर्न, मुथैया मुरलीधरन, ग्लेन मैक्ग्रा, वसीम अकरम, युवराज सिंह (12वें खिलाड़ी).

एबी डिविलियर्स को भी दिया मौका

युवराज सिंह ने नंबर 5 पर बल्लेबाजी के लिए साउथ अफ्रीका के पूर्व कप्तान एबी डिविलियर्स को चुना है. युवराज सिंह ने अपनी प्लेइंग इलेवन में नंबर 6 और विकेटकीपर की भूमिका के लिए एडम गिलक्रिस्ट का चयन किया है. युवराज सिंह ने नंबर 7 और ऑलराउंडर के रोल के लिए इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर एंड्रयू फ्लिंटॉफ को चुना है. अपने समय में युवराज सिंह और एंड्रयू फ्लिंटॉफ के बीच 36 का आंकड़ा हुआ करता था. युवराज ने अपनी प्लेइंग इलेवन में महान स्पिनर मुथैया मुरलीधरन और शेन वॉर्न को स्पिन गेंदबाज के तौर पर जगह दी है. युवराज सिंह ने वसीम अकरम और ग्लेन मैक्ग्रा को बतौर तेज गेंदबाज चुना है. जबकि खुद को 12वें खिलाड़ी के तौर पर चुना है.

ब्रीफ खबरें

झांसी में होगा उत्तर क्षेत्र चैंपियनशिप

नयी दिल्ली। हॉकी इंडिया की सब जूनियर पुरुष और महिला उत्तर क्षेत्र चैंपियनशिप सोमवार से झांसी में आयोजित की जाएगी, जिसका फाइनल 22 जुलाई को खेला जाएगा. पुरुष वर्ग में पूल ए में हॉकी हरियाणा, हॉकी चंडीगढ़ और हॉकी उत्तराखंड जबकि पूल बी में उत्तर प्रदेश हॉकी, हॉकी पंजाब, दिल्ली हॉकी और हॉकी जम्मू व कश्मीर शामिल हैं. महिला वर्ग में हॉकी हरियाणा, हॉकी उत्तर प्रदेश, हॉकी पंजाब, हॉकी हिमाचल, हॉकी चंडीगढ़ और हॉकी उत्तराखंड की टीम शामिल हैं.

कौलिग चैंपियनशिप में नीचे खिसके अटवाल

अक्रोन (ओहियो)। भारतीय खिलाड़ी अर्जुन अटवाल ने 50 वर्ष से अधिक उम्र के खिलाड़ियों के बीच खेली जा रही कौलिग गोल्फ चैंपियनशिप के तीसरे दौर में निराशाजनक प्रदर्शन किया जिससे वह नीचे खिसक गए. अटवाल ने पहले दो दौर में 74 और 71 का स्कोर बनाया था. तीसरे दौर में भी उन्होंने 73 का कार्ड खेला जिससे उनका कुल स्कोर 8 ओवर हो गया है तथा वह संयुक्त 59वें स्थान पर खिसक गए हैं. दूसरे दौर के बाद वह संयुक्त 47वें स्थान पर थे.

रंधावा सीनियर स्विस ओपन में छठे स्थान पर

जिनेवा (स्विट्जरलैंड)। भारत के ज्योति रंधावा 50 साल से अधिक उम्र के गोल्फरों के लिए यूरोप के लीजेंड्स टूर के अंतर्गत आयोजित किए जा रहे सीनियर स्विस ओपन के दूसरे दौर में 69 का कार्ड खेल कर संयुक्त छठे स्थान पर पहुंच गए हैं. इस 52 वर्षीय खिलाड़ी ने पहले दौर में 66 का कार्ड खेला था और दो दौर के बाद उनका कुल स्कोर 5 अंडर है. पहली बार लीजेंड्स टूर में खेल रहे रंधावा ने दूसरे दौर में दो बर्डी बनाई लेकिन इसके साथ एक बोगी भी की. जीव मिल्खा सिंह ने पहले दौर में 68 का कार्ड खेला था.

4-1 से सीरीज पर टीम इंडिया ने जमाया कब्जा

सीरीज के आखिरी टी-20मैच में जिम्बाब्वे को 42 रन से हराया

एजेंसी। हरारे

संजू सैमसन ने स्टेडियम पार उड़ाया 110 मीटर लंबा सिक्स

स्कोर बोर्ड

भारत–167/6

जिंबाब्वे–125/10

संजू सैमसन की दमदार फिफ्टी के बाद गेंदबाजों के कमाल से भारत ने पांच टी20 मैचों की सीरीज में जिम्बाब्वे को 42 रन से धो डाला. इस जीत के साथ ही टीम इंडिया ने सीरीज में 4-1 से अपने नाम किया. मैच में टीम इंडिया को टॉस हारने के बाद बल्लेबाजी का न्योता मिला था. टीम इंडिया की शुरुआत कुछ खास नहीं रही थी, लेकिन संजू सैमसन की बेहतरीन खेल से टीम इंडिया निर्धारित 20 ओवर के खेल में 167 रन तक पहुंचने में सफल रही थी. इसके बाद टीम इंडिया के गेंदबाजों ने जिम्बाब्वे को सिर्फ 125 रन के स्कोर पर रोक दिया. भारतीय टीम के लिए बल्लेबाजी में संजू सैमसन ने सबसे ज्यादा 45 गेंद में 58 रनों की पारी खेली. अपनी इस पारी में संजू ने 4 छक्के और 1 चौका भी लगाया. संजू के अलावा भारतीय बल्लेबाजी में टीम इंडिया के लिए शिवम दुबे ने ताबड़तोड़ 12 गेंद में 26 रन कूट दिए. वहीं रियान पराग ने 24 गेंद में 22 रनों का योगदान दिया जबकि अभिषेक शर्मा ने 14 रन, शुभमन गिल ने 13 रन और यशस्वी जायसवाल 12 रनों का योगदान दिया. इसके अलावा रिंकू सिंह 11 रन बनाकर नाबाद रहे.जिम्बाब्वे खिलाफ इस मुकाबले में 168 रनों के लक्ष्य का बचाव करने उतरी टीम इंडिया की तरफ से सबसे ज्यादा मुकेश कुमार ने 4 विकेट अपने नाम किए. इसके अलावा शिवम दुबे को भी 2 विकेट मिला. वहीं इसके अलावा वॉशिंगटन सुंदर, तुषार देशपांडे और अभिषेक शर्मा के खाते में एक-एक विकेट आया.

जिम्बाब्वे के खिलाफ पांच टी20 मैचों की सीरीज के आखिरी मुकाबले में टीम इंडिया के विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन ने दमदार अर्धशतकीय पारी खेली. संजू सैमसन ने 45 गेंद में 58 बनाए. अपनी इस पारी में उन्होंने चार सिक्स और एक फोर लगाया. इस दौरान उनका एक सिक्स तो ऐसा था कि वह स्टेडियम के पार जाकर गिरा. संजू सैमसन का यह सिक्स 110 मीटर लंबा था. पारी के 12वें ओवर की चौथी गेंद पर संजू का वह शॉट स्टेडियम की छत पर जाकर गिरी, जिसके कारण अंपायर को मजबूरी में नई बॉल लेने पड़ गई.

यशस्वी जायसवाल ने रचा इतिहास

हरारे : जिम्बाब्वे और भारत के बीच 5 मैच की टी20 सीरीज चल रही है. सीरीज का अंतिम और पांचवां मुकाबला आज यानी 14 जुलाई को हरारे स्पोर्ट्स क्लब में खेला जा रहा है. इस मैच में भारतीय ओपनर यशस्वी जायसवाल ने इतिहास रच दिया. वह टी20 इंटरनेशनल के इतिहास में पहली गेंद पर 13 रन बनाने वाले पहले खिलाड़ी बन गए हैं.

अंशुमान गायकवाड़ की मदद के लिए आगे आया बीसीसीआई

एक करोड़ का फंड जारी किया

एजेंसी। मुंबई

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने कैंसर का इलाज करा रहे पूर्व क्रिकेटर और कोच अंशुमन गायकवाड़ के उपचार के लिए एक करोड़ रुपये जारी करने का फैसला किया है. बीसीसीआई का यह फैसला पूर्व कप्तान कपिल देव और संदीप पाटिल की भावनात्मक अपील के बाद आया है, जिन्होंने क्रिकेट बोर्ड से गायकवाड़ की मदद करने का आग्रह किया था. बीसीसीआई की शीर्ष परिषद ने यहां जारी बयान में कहा, (सचिव) जय शाह ने भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) को कैंसर से जूझ रहे पूर्व क्रिकेटर अंशुमन गायकवाड़ को वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए तत्काल एक करोड़ रुपये जारी करने का निर्देश दिया है.

अंशुमान गायकवाड़ के लिए बीसीसीआई का बड़ा फैसला : अंशुमान गायकवाड़ लंदन में इलाज करा रहे थे, लेकिन अब वे बड़ौदा लौट आए हैं, जहां उनका इलाज चल रहा है. न्यूज एजेंसी एएनआई के मुताबिक, बीसीसीआई की एपेक्स काउंसिल ने बताया है कि बीसीसीआई सचिव जय शाह ने बीसीसीआई को कैंसर से जूझ रहे भारत के दिग्गज क्रिकेटर अंशुमान गायकवाड़ को वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए तत्काल प्रभाव से 1 करोड़ रुपये जारी करने का निर्देश दिया. इसके अलावा जय शाह ने गायकवाड़ के परिवार से भी बात की और स्थिति का जायजा लिया और सहायता प्रदान की.

टीम इंडिया के लिए ऐसा रहा गायकवाड़ का कॅरियर

अंशुमान गायकवाड़ ने 1975 से 1987 तक टीम इंडिया के लिए खेला था. उन्होंने वेस्टइंडीज के खिलाफ 1974 में टेस्ट डेब्यू किया था. इस दौरान गायकवाड़ ने भारत के लिए 40 टेस्ट और 15 वनडे मैच खेले. टेस्ट में उन्होंने 1985 रन बनाए और 2 विकेट लिए थे. वहीं, वनडे में उन्होंने कुल 269 रन बनाए थे. इसके अलावा 1997 से 1999 और फिर 2000 में अंशुमान गायकवाड़ टीम इंडिया के कोच भी रहे.

कपिल देव की अपील का हुआ असर

गायकवाड़ की मदद के लिए हाल ही में 1983 वर्ल्ड कप विजेता कप्तान कपिल देव आगे आए थे और उन्होंने बीसीसीआई से गायकवाड़ की मदद करने की अपील की थी. ये भी खबर सामने आई थी कि सुनील गावस्कर, रवि शास्त्री, दिलीप वेंगसरकर, मोहिंदर अमरनाथ, संदीप पाटिल, मदन लाल और कीर्ति आजाद जैसे कई पूर्व भारतीय क्रिकेटर गायकवाड़ की मदद के लिए पैसे जुटा रहे हैं, जिसके बाद बीसीसीआई ने संज्ञान लेते हुए ये फैसला लिया है.

हम बिना किसी नुकसान के लक्ष्य हासिल करना चाहते थे: जायसवाल

भाषा। हरारे

सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने खुलासा किया कि जिंबाब्वे के खिलाफ चौथे टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में वह और कप्तान शुभमन गिल बिना किसी नुकसान के लक्ष्य हासिल करना चाहते थे, जिसमें वह सफल भी रहे. जिंबाब्वे ने भारत के सामने 153 रन का लक्ष्य रखा था. जायसवाल और गिल ने नाबाद अर्धशतक जमाए, जिससे भारत ने 15.2 ओवर में लक्ष्य हासिल करके 10 विकेट से जीत दर्ज की. जायसवाल ने भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) द्वारा साझा किए गए वीडियो में कहा, हम केवल मैच का सकारात्मक अंत करने के बारे में सोच रहे थे और यह सुनिश्चित करना चाहते थे कि टीम जीते और हम बिना किसी नुकसान के लक्ष्य हासिल करें. इस मैच में जीत से भारत ने पांच मैच की श्रृंखला में 3-1 से अजेय बढ़त हासिल की. जायसवाल ने शुरू से आक्रामक रवैया अपनाया और नाबाद 93 रन बनाए, जिसमें 12 चौके और दो छक्के शामिल हैं.

हेनरी पैटन और हेलियोवारा ने पुरुष युगल का खिताब जीता

एजेंसी। लंदन

विंबलडन 2024

हेनरी पैटन और हैरी हेलियोवारा की गैर वरीयता प्राप्त जोड़ी ने दूसरे सेट में तीन मैच प्वाइंट बचाकर विंबलडन टेनिस टूर्नामेंट में पुरुष युगल का खिताब जीता. पैटन और हेलियोवारा ने बेहद संघर्षपूर्ण फाइनल में ऑस्ट्रेलियाई जोड़ी मैक्स पर्सेल और जॉर्डन थॉम्पसन को 6-7 (7), 7-6 (8), 7-6 (11-9) से हराकर अपना पहला ग्रैंडस्लैम खिताब जीता. हेलियोवारा फिनलैंड के पहले ऐसे खिलाड़ी बन गए हैं, जिन्होंने विंबलडन में पुरुष युगल का खिताब जीता. मैच जीतने के बाद वह अपने आंसू नहीं रोक पाए. पैटन पेशेवर युग में ऑल इंग्लैंड क्लब में पुरुष युगल जीतने वाले तीसरे ब्रिटिश खिलाड़ी बन गए हैं. उनसे पहले 2012 में जोनाथन मैरे और पिछले साल नील स्कूप्स्की ने यह खिताब जीता था.

सिनियाकोवा और टाउनसेंड को महिला युगल खिताब

एजेंसी। लंदन

कैटरीना सिनियाकोवा और टेलर टाउनसेंड ने सीधे सेटों में जीत दर्ज करके विंबलडन टेनिस टूर्नामेंट में महिला युगल का खिताब जीता. सिनियाकोवा और टाउनसेंड ने फाइनल में गैब्रिएला डाब्रोवस्की और एरिन रूटलिफ को 7-6 (5), 7-6 (1) से हराया. सिनियाकोवा का विंबलडन में यह तीसरा महिला युगल खिताब है. उन्होंने लंबे समय तक अपनी युगल जोड़ीदार रही बारबोरा क्रेजिकोवा के विंबलडन एकल खिताब जीतने के कुछ देर बाद अपने नाम पर एक और ट्रॉफी जोड़ी. चेक गणराज्य की सिनियाकोवा ने हमवतन क्रेजिकोवा के साथ मिलकर सात ग्रैंडस्लैम महिला युगल खिताब जीते हैं. उन्होंने इस साल फ्रेंच ओपन में कोको गॉफ के साथ जोड़ी बनाकर खिताब जीता था. टाउनसेंड के साथ यह उनका पहला खिताब है. टाउनसेंड का यह पहला ग्रैंडस्लैम खिताब है.

पेरिस ओलंपिक : भारत को हॉकी टीम से पदक की उम्मीद

एजेंसी। पेरिस

पेरिस ओलंपिक 2024 अब बेहद करीब है. खेल के इस महाकुंभ में अब 12 दिन से भी कम समय बचा है. ऐसे में सभी खेलों के एथलीट अपना दमखम दिखाने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं. भारत ने पेरिस ओलंपिक के लिए 113 खिलाड़ियों का बड़ा दल भेजा है. इनमें से कुछ खिलाड़ियों ने रैंकिंग के आधार पर क्वालिफाई किया, जबकि कुछ को कोटा मिला. हॉकी टीम से भी भारत को पदक मिलने की उम्मीद है. भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने एशियाई चैंपियन के तौर पर ओलंपिक के लिए क्वालीफाई किया है. टीम को ग्रुप बी में रखा गया है, जिसमें उनका मुकाबला बेल्जियम, आयरलैंड, ऑस्ट्रेलिया, अर्जेंटीना और न्यूजीलैंड से होगा. कब-कब होंगे भारतीय हॉकी टीम के मुकाबले?

भारत का अभियान 27 जुलाई से शुरू होगा. भारत का हॉकी शेड्यूल जारी कर दिया गया है. टीम अपने ग्रुप में पांच अन्य टीमों के खिलाफ खेलेगी. टॉप आठ टीमें क्वार्टर फाइनल में पहुंचेंगी. क्वार्टर फाइनल 4 अगस्त से शुरू होंगे. सेमीफाइनल 6 अगस्त को और मेडल मैच 8 अगस्त को खेले जाएंगे. सभी मैच यवेस-डु-मनोयर स्टेडियम में होंगे.

पेरिस 2024 ओलंपिक के लिए भारतीय पुरुष हॉकी टीम

26 जून 2024 को पेरिस ओलंपिक के लिए हरमनप्रीत सिंह की अगुआई वाली भारतीय हॉकी टीम की घोषणा की गई थी. इसमें 16 नियमित खिलाड़ी और 3 वैकल्पिक खिलाड़ी शामिल हैं.

हॉकी टीम : गोलकीपर – श्रीजेश परट्टू रावेन्द्रन, **डिफेंडर** – जर्मनप्रीत सिंह, अमित रोहिदास, हरमनप्रीत सिंह, सुमित, संजय. **मिडफील्डर** – राजकुमार पाल, शमशेर सिंह, मनप्रीत सिंह, हार्दिक सिंह, विवेक सागर प्रसाद. **फॉरवर्ड**– अभिषेक, सुखजीत सिंह, ललित कुमार उपाध्याय, मनदीप सिंह, गुरजंत सिंह. **वैकल्पिक खिलाड़ी** – नीलकंठ शर्मा, जुगराज सिंह, कृष्ण बहादुर पाठक

भारतीय हॉकी टीम का ओलंपिक में रहा है गोल्डन हिस्ट्री : हरमनप्रीत सिंह की अगुआई वाली भारतीय हॉकी टीम देश के लिए पदक जीतने की उम्मीद के साथ मैदान में उतरेगी. हॉकी इंडिया ओलंपिक में सबसे सफल खेल बनकर उभरा है. हॉकी इंडिया ने ओलंपिक में अब तक कुल 12 पदक जीते हैं. इनमें आठ स्वर्ण, एक रजत और 3 कांस्य पदक शामिल हैं. हॉकी इंडिया ने आखिरी बार टोक्यो ओलंपिक 2020 में कांस्य पदक जीता था. लेकिन इस बार टीम का लक्ष्य इससे बेहतर प्रदर्शन करना होगा.

शेड्यूल

तारीख : 27 जुलाई
- **मैच** : भारत बनाम न्यूजीलैंड
- **स्थान** : यवेस-डु-मनोयर स्टेडियम
- **समय** : रात 9:00 बजे

तारीख : 29 जुलाई
- **मैच** : भारत बनाम अर्जेंटीना
- **स्थान** : यवेस-डु-मनोयर स्टेडियम
- **समय** : शाम 04:15 बजे

तारीख: 30 जुलाई
- **मैच** : आयरलैंड बनाम भारत
- **स्थान** : यवेस-डु-मनोयर स्टेडियम
- **समय** : शाम 04:45 बजे

तारीख : 1 अगस्त
- **मैच** : भारत बनाम बेल्जियम
- **स्थान** : यवेस-डु-मनोयर स्टेडियम
- **समय** : दोपहर 01:30 बजे

तारीख: 2 अगस्त
- **मैच** : ऑस्ट्रेलिया बनाम भारत
- **स्थान** : यवेस-डु-मनोयर स्टेडियम
- **समय** : शाम 04:45 बजे

'पेरिस में भारत' मैराथन शुरू

एजेंसी । नयी दिल्ली

भारत के ओलंपिक अभियान और अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आइओसी) से ईस्पोर्ट्स को मान्यता मिलने का जश्न मनाने के लिए रविवार को यहां 'पेरिस में भारत' मैराथन को हरी झंडी दिखाई गई. केंद्रीय कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह और सांसद मनोज तिवारी ने मैराथन को हरी झंडी दिखाई. भारत के कुल 118 खिलाड़ी 26 जुलाई से शुरू होने वाले पेरिस ओलंपिक में भाग लेंगे. इनमें भाला फेंक के स्टार खिलाड़ी नीरज चोपड़ा भी शामिल हैं. आइओसी ने हाल में ईस्पोर्ट्स को मान्यता प्रदान की थी.

आईओसी और सऊदी अरब सरकार के बीच अगले साल सऊदी अरब में ईस्पोर्ट्स ओलंपिक के आयोजन को लेकर करार भी हुआ है. यहां जारी एक विज्ञप्ति में कहा गया, पेरिस में भारत कार्यक्रम पारंपरिक खेलों के बीच ईस्पोर्ट्स को मान्यता प्रदान करता है. इस दौड़ का उद्देश्य पारंपरिक खेलों को तेजी से बढ़ते भारतीय ईस्पोर्ट्स के साथ जोड़ना है. इस अवसर पर गिरिराज ने कहा, डिजिटल इंडिया के बढ़ते अवसर ईस्पोर्ट्स जैसे नए खेलों का लाभ उठाने की बहुत संभावनाएं प्रदान करते हैं.

मैराथन का शुभारंभ करते केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह. साथ हैं मनोज तिवारी.

मैराथन में भाग लेते प्रतिभागी.

ब्रीफ खबरें

ट्रेन से कटकर अधेड़ की दर्दनाक मौत

गोपालगंज। गोपालगंज जिले के बरौली थाना क्षेत्र के रतन सराय रेलवे स्टेशन समीप पूर्वी गुमटी पर ट्रेन से कटकर एक अधेड़ की मौत हो गई. अधेड़ की पहचान नहीं हो सकी है. घटना की सूचना मिलने के बाद बरौली थाना की पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए गोपालगंज सदर अस्पताल भेज दिया है और उसकी शिनाख्त में जुट गई है. घटना की सूचना मिलते ही बरौली थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए गोपालगंज सदर अस्पताल भेज दिया.

स्कार्पियो और डंपर में भिड़ंत, पांच की मौत

किशनगंज। बिहार में रफ्तार के कहर ने एक बार फिर से कई लोगों की जान ले ली है. किशनगंज के पौआखाली के पास रविवार को भीषण सड़क हादसा हुआ है. इस हादसे में 5 लोगों की मौत की बातें कही जा रही है जबकि कई लोग जख्मी बताए जा रहे हैं. यह दुर्घटना पेटभरी के पास एनएच 327ई पर स्कोर्पियो और डम्पर में भिड़ंत से हुआ है. शुरुआती जानकारी के अनुसार हादसे में जान गंवाने वाले लोग जोकीहाट थाना के थपकोल के रहने वाले थे. घटना के बाद आसपास के लोग जमा हो गए और विरोध करने लगे. थोड़ी देर के लिए सड़क भी जाम हो गया.

कार ने खेत घूमने आये किसान को रौंदा

बांका। बांका के धोरैया में तेज रफ्तार कार ने सड़क किनारे खड़े एक दिव्यांग किसान की धक्का मार दिया और तेज रफ्तार से भागने लगा. वहीं टक्कर मारकर कार को भागते देख बीच बचाव करने कार के सामने आए एक छात्र को भी कार कुचलते हुए तेज रफ्तार से फरार हो गया. इस भीषण हादसे में दोनों युवक की मौत हो गई. वहीं दुर्घटना के बाद पूरे इलाके में कोहराम मच गया, जिसे देखकर आक्रोशित हुए मृतक के परिजनों ने घटनास्थल के पास बांस-बल्ला लगाकर और दोनों शव को बीच सड़क पर रखकर घोघा पंजवारा स्टेट हाईवे को जाम कर दिया.

रेलवे की ओर से की जा रही विशेष पहल

सूबे के कई शहरों में खुलेगा रेल रेस्तरां

संवाददाता। पटना

भारतीय रेलवे ने अनोखी पहल शुरू की है. रेलवे ने अब ट्रेन के पुराने कोच को रेस्तरां में बदलने का निर्णय लिया है. इस रेस्तरां में आप जिस भी क्षेत्र में रहेंगे उस क्षेत्र के लजीज व्यंजनों का लुत्फ उठा सकेंगे. माना जा रहा है कि रेलवे की ओर से यह एक अच्छी पहल है, जिससे स्थानीय खान पान को व्यापक प्रचार मिलेगा. दरअसल, अब ट्रेन के पुराने कोच में बने रेस्तरां में लोग खाना खा सकेंगे. इन रेस्तरां के इंटीरियर को देख कर आपको लगेगा कि सबसे लग्जरी ट्रेन में बैठे हैं और लजीज व्यंजनों का लुत्फ ले रहे हैं.

यह रेस्तरां बाहर से रेल कोच जैसा दिखेगा, लेकिन अंदर से इसका लुक बिल्कुल रॉयल होगा. इसमें लोकल व्यंजनों के साथ-साथ संबंधित इलाके की खास मिठाइयां भी मिलेगी. दानापुर रेलमंडल ने दानापुर, राजेंद्रनगर, पाटलिपुत्र, आरा और बक्सर स्टेशन पर कोच रेस्तरां खोलने के लिए जगह का सर्वे शुरू कर दिया गया है. आरा और दानापुर स्टेशन पर सर्वे का काम पूरा हो गया है. अन्य स्टेशनों पर भी अगस्त में सर्वे पूरा हो जाएगा.

रेल रेस्तरां के लिए अक्टूबर में टेंडर प्रक्रिया शुरू होगी : इसके बाद अक्टूबर में टेंडर प्रक्रिया शुरू होगी. सबसे पहले झाझा स्टेशन पर रेल कोच रेस्तरां चालू किया गया है. इसी की तर्ज पर इन पांच स्टेशनों पर खोला जाएगा. रेलवे द्वारा बिहार के करीब 10 स्टेशन परिसर में रेल कोच रेस्तरां खोलने की तैयारी है. इस खास ट्रेन रेस्टूरेंट में 100 तरह के लोकल व्यंजनों को प्राथमिकता दी जाएगी. मेन्यू में स्थानीय भोजन और मिठाइयों को शामिल किया जाएगा. जैसे अगर रेस्टोरेंट आरा में है तो लिट्टी-चोखा और उदवंत नगर का खुरमा, बिहटा में सोन की मछली और मनेर का लड्डू, झाझा में मटन-चावल समेत अलग-अलग व्यंजन होंगे.

इन रेस्तरां में वेज, नॉन वेज और कॉन्टिनेंटल भोजन परोसा जाएगा. यह यात्रियों की सुविधा के लिए, 24 घंटे खुला रहेगा. मालूम हो कि, प्रमुख रेलवे स्टेशनों पर लोग अब विश्व स्तरीय सुविधाओं का आनंद लेने के अलावा बढ़िया भोजन का मजा भी उठा सकते हैं. भारतीय रेलवे ने अपने पुराने और बेकार ट्रेन डिब्बों को रेस्तरां और होटल व्यवसायियों को पट्टे पर देने की योजना बनाई है, जिसके बाद इनका कायाकल्प हो रहा है.

खास बातें

- दानापुर, राजेंद्रनगर, पाटलिपुत्र, आरा, बक्सर स्टेशन में सर्वे
- हर शहर के लजीज पकवान का उठा सकेंगे लुत्फ

प्रेमी ने दोस्तों संग मिलकर प्रेमिका से किया गैंगरेप

संवाददाता। भागलपुर

भागलपुर के तिलकामांझी थाना क्षेत्र स्थित हवाईअड्डा में एक नाबालिग लड़की के साथ सामूहिक दुष्कर्म की घटना सामने आई है. घटना 11 जुलाई की देर रात की बताई जा रही है, जहां युवती के प्रेमी ने अपने तीन दोस्तों के साथ मिलकर इस शर्मनाक वारदात को अंजाम दिया है. पुलिस को घटना की जानकारी मिलने पर पीड़िता को मेडिकल जांच के लिए 13 जुलाई की देर रात लोकनायक जयप्रकाश सदर अस्पताल लाया गया, जहां पर चिकित्सकों ने पीड़िता की मेडिकल जांच की. घटना के बाबत बताया जा रहा है कि पीड़ित युवती अपने बॉयफ्रेंड से मिलने के लिए भागलपुर पहुंची थी, जहां तिलकामांझी के हवाईअड्डा समीप युवती ने बॉयफ्रेंड से मुलाकात की. आरोपी प्रेमी ने प्रेमिका के आने के पूर्व अपने दोस्तों के साथ दुष्कर्म की साजिश रच ली थी, जिसके बाद देर शाम होने पर प्रेमिका ने वापस घर जाने का समय होने की बात कही तो प्रेमी और उसके तीन अन्य दोस्तों ने मिलकर सामूहिक रूप से दुष्कर्म करने की घटना को अंजाम दिया.

सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक दुष्कर्म के मुख्य आरोपी पुलिस को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है, जबकि मीडिया के सामने पुलिस कुछ भी कहने और गिरफ्तारी की पुष्टि करने से कतरा रही है. वहीं घटना में गैंगरेप की घटना में शामिल अन्य तीन आरोपी अभी भी पुलिस की गिरफ्त से बाहर है.

विधानसभा उपचुनाव में भाजपा की करारी हार पर राजद का तंज

भाजपा की हार को पीएम मोदी मानने को तैयार नहीं : मनोज झा

संवाददाता। पटना

विधानसभा उपचुनाव में 13 में सिर्फ 2 सीटों पर भाजपा उम्मीदवारों की हुई जीत पर राजद ने रविवार को पीएम मोदी पर बड़ा हमला बोला. राजद नेता मनोज झा ने कहा है कि लोकसभा चुनावों के बाद अब विधानसभा उपचुनाव के परिणाम भी भाजपा के पक्ष में नहीं रहे है. लेकिन पीएम मोदी का दिल यह मानने को तैयार नहीं है. एक दिन पहले आए विधानसभा उपचुनाव के नतीजों में भाजपा कई राज्यों में अपनी जीती हुई सीटें भी हार गई. वहीं बिहार में भाजपा की सहयोगी पार्टी जदयू के उम्मीदवार भी निर्दलीय प्रत्याशी से हार गए. अब इसी को लेकर मनोज झा ने भाजपा पर देश को भरोसा नहीं होने की बात कह तंज कसा है.

विधानसभा उपचुनाव के नतीजों पर आरजेडी नेता मनोज झा ने कहा कि जिन दो सीटों पर बीजेपी जीती है, उनमें से एक पर भाजपा उम्मीदवार की जीत का अंतर 1000 वोटों का रहा और दूसरी पर भी लगभग इतना ही अंतर है. और मध्य प्रदेश में भाजपा के टिकट पर जो व्यक्ति चुनाव जीता है, वह हाल तक कांग्रेस में था. उन्होंने कहा कि भाजपा की हार की ये बात लोकसभा में भी साफ थी लेकिन पीएम मोदी का दिल मानने को तैयार नहीं है. मैं बस यही उम्मीद करता हूं कि अब वे शासन समावेशी हो और जनहित के मुद्दों पर बात हो. सबसे बड़ा मुद्दा बेरोजगारी है, वो (बीजेपी) उस पर कभी बात नहीं करते.

वहीं विधानसभा उपचुनाव के नतीजों पर कांग्रेस नेता प्रमोद तिवारी ने भी भाजपा को निशाने पर लिया है. तिवारी ने कहा कि देश भर में हुए 13 विधानसभा उपचुनावों में से बीजेपी 11 हार गई. मध्य प्रदेश में वो बहुत पुनर्मतगणना की मांग को खारिज कर दिया. इससे पता चलता है कि लोगों ने अपना मन बना लिया है. लोगों ने बीजेपी और पीएम के झूठे वादों को खारिज कर दिया है. दरअसल, लोकसभा चुनावों में भाजपा ने अबकी पार 400 पार का नारा दिया था. लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दावों को देश की जनता ने बड़ा झटका दिया और गई. अब विधानसभा उपचुनावों में भी भाजपा को उन जिन जगहों पर हार हुई है उसमें पश्चिम बंगाल में जीती हुई सीट हार गई. इसी तरह हिंदू धर्मावलम्बियों की आस्था के प्रमुख केंद्र बद्रीनाथ में भी भाजपा को हार का सामना करना पड़ा. जिन दो सीटों पर भाजपा जीती है वहां भी जीत का अंतर महज 2000 वोटों के आसपास रहा.

सीएम नीतीश देश के लिए रोल मॉडल : डॉ. मधुरेंद्र

पटना। जदयू नेता डॉ. मधुरेंद्र पांडेय ने कहा कि जनसेवा के व्रत को लंबे समय में जिन्होंने जन विश्वास के बल पर पल्लवित पुष्पित किया हो और जिन्हें आडंबर ने खुद से दूर रखा हो, जो खुद सुशासन का समर्पित योद्धा हो तथा सदा बिहारी विकास का पर्याय हो. ऐसे समर्पित राजनीतिक महारथी को सूबे की जनता सर आंखों पर बैठाती है. बतौर केंद्रीय मंत्री जबतक उन्होंने देश सेवा की, मील का पत्थर साबित किया। सादगी, समर्पण, बिहार में समझौता नहीं करना जिनकी फितरत रही. उन्हें जनता ने उस समय हाथ में कमान दिया. जब बिहार जाति, वर्ग, संप्रदाय तथा उन्माद में कराह रहा था, तब नीतीश कुमार ने खुद के द्वारा विकसित कार्यशैली से एकांपक जन विकास का नया अध्याय शुरू किया. डॉ मधुरेंद्र पांडेय ने कहा कि विश्वास जब सार्थक हो तो काम काज तेजी से होता है. बीते वर्षों से लेकर अब तक बेहतर परिवर्तन और विकास की बातों ने बिहार को नयी दिशा दिया है. शासन की बागडोर पर कोई आंच नहीं आने दिया.

नौ अवैध एंबुलेंस जब्त, कई खामियां उजागर

- नवादा सदर अस्पताल में छापेमारी से मचा हड़कंप

संवाददाता। नवादा

सदर अस्पताल में शनिवार की रात जिला प्रशासन के अधिकारी स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को बगैर सूचना दिए अस्पताल में छापा मारा, जिसके बाद पूरे अस्पताल परिसर में अफरा तफरी का माहौल उत्पन्न हो गया. सबसे ज्यादा निजी एंबुलेंस व दलालों में हड़कंप मच गया. नवादा सदर एसडीएम अखिलेश कुमार, डीटीओ सहित तीन सीनियर डिप्टी कलेक्टर की संयुक्त की टीम ने सदर अस्पताल में देर रात छापा मारा, जहां निरीक्षण के दौरान सदर अस्पताल परिसर में कुल नौ अवैध रूप से निजी एंबुलेंस को जब्त किया गया. कार्रवाई के दौरान सभी एंबुलेंस के ड्राइवर मौके से फरार होने में सफल रहे. जिला प्रशासन ने सभी एंबुलेंस के टायर का हवा निकाल दी और डीटीओ को सभी एंबुलेंस को जब्त करने का आदेश दिया. साथ ही साथ उन सभी एंबुलेंस मालिक पर भी कार्रवाई करने का निर्देश दिया. संयुक्त टीम ने अस्पताल के सभी हिस्सों का निरीक्षण किया, जहां मौके पर खामियां पायी गयीं. जांच के दौरान अस्पताल की सुरक्षा में लगे कई गार्ड अनुपस्थित पाए गए.

ससुराल में नवविवाहिता की मौत, परिजनों ने काटा बवाल

संवाददाता। समस्तीपुर

जिले के मुसरीघरारी थाना क्षेत्र में एक नव विवाहिता की मौत की सूचना मिलते ही मायके वालों ने नव विवाहिता की ससुराल पहुंचकर जमकर हंगामा किया. उन्होंने उसकी मौत को हत्या बताया. मायके वालों ने मौके पर तोड़फोड़ की. वहीं घटना की जानकारी मिलते ही मुसरीघरारी थाना पुलिस मौके पर पहुंचकर काफी मशक्कत के बाद लोगों को शांत कराया. पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेजा, जहां पोस्टमार्टम की प्रक्रिया करने के बाद शव को परिजन के हवाले कर दिया है. घटना के संबंध में मृतक के पिता ने बताया जाता है कि थाना क्षेत्र के लात बेस पुर निवासी अभिषेक कुमार उर्फ चंदन की शादी तीन माह पूर्व चकमेहसी थाना क्षेत्र निवासी रंजीत दास की पुत्री आरती कुमारी के साथ हिंदी रीति रिवाज के अनुसार हुई थी. फिलहाल घटना के बाद ससुराल के सभी लोग फरार हैं. हत्या और आत्महत्या दोनों बिंदु पर पुलिस मामले की तहकीकात में जुट गई है.

हाईटेंशन तार की चपेट में आकर मजदूर की मौत

गोपालगंज। जिले के मांझागढ़ थाना क्षेत्र के कोईनी बाजार में एक मकान निर्माण में लगा एक मजदूर हाई टेंशन तार की चपेट में आ गया, जिससे उसकी मौत हो गई. वहीं पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया. घटना के संदर्भ में बताया जाता है कि मृतक मुन्ना महतो रोज की तरह मजदूरी करने कोईनी बाजार स्थित खलील देवान के यहां गया था, जहां खलील देवान के मार्केट का निर्माण हो रहा था. वह सिर पर निर्माण सामग्री लेकर छज्जा पर जा रहा था. तभी ऊपर से गुजर रहे तार ने उसे अपनी चपेट में ले लिया.

कारोबार

गेल के पूर्व चेयरमैन और एमडी का निधन

नयी दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की गैस कंपनी गेल (इंडिया) लिमिटेड के पूर्व चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक (सीएमडी) सीआर प्रसाद का निधन हो गया है. वे 83 वर्ष के थे. गेल ने 'लिंक्डइन' पर पोस्ट में कहा कि प्रसाद का शनिवार को निधन हो गया. इसमें कहा गया है, डॉ. सीआर प्रसाद 1994 में निदेशक (योजना) के रूप में गेल में शामिल हुए और 1996 में सीएमडी बने थे. वे 2001 में अपनी सेवानिवृत्ति तक कंपनी के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक (सीएमडी) थे.

मर्सिडीज बेंज की भारत के लिए नई योजना

नयी दिल्ली। जर्मनी की लक्जरी कार बनाने वाली कंपनी मर्सिडीज-बेंज न केवल लागत लाभ हासिल करने बल्कि शून्य उत्सर्जन वाले परिवहन और कार्बन निरपेक्षता लक्ष्यों को हासिल करने के लिए देश में अपने संयंत्र में अधिक संख्या में इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) को असेंबल करने की तैयारी कर रही है. कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी. मर्सिडीज-बेंज इंडिया फिलहाल अपने चाकन संयंत्र में अपनी प्रमुख इलेक्ट्रिक लक्जरी सेडान ईक्यूएस को असेंबल करती है.

मैक्रोटेक ने मुंबई, पुणे में जमीन के टुकड़े खरीदे

नयी दिल्ली। घरों की मजबूत मांग को देखते हुए रियल्टी कंपनी मैक्रोटेक डेवलपर्स ने अप्रैल-जून तिमाही के दौरान मुंबई क्षेत्र और पुणे में 11,000 करोड़ रुपये से अधिक की बिक्री क्षमता वाली परियोजनाओं को विकसित करने के लिए, तीन जमीन के टुकड़े (भूखंड) का अधिग्रहण किया है. लोढ़ा ब्रांड के तहत अपनी संपत्तियों का विपणन करने वाली मुंबई स्थित मैक्रोटेक डेवलपर्स दो तरीकों- प्रत्यक्ष खरीद और भूस्वामियों के साथ साझेदारी से भूमि अधिग्रहण कर रही है. मैक्रोटेक डेवलपर्स ने कहा, हमने एमएमआर (मुंबई महानगर क्षेत्र) और पुणे में तीन परियोजनाएं जोड़ीं, जिनका जीडीवी 11,100 करोड़ रुपये है.

बजट सत्र 2024 : सरकार 2047 तक सभी के लिए बीमा के लक्ष्य पर अग्रसर

इस बार पेश हो सकता है बीमा कानून संशोधन विधेयक

भाषा। नयी दिल्ली

सरकार '2047 तक सभी के लिए बीमा' के लक्ष्य को हासिल करने के लिए आगामी बजट सत्र के दौरान बीमा अधिनियम, 1938 में संशोधन करने वाला विधेयक पेश कर सकती है. सूत्रों ने बताया कि संशोधन विधेयक में शामिल किए जा सकने वाले कुछ प्रावधानों में समग्र लाइसेंस, अंतर पूंजी, सॉल्वेंसी मानदंडों में राहत, कैप्टिव लाइसेंस जारी करना, निवेश नियमों में बदलाव, मध्यवर्तियों के लिए एकमुश्त पंजीकरण और बीमा कंपनियों को अन्य वित्तीय उत्पाद वितरित करने की अनुमति देना शामिल है. इस कदम से बैंकिंग क्षेत्र की तरह विभिन्न बीमा कंपनियों के प्रवेश की अनुमति दी जा सकती है. बैंकिंग क्षेत्र को इस समय सार्वभौमिक बैंक, लघु वित्त बैंक और भुगतान बैंक के रूप में वर्गीकृत किया गया है. समग्र लाइसेंस के प्रावधान से जीवन बीमा कंपनियों को स्वास्थ्य बीमा या सामान्य बीमा पॉलिसियों को 'अंडरराइट' करने की अनुमति मिलेगी. बीमा अधिनियम, 1938 के प्रावधानों के अनुसार, जीवन बीमा कंपनियां केवल जीवन बीमा कवर ही दे सकती हैं, जबकि साधारण बीमा कंपनियां स्वास्थ्य, मोटर, आग लगने जैसे गैर-जीवन उत्पाद दे सकती हैं.

इरडा बीमा कंपनियों के लिए समग्र लाइसेंसिंग की अनुमति नहीं देता है. ऐसे में एक बीमा कंपनी एक इकाई के रूप में जीवन और गैर-जीवन, दोनों उत्पाद नहीं दे सकती है. सूत्रों ने बताया कि विधेयक का मसौदा तैयार है और इसे मंजूरी के लिए मंत्रिमंडल के पास भेजा जाना है. उन्होंने कहा कि वित्त मंत्रालय को उम्मीद है कि इसे आगामी सत्र में पेश किया जाएगा.

सूत्रों ने बताया कि प्रस्तावित संशोधन मुख्य रूप से पॉलिसीधारकों के हितों को बढ़ावा देने, पॉलिसीधारकों को मिलने वाले प्रतिफल में सुधार करने, अधिक प्रतिभागियों के प्रवेश को सुगम बनाने, आर्थिक विकास और रोजगार सृजन को बढ़ावा देने, बीमा उद्योग की परिचालन और वित्तीय दक्षता बढ़ाने और कारोबारी सुगमता पर केंद्रित है. वित्त मंत्रालय ने दिसंबर, 2022 में बीमा अधिनियम, 1938 और बीमा विनियामक विकास अधिनियम, 1999 में प्रस्तावित संशोधनों पर टिप्पणियां आमंत्रित की थीं.

खास बातें

- बीमा अधिनियम 1938 में संशोधन हो सकता है
- संशोधन में पॉलिसीधारकों के हितों का ख्याल रहेगा

आयकर छूट की सीमा बढ़ाकर पांच लाख हो : एआईएफटीपी

- अनुपालन को सुगम बनाने के लिए कर ढांचे को सरल बनाने की आवश्यकता पर भी जोर

एजेंसी। नयी दिल्ली

प्रत्यक्ष कर पेशेवरों के एक निकाय ने सरकार से आगामी बजट में आम लोगों पर आयकर का बोझ कम करने का अनुरोध किया है. ऑल इंडिया फेडरेशन ऑफ टैक्स प्रैक्टिशनर्स (एआईएफटीपी) के अध्यक्ष नारायण जैन ने रविवार को कहा कि सरकार को आयकर छूट की सीमा को बढ़ाकर पांच लाख रुपये करना चाहिए. उन्होंने अनुपालन को सुगम बनाने के लिए कर ढांचे को सरल बनाने की आवश्यकता पर भी जोर दिया.

जैन ने वित्त मंत्री को दिये अपने ज्ञापन में कहा, पांच लाख रुपये से 10 लाख रुपये के बीच की आय पर 10 प्रतिशत, 10 लाख रुपये से 20 लाख रुपये के लिए 20 प्रतिशत और 20 लाख रुपये से अधिक की आय पर 25 प्रतिशत कर लगाया जाये.

जैन कलकत्ता सिटीजंस इनिशिएटिव के भी अध्यक्ष

नारायण जैन कलकत्ता सिटीजंस इनिशिएटिव के भी अध्यक्ष हैं. उन्होंने अधिभार और उपकर को समाप्त करने की वकालत करते हुए कहा कि इन्हें जारी रखना उचित नहीं है. इस पर ध्यान देने की जरूरत है. उन्होंने कहा कि सरकार पर्याप्त रूप से यह नहीं बताती है कि शिक्षा उपकर का उपयोग कैसे किया जाता है. उन्होंने कहा कि शिक्षा और चिकित्सा सुविधाएं प्रदान करना सरकार का मौलिक कर्तव्य है. ज्ञापन में अस्पष्ट नकद क्रेडिट, ऋण, निवेश और व्यय पर धारा 115बीबीई के तहत कर की दर का भी उल्लेख किया गया है, जिसे नोटबंदी के दौरान बढ़ाकर 75 प्रतिशत और उपकर कर दिया गया था. जैन ने इस दर को मूल 30 प्रतिशत पर वापस लाने की वकालत की है.

आईओ : ईंधन स्टॉर्म-एक्स का उत्पादन शुरू

भाषा। नयी दिल्ली

भारत की प्रमुख पेट्रोलियम कंपनी इंडियन ऑयल ने एडवेंचर-पेपिंग मोटर रेसिंग में इस्तेमाल होने वाले ईंधन का उत्पादन शुरू किया है और इसकी पहली खेप भेज दी है. कंपनी ने बयान में कहा कि ओडिशा के पारादीप में उसकी रिफाइनरी ने स्टॉर्म-एक्स का उत्पादन शुरू कर दिया है. यह हाई-ऑक्टेन पेट्रोल विशेष रूप से रेसिंग कारों के लिए तैयार किया गया है. इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन (आईओसी) के निदेशक (विपणन) वी सतीश कुमार ने शनिवार को एक कार्यक्रम में स्टॉर्म-एक्स की पहली खेप को रवाना किया. देश की सबसे बड़ी पेट्रोलियम कंपनी आईओसी की ईंधन बाजार में लगभग 40 प्रतिशत हिस्सेदारी है. आईओसी एफ1 रेसिंग में इस्तेमाल होने वाले ईंधन का उत्पादन करने वाली पहली भारतीय कंपनी और वैश्विक स्तर पर चुनिंदा कंपनियों में एक बन गई है.

पीसी ज्वेलर वॉरंट से 2,705 करोड़ जुटाएगी

भाषा। नयी दिल्ली

पीसी ज्वेलर लिमिटेड ने प्रवर्तकों और निवेशकों को तरजीही आधार पर वॉरंट जारी करके 2,705 करोड़ रुपये तक जुटाने की योजना बनाई है. कंपनी ने शेयर बाजार को बताया कि जुटाई गई राशि का इस्तेमाल मुख्य रूप से बैंक कर्ज को चुकाने और कार्यशील पूंजी की जरूरतों को पूरा करने के लिए किया जाएगा. पीसी ज्वेलर के वॉरंट लेकर प्रवर्तक कंपनी में लगभग 850 करोड़ रुपये का निवेश करेंगे. कंपनी ने बताया कि उसके बोर्ड ने तरजीही आधार पर पूरी तरह से परिवर्तनीय वॉरंट के जरिये 2,705.14 करोड़ रुपये तक जुटाने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है. पीसी ज्वेलर के प्रबंध निदेशक बलराम गर्ग ने पीटीआई-भाषा को बताया, इस धनराशि का इस्तेमाल मुख्य रूप से बैंक कर्ज को चुकाने के लिए किया जाएगा. लगभग 75 प्रतिशत कोष का इस्तेमाल बैंक कर्जे को चुकाने और शेष 25 प्रतिशत कार्यशील पूंजी आवश्यकताओं के लिए किया जाएगा.

गुड न्यूज

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री ने पहली तिमाही का आंकड़ा दिया

भारत का निर्यात सकारात्मक : पीयूष गोयल

भाषा। नयी दिल्ली

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा है कि वैश्विक चुनौतियों के बावजूद मई में भारत के निर्यात में अच्छी वृद्धि हुई है और जून तथा पहली तिमाही में यह सकारात्मक रहा है. उन्होंने यह भी कहा कि सेवा क्षेत्र की वृद्धि की वजह से देश के निर्यात को सकारात्मक दायरे में रखने में मदद मिल रही है. गोयल ने पीटीआई-भाषा से कहा, मई में निर्यात सकारात्मक रहा है, जून का और पहली तिमाही का आंकड़ा भी सकारात्मक दायरे में है. मई में भारत का वस्तुओं का निर्यात 9.1 प्रतिशत बढ़कर 38.13 अरब अमेरिकी डॉलर हो गया. चालू वित्त वर्ष में अप्रैल-मई के दौरान निर्यात 5.1 प्रतिशत बढ़कर 73.12 अरब डॉलर रहा है. वाणिज्य मंत्रालय आधिकारिक रूप से जून के निर्यात के आंकड़े 15 जुलाई को जारी करेगा.

मंत्री ने कहा कि रूस-यूक्रेन और इजराइल-हमास युद्ध, लाल सागर संकट और कंटेनर की कमी के मुद्दों के बावजूद हमारा निर्यात सकारात्मक दायरे में है. हमारे साथ एक और लाभ की स्थिति सेवा निर्यात की तेज वृद्धि है. सरकार के डिजिटल इंडिया मिशन से सेवा क्षेत्र को बढ़ावा मिला है. गोयल ने कहा, देश में 4जी और 5जी की पेशकश से भी सेवा निर्यात में मदद मिल रही है. पिछले महीने गोयल ने कहा था कि वैश्विक चुनौतियों के बावजूद चालू वित्त वर्ष में भारत का माल और सेवा निर्यात 800 अरब डॉलर को पार कर जाने की उम्मीद है. वित्त वर्ष 2023-24 में भारत का निर्यात 778.2 अरब डॉलर (वस्तुएं 437.1 अरब डॉलर और सेवाएं 341 अरब डॉलर) रहा था.

देश में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) के बारे में पूछे जाने पर गोयल ने कहा कि एक बार जब अंतरराष्ट्रीय मंदी की स्थिति में सुधार होने लगेगा और अमेरिका और यूरोप में ब्याज दरें कम होने लगेंगी, तो विदेशी निवेश का प्रवाह बढ़ेगा. उन्होंने कहा कि कैसी भी स्थिति है, पर भारत को लगातार एफडीआई मिल रहा है.

भारत, द. कोरिया एफटीए समीक्षा वार्ता 17 से सियोल में

नयी दिल्ली। भारत और दक्षिण कोरिया के बीच मौजूदा मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) का अद्यतन करने के लिए बातचीत आगे बढ़ने के साथ दोनों देशों के वरिष्ठ अधिकारी बुधवार से सियोल में अगले दौर की वार्ता करेंगे. एक अधिकारी ने यह जानकारी दी. इसे व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौता (सीईपीए) कहा जाता है, जनवरी, 2010 में लागू हुआ था. अब तक समीक्षा वार्ता के 10 दौर संपन्न हो चुके हैं. अधिकारी ने बताया कि भारतीय दल अगले दौर की समीक्षा बैठकों के लिए 17-19 जुलाई तक सियोल की यात्रा पर जाएगा. उन्होंने कहा, दोनों पक्ष समझौते को अंतिम रूप देने के लिए 11वें दौर में व्यापक रूपरेखा पर चर्चा करेंगे. दक्षिण कोरिया इस वर्ष वार्ता पूरी करने का इच्छुक है.

शाओमी इंडिया का मुनाफा 77% घटकर 239 करोड़ रुपये

भाषा। नयी दिल्ली

चीन की स्मार्ट उपकरण विनिर्माता शाओमी टेक्नोलॉजी का भारत में मुनाफा वित्त वर्ष 2022-23 में सालाना आधार पर 77 प्रतिशत घटकर 238.63 करोड़ रुपये रह गया है. कंपनी ने 2021-22 में 1,057.7 करोड़ रुपये का मुनाफा कमाया था. शाओमी ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि उसकी परिचालन आय वित्त वर्ष 2022-23 में लगभग 32 प्रतिशत घटकर 26,697 करोड़ रुपये रह गई, जो 2021-22 में लगभग 39,100 करोड़ रुपये थी. शाओमी ने समीक्षाधीन वर्ष के दौरान उत्पादों की बिक्री से 26,395 करोड़ रुपये और सेवाओं की बिक्री से 264 करोड़ रुपये कमाए, जिनमें विज्ञापन और मूल्यवर्धित सेवाएं शामिल हैं.

बाजार शोध कंपनी आईडीसी के अनुसार, कंपनी ने 2022 के दौरान स्मार्टफोन बिक्री में 25 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की, जिसमें वित्त वर्ष 2022-23 की तीन तिमाहियां भी शामिल हैं, जबकि यह अब भी 21 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी के साथ भारतीय स्मार्टफोन बाजार में अग्रणी है. साइबरमीडिया रिसर्च का अनुमान है कि यह सैमसंग (18.6 प्रतिशत) से थोड़ा पीछे है. काउंटरपॉइंट रिसर्च ने इसे 18.8 प्रतिशत बताया है.

करगिल युद्ध के 25 साल : वायुसेना स्टेशन सरसावा में हुए एयर शो में आकाश गंगा टीम, जगुआर, एसयू-30 एमकेएल और राफेल लड़ाकू विमानों ने लिया भाग

वायुसेना ने 'ऑपरेशन सफेद सागर' को याद किया, शहीद नायकों को दी श्रद्धांजलि

एजेंसी। नयी दिल्ली

भारतीय वायुसेना ने 25 साल पहले हुए करगिल युद्ध में अपनी भूमिका को रविवार को याद किया. इसने दुश्मन के खिलाफ लड़ाई में थलसेना के प्रयासों को मजबूत करने के लिए हजारों लड़ाकू मिशन और हेलीकॉप्टर उड़ानों को अंजाम दिया था. रक्षा मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि वायुसेना देश के लिए सर्वोच्च बलिदान देने वाले वीरों के सम्मान में 12-26 जुलाई तक वायुसेना स्टेशन सरसावा में 'करगिल विजय दिवस रजत जयंती' मना रही है. भारत ने 1999 में दुनिया के सबसे ऊंचे युद्धक्षेत्र में लड़ी गई इस लड़ाई में पाकिस्तान को धूल चटा दी थी. वायुसेना प्रमुख एअर चीफ मार्शल वीआर चौधरी ने राष्ट्र की सेवा में अपने प्राण न्योछावर करने वाले सभी वायु योद्धाओं को श्रद्धांजलि के रूप में शनिवार को वायुसेना स्टेशन स्थित युद्ध स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित की. कार्यक्रम के दौरान उन्होंने शहीदों के परिजनों को सम्मानित किया और उनसे बातचीत की. बयान में कहा गया कि इस दौरान एक शानदार एयर शो का आयोजन किया गया जिसमें आकाश गंगा टीम, जगुआर, एसयू-30 एमकेएल और राफेल लड़ाकू विमानों ने भाग लिया. शहीद नायकों की स्मृति में एमआई-17 वी5 हेलीकॉप्टर ने 'मिसिंग मैन फॉर्मेशन' उड़ान भरी. इस अवसर पर चीता और चिनूक जैसे हेलीकॉप्टरों ने भी प्रदर्शन किया. इस दौरान 'एअर वॉरियर ड्रिल टीम' और वायुसेना बैंड ने भी अपनी प्रस्तुतियां दीं. इस कार्यक्रम को पांच हजार से अधिक दर्शकों ने देखा, जिनमें स्कूली बच्चे, सहारनपुर क्षेत्र के स्थानीय निवासी, भूतपूर्व सैनिक, गणमान्य नागरिक और रुड़की, देहरादून तथा अंबाला स्थित रक्षा प्रतिष्ठानों के कर्मी शामिल थे.

वीर वायु योद्धाओं के साहस और बलिदान की गौरवपूर्ण विरासत

बयान के अनुसार, भारतीय वायुसेना के पास अपने वीर वायु योद्धाओं के साहस और बलिदान की गौरवपूर्ण विरासत है जिन्होंने 1999 के करगिल युद्ध में वीरता से लड़ाई लड़ी थी. वास्तव में यह सैन्य विमानन के इतिहास में एक मील का पत्थर था. बयान में कहा गया कि करगिल युद्ध (ऑपरेशन सफेद सागर) 16 हजार फुट से अधिक की खड़ी ढलान और चक्करदार ऊंचाइयों की चुनौतियों का सामना करने की भारतीय वायुसेना की सैन्य क्षमता का प्रमाण है. इसमें कहा गया कि कुल मिलाकर वायुसेना ने लगभग पांच हजार लड़ाकू मिशन, 350 टोही/ईएलआईएनटी मिशन और लगभग 800 एस्कॉर्ट उड़ानें भरीं. भारतीय वायुसेना ने घायलों को सुरक्षित निकालने और हवाई परिवहन कार्यों के लिए दो हजार से अधिक हेलीकॉप्टर उड़ानें भी भरीं. बयान के अनुसार, वायुसेना स्टेशन सरसावा की 152 हेलीकॉप्टर यूनिट, 'द माइटी आर्मर' ने 'ऑपरेशन सफेद सागर' के दौरान महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी.

पुंडीर, मुहिलान, प्रसाद व साहू की वीरता को याद किया गया

28 मई 1999 को 152 एचयू के स्क्वाड्रन लीडर आर पुंडीर, फ्लाइट लेफ्टिनेंट एस मुहिलान, सार्जेंट पीवीएनआर प्रसाद और सार्जेंट आरके साहू को तोलोलिंग में दुश्मन के ठिकानों पर सीधा हमला करने के लिए 'नुबरा' फॉर्मेशन के रूप में उड़ान भरने की जिम्मेदारी दी गई थी. इसमें कहा गया कि इस हवाई हमले को सफलतापूर्वक अंजाम देने के बाद उनके हेलीकॉप्टर को दुश्मन की स्टिंगर मिसाइल ने निशाना बनाया जिसमें चार वीर सैनिकों ने प्राणों का बलिदान दिया और असाधारण साहस के इस कार्य के लिए उन्हें मरणोपरांत वायुसेना पदक (वीरता) से सम्मानित किया गया. बयान में कहा गया कि उनके सर्वोच्च बलिदान ने सुनिश्चित किया कि उनका नाम हमेशा के लिए भारतीय वायुसेना के इतिहास में सुनहरे अक्षरों में लिखा जाएगा. रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता ने करगिल युद्ध में भारतीय सशस्त्र बलों की जीत की रजत जयंती पर एक वीडियो भी 'एक्स' पर पोस्ट किया.

कड़ी प्रतिक्रिया : राष्ट्रपति बाइडन ने कहा-अमेरिका में हिंसा की कोई जगह नहीं है

ट्रंप पर हमले की चौतरफा निंदा

एजेंसी। वाशिंगटन

अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन और पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा, जॉर्ज डब्ल्यू बुश और बिल क्लिंटन ने पेनसिल्वेनिया में एक चुनावी रैली में रिपब्लिकन पार्टी की ओर से राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप की हत्या के प्रयास की निंदा करते हुए कहा कि अमेरिका में हिंसा की कोई जगह नहीं है. घटना के बाद राष्ट्र को संबोधित करते हुए बाइडन ने डेलवेयर में अपने आवास पर पत्रकारों से कहा, 'देखिए, अमेरिका में इस तरह की हिंसा की कोई जगह नहीं है. यह घिनौना है. इससे जाहिर होता है कि क्यों हमें इस देश को एकजुट रखने की आवश्यकता है. हम इसे नजरअंदाज नहीं कर सकते.' ओबामा ने भी हमले की निंदा की और ट्रंप के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की. ओबामा ने कहा, 'हमारे लोकतंत्र में राजनीतिक हिंसा का कोई स्थान नहीं है.' बुश ने कहा कि उन्हें और उनकी पत्नी लॉरा को यह जानकर तसल्ली मिली है कि पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप अपने ऊपर हुए कायरतापूर्ण हमले के बाद सुरक्षित हैं. क्लिंटन ने कहा, 'अमेरिका में हिंसा का कोई स्थान नहीं है, खासकर हमारी राजनीतिक प्रणाली में. उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने कहा, 'हमें यह सुनिश्चित करने का प्रयास करना चाहिए कि यह और हिंसा होने का कारण न बने.' वहीं भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, 'अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर हुए हमले से बहुत आहत हूं. मैं इस जघन्य कृत्य की कड़ी निंदा करता हूं.'

भारतीय-अमेरिकियों ने कहा- ट्रंप पर हमला अमेरिकी लोकतंत्र के इतिहास का एक 'काला अध्याय'

शिकागो। भारतीय मूल के अमेरिकियों ने रिपब्लिकन पार्टी से राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप पर हुए हमले की निंदा करते हुए इसे अमेरिकी लोकतंत्र के इतिहास का एक 'काला अध्याय' करार दिया. भारतीय-अमेरिकी समुदाय के प्रख्यात नेता डॉ. भरत बरई ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, 'हमें पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप पर हुए हमले की जानकारी मिली। यह बहुत दुखद है और लोकतंत्र में इस तरह की हिंसा की उम्मीद नहीं की जाती.' बरई ने कहा, 'लोगों के विचार अलग-अलग होते हैं, उनके राजनीतिक और आर्थिक विचार भी अलग-अलग होते हैं। उन्हें अपने विचारों को मतदान के जरिए व्यक्त करना चाहिए.' सिख अमेरिकन्स फॉर ट्रंप' के अध्यक्ष जसदीप सिंह जस्सी ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, 'यह अमेरिका के लोकतंत्र में एक काला अध्याय है.' डेमोक्रेटिक पार्टी के उप राष्ट्रीय वित्त प्रमुख एवं राष्ट्रपति जो बाइडन के प्रबल समर्थक अजय भूटोरिया ने कहा, 'हमले के सभी पहलुओं और विवरणों की गहन जांच की जानी चाहिए. क्या इस हमले के पीछे किसी विदेशी संगठन का हाथ है, जिसका मकसद अलग-अलग राजनीतिक विचार रखने वाले अमेरिकियों के बीच मतभेद और विभाजन पैदा करना है, ताकि हमारी राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरा पहुंचाया जा सके.' न्यूयॉर्क स्थित रियल एस्टेट निवेशक और ट्रंप के परिवार के मित्र अल मेसन ने कहा, 'रिपब्लिकन पार्टी से राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप पर हुआ हमला उन्हें फिर से राष्ट्रपति बनने से नहीं रोक सकता.'

लोकतंत्र के समक्ष राजनीतिक हिंसा से उत्पन्न खतरे की 'गंभीर चेतावनी'

एजेंसी। वाशिंगटन

अमेरिकी मीडिया ने पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर हुए हमले को रविवार को 'भयावह क्षण' करार दिया और कहा कि यह देश में लोकतंत्र के समक्ष राजनीतिक हिंसा से उत्पन्न होने वाले खतरे की 'गंभीर चेतावनी' है. ट्रंप (78) पर शनिवार को पेनसिल्वेनिया में एक चुनावी रैली के दौरान एक युवा हमलावर ने गोली चलाई, जो उनके दाहिने कान के ऊपरी हिस्से में लगी. 'द न्यूयॉर्क टाइम्स' ने कहा कि शनिवार को अमेरिकियों को हमारे लोकतंत्र के समक्ष मौजूद राजनीतिक हिंसा के खतरे की चेतावनी मिली. समाचार पत्र ने कहा, 'अब दोनों दलों के नेताओं और व्यक्तिगत व सामूहिक रूप से अमेरिकियों की यह जिम्मेदारी है कि वे हिंसा और इसे बढ़ावा देने वाले भड़काऊ बयानों का विरोध करें. अमेरिकियों को भी इस चुनौती के बारे में स्पष्ट रूप से सोचना चाहिए जिसका सामना यह देश कर रहा है. शनिवार की घटना को अपवाद नहीं माना जा सकता. हिंसा अमेरिकी राजनीति को संक्रमित व प्रभावित कर रही है.' 'द वॉल स्ट्रीट जनरल' ने कहा कि हत्या का प्रयास अमेरिका के लिए एक भयावह क्षण है जो इससे भी बदतर हो सकता था, लेकिन हम यह नहीं कह सकते कि यह पूरी तरह से आश्चर्यजनक है. राजनीतिक शत्रुता और घृणास्पद बयानबाजी एक ऐसे स्तर पर पहुंच गई है, जिसकी वजह से अमेरिका में हिंसा व हत्या के प्रयास हुए हैं और हममें से कुछ लोगों को अब भी 1968 की घटना अच्छी तरह याद है. हमलावर अपने किए के लिए खुद ही जिम्मेदार है, लेकिन दोनों पक्षों के नेताओं को चुनाव के दौरान भड़काऊ बातें कहनी बंद कर देनी चाहिए, अगर कोई एक उम्मीदवार चुनाव जीत जाता है तो लोकतंत्र खत्म नहीं होगा. समाचार पत्र ने कहा, 'अगर ट्रंप जीतते हैं तो देश में तानाशाही नहीं आ जाएगी.' सीएनएन ने एक लेख में कहा कि एक पूर्व राष्ट्रपति और नवंबर में होने वाले चुनाव में रिपब्लिकन पार्टी की ओर से नामांकन स्वीकार करने से कुछ ही दिन पहले एक चुनावी रैली में ट्रंप को निशाना बनाया जाना निश्चित रूप से लोकतंत्र और अपना नेता चुनने के प्रत्येक अमेरिकी के अधिकार पर हमला है.

चार राष्ट्रपतियों की हत्या की गयी, कई अन्य पर हुए थे हमले

वाशिंगटन। अमेरिका के 45वें राष्ट्रपति रहे डोनाल्ड ट्रंप पर शनिवार को हुए जानलेवा हमले से पहले भी इस देश में राष्ट्रपतियों, पूर्व राष्ट्रपतियों और प्रमुख दलों के राष्ट्रपति पद के उम्मीदवारों को निशाना बनाने की कई घटनाएं हो चुकी हैं. वर्ष 1776 से देश के राजनीतिक इतिहास में हत्या और हत्या के प्रयासों की कुछ ऐसी ही घटनाएं इस प्रकार हैं :

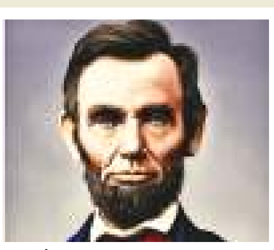

16वें राष्ट्रपति अब्राहम लिंकन.

35वें राष्ट्रपति जॉन एफ केनेडी.

अमेरिका के 16वें राष्ट्रपति अब्राहम लिंकन : अब्राहम लिंकन अमेरिका के पहले राष्ट्रपति थे, जिनकी जॉन वाइक्स बूथ ने 14 अप्रैल 1865 की गोली मार कर हत्या कर दी थी. घटना के दौरान वह अपनी पत्नी मेरी टॉड लिंकन के साथ वाशिंगटन के फोर्ड थियेटर में 'अवर अमेरिकन कजिन' नाटक देख रहे थे.

अमेरिका के 20वें राष्ट्रपति एम्स गारफील्ड : गारफील्ड देश के दूसरे राष्ट्रपति थे जिनकी कार्यभार संभालने के छह महीने बाद हत्या कर दी गयी थी. वह दो जुलाई 1881 को वाशिंगटन में एक ट्रेन स्टेशन की ओर जा रहे थे तभी चार्ल्स गितेऊ ने उन्हें गोली मार दी थी.

अमेरिका के 25वें राष्ट्रपति विलियम मैकिनले : मैकिनले को छह सितंबर 1901 में न्यूयॉर्क के बफेलो में तब गोली मारी गई थी जब वह भाषण देने के बाद लोगों से हाथ मिला रहे थे. एक व्यक्ति ने नजदीक से उनकी छाती में दो गोली मारी. मैकिनले की 14 सितंबर 1901 में मौत हो गयी थी. उनके बाद उपराष्ट्रपति थियोडर रूजवेल्ट देश के राष्ट्रपति बने थे. अमेरिका के 32वें राष्ट्रपति फ्रेंकलिन डी. रूजवेल्ट : रूजवेल्ट ने मियामी में एक खुली कार से भाषण दिया ही था कि तभी गोलियां चलने की आवाज सुनायी दी. फरवरी 1933 में हुई इस घटना में रूजवेल्ट घायल नहीं हुए लेकिन इसमें शिकागो के मेयर एंटन कर्माक की जान चली गयी.

अमेरिका के 33वें राष्ट्रपति हैरी एस. ट्रुमैन : ट्रुमैन नवंबर 1950 में वाशिंगटन के ब्लेयर हाउस में थे तभी दो बंदूकधारी उसमें घुस गए थे. बंदूकधारियों के साथ गोलीबारी में ट्रुमैन तो बच गए थे लेकिन व्हाइट हाउस का एक पुलिसकर्मी और एक हमलावर मारा गया था. व्हाइट हाउस के दो अन्य पुलिसकर्मी घायल हो गए थे.

अमेरिका के 35वें राष्ट्रपति जॉन एफ. केनेडी : केनेडी नवंबर 1963 में जब प्रथम महिला जैकलीन केनेडी के साथ डलास गए थे तो एक बंदूकधारी ने घात लगाकर उन पर हमला कर दिया था. केनेडी को तुरंत अस्पताल ले जाया गया लेकिन उनकी मौत हो गयी थी.

अमेरिका के 38वें राष्ट्रपति गेराल्ड फोर्ड : फोर्ड पर 1975 में कुछ ही हफ्तों के भीतर दो जानलेवा हमले हुए थे. वे दोनों घटना में बच गए.

अमेरिका के 40वें राष्ट्रपति रोनाल्ड रीगन : रीगन मार्च 1981 में वाशिंगटन में भाषण देकर निकल रहे थे तभी भीड़ में शामिल जॉन हिंकले जूनियर ने उन्हें गोली मार दी. वह उपचार के बाद स्वस्थ हो गए थे.

अमेरिका के 43वें राष्ट्रपति जॉर्ज डब्ल्यू बुश : बुश 2005 में जॉर्जिया के राष्ट्रपति मिखाइल साकाश्विली के साथ एक रैली में भाग ले रहे थे तभी उनकी ओर एक हथगोला फेंका गया. हथगोला फटा नहीं था और कोई भी हताहत नहीं हुआ था.

राष्ट्रपति पद के प्रत्याशी थियोडोर रूजवेल्ट : पूर्व राष्ट्रतपि रूजवेल्ट को 1912 में मिलवाकी में प्रचार के दौरान गोली मारी गयी थी. उन्हें इस हमले में कोई गंभीर चोट नहीं आयी थी. राष्ट्रपति पद के प्रत्याशी रॉबर्ट एफ. केनेडी : केनेडी डेमोक्रेटिक पार्टी की ओर से राष्ट्रपति पद के प्रत्याशी बनने की दौड़ में शामिल थे तभी 1968 में लॉस एंजिलिस में उनकी गोली मारकर हत्या कर दी गयी थी.

राष्ट्रपति पद के प्रत्याशी जॉर्ज सी. वालेस : वालेस डेमोक्रेटिक पार्टी की ओर से राष्ट्रपति पद की उम्मीदवारी की दौड़ में शामिल थे तभी 1972 में मैरीलैंड में प्रचार अभियान के दौरान उन्हें गोली मारी गयी थी. इसके कारण उन्हें कमर के निचले हिस्से में लकवा मार गया था.

आठ करोड़ नई नौकरियों के सृजन के दावे पर खरगे ने मोदी को दिखाया आईना

- कांग्रेस अध्यक्ष ने पूछा-एनआरए ने चार वर्षों में एक भी परीक्षा का आयोजन क्यों नहीं किया?

एजेंसी। नयी दिल्ली

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने रविवार को आरोप लगाया कि भाजपा-आरएसएस ने 'शिक्षा प्रणाली को नष्ट करने' का बीड़ा उठाया है. उन्होंने पूछा कि राष्ट्रीय भर्ती एजेंसी (एनआरए) ने पिछले चार वर्षों में एक भी परीक्षा क्यों आयोजित नहीं की है.

खरगे की प्रतिक्रिया प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की शनिवार को मुंबई में की गई उस टिप्पणी पर आई है, जिसमें उन्होंने जोर दिया था कि पिछले तीन से चार वर्षों में आठ करोड़ नई नौकरियों के सृजन ने बेरोजगारी के बारे में फर्जी बातें फैलाने वालों को 'चुप' कर दिया है. खरगे ने 'एक्स' पर कहा, 'नरेंद्र मोदी जी, कल आप मुंबई में नौकरियां देने पर झूठ का मायाजाल बुन रहे थे. मैं आपको पुनः याद दिलाना चाहता हूं कि आपने एनआरए की घोषणा करते हुए क्या कहा था.' उन्होंने कहा, 'अगस्त 2020 में आपने कहा था कि एनआरए करोड़ों युवाओं के लिए वरदान साबित होगी और सामान्य पात्रता परीक्षा के माध्यम से, यह कई परीक्षाओं को समाप्त कर देगा तथा कीमती समय के साथ-साथ संसाधनों की भी बचत करेगा. इससे पारदर्शिता को भी बड़ा बढ़ावा मिलेगा.' कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, 'हमारे 3 सवाल हैं - एनआरए ने पिछले चार वर्षों से एक भी परीक्षा क्यों नहीं कराई? क्यों एनआरए को 1,517.57 करोड़ रुपये का फंड मुहैया कराने के बावजूद, 4 वर्षों में अब तक केवल 58 करोड़ रुपये खर्चा किया गया है? एनआरए सरकारी नौकरियों की भर्ती के लिए बनी संस्था थी. क्या जानबूझकर एनआरए को निष्क्रिय रखा गया, ताकि एससी, एसटी, ओबीसी व ईडब्ल्यूएस श्रेणी के युवाओं से उनके आरक्षण का हक छीना जा सके?'

शिक्षा प्रणाली को तहस-नहस व युवाओं के भविष्य को तंग-तबाह करने का बीड़ा उठाया है भाजपा ने

खरगे ने आरोप लगाया कि एनटीए के जरिये 'धांधली, पेपर लीक व घोटाला कराया गया' और एनआरए से परीक्षा ही नहीं करवाई गई. एनटीए नीट-यूजी जैसी राष्ट्रीय प्रतियोगी परीक्षाओं में अनियमितताओं के आरोपों को लेकर विवाद में है. खरगे ने आरोप लगाया कि शिक्षा प्रणाली को तहस-नहस करने का और युवाओं के भविष्य को तंग-तबाह करने का बीड़ा भाजपा-आरएसएस ने उठाया है. उन्होंने कहा, 'हमने एनआरए का मुद्दा पहले भी उठाया था, पर मोदी सरकार मौनव्रत धारण कर के बैठी हुई है.' कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने 'एक्स' पर पोस्ट में एक मीडिया रिपोर्ट का हवाला दिया, जिसमें दावा किया गया था कि एनआरए पिछले चार वर्षों में 58 करोड़ रुपये खर्च करने के बावजूद एक भी परीक्षा आयोजित नहीं कर पाई है. रमेश ने कहा, 'केंद्र सरकार ने 2020 में युवाओं के लिए 'एक देश, एक परीक्षा' की घोषणा की और इसकी जिम्मेदारी बड़े जोर-शोर से एनआरए को सौंप दी.' रमेश ने कहा, 'लेकिन, यह एजेंसी पिछले चार वर्षों में 58 करोड़ रुपये खर्च करने के बावजूद एक भी परीक्षा आयोजित नहीं कर पाई है.'

हाल के दशक में अर्जित शैक्षिक बढ़त पर पानी फिरने का खतरा

एजेंसी। नयी दिल्ली

यूनेस्को की रिपोर्ट

- जलवायु परिवर्तन शैक्षिक परिणाम को बाधित कर रहा, पढ़ाई का नुकसान बढ़ रहा

जलवायु संबंधी तनाव जैसे कि गर्मी, जंगल की आग, बाढ़, सूखा, बीमारियां और बढ़ते समुद्री जलस्तर ने शैक्षिक परिणामों पर विपरीत प्रभाव डाला है जिससे हाल के दशक में अर्जित शैक्षिक बढ़त पर पानी फिर जाने का खतरा उत्पन्न हो गया है. वैश्विक शिक्षा निगरानी रिपोर्ट (जीईएम) में यह दावा किया गया है. वैश्विक रिपोर्ट को संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संगठन (यूनेस्को), 'मॉनिटरिंग एंड इवैल्यूएटिंग क्लाइमेट कम्युनिकेशन एंड एजुकेशन' (एमईसीई) परियोजना और कनाडा के सस्केचेवान विश्वविद्यालय द्वारा संकलित किया गया है. रिपोर्ट में इंगित किया गया है कि अधिकांश निम्न और मध्यम आय वाले देशों में हर साल जलवायु से संबंधित घटनाओं के कारण स्कूल बंद हो रहे हैं, जिससे पढ़ाई के नुकसान और विद्यार्थियों के स्कूल छोड़ने की आशंका बढ़ रही है. रिपोर्ट में कहा गया है, 'जलवायु परिवर्तन से संबंधित प्रभाव पहले से ही शिक्षा प्रणालियों और परिणामों को बाधित कर रहे हैं. प्रत्यक्ष प्रभावों में शिक्षा के बुनियादी ढांचे के विनाश के साथ-साथ छात्रों, अभिभावकों और स्कूल कर्मचारियों का मौत और चोट की चपेट में आना शामिल है.' इसमें कहा गया है कि विस्थापन और लोगों की आजीविका और स्वास्थ्य पर विपरीत प्रभाव के रूप में जलवायु परिवर्तन का अप्रत्यक्ष रूप से शिक्षा पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है.

रिपोर्ट के मुताबिक, 'पिछले 20 वर्षों में चरम मौसम की कम से कम 75 प्रतिशत घटनाओं में स्कूल बंद कर दिए गए, जिससे 50 लाख या उससे अधिक लोग प्रभावित हुए. बाढ़ और चक्रवात सहित लगातार प्राकृतिक आपदाओं के कारण छात्रों और शिक्षकों की मृत्यु हुई है और इसने स्कूलों को क्षतिग्रस्त और नष्ट कर दिया.' इसमें बताया गया कि गर्मी से पीड़ित बच्चों के शैक्षिक परिणामों पर महत्वपूर्ण हानिकारक प्रभाव पड़ता है. वर्ष 1969 और 2012 के बीच 29 देशों में जनगणना और जलवायु डेटा को जोड़ने वाले एक विश्लेषण से पता चला है कि प्रारंभिक जीवन काल के दौरान औसत से अधिक तापमान के संपर्क में आने का संबंध स्कूली शिक्षा के कम वर्षों से है खासकर दक्षिण पूर्व एशिया में.

बसपा नेता हत्याकांड के आरोपी को चेन्नई में पुलिस ने मार गिराया

चेन्नई। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की तमिलनाडु इकाई के प्रमुख के. आर्मस्ट्रांग की हत्या के एक प्रमुख आरोपी ने रविवार को यहां पुलिसकर्मियों पर हमला कर दिया और हिरासत से भागने की कोशिश की, जिस दौरान उसे मार गिराया गया. पुलिस ने यह जानकारी दी. पुलिस ने बताया कि जब आरोपी के. थिरुवेंगदम को जांच के तहत उत्तरी चेन्नई के एक स्थान पर ले जाया गया, तो उसने एक पुलिसकर्मी पर हमला कर भागने की कोशिश की, जिसके बाद एक पुलिस अधिकारी ने उसपर गोली चलाई. थिरूवेंगदम को बसपा नेता की हत्या में इस्तेमाल किये जाने के बाद छिपाकर रखे गये हथियारों की तलाश करने के लिए वहां ले जाया गया था. पुलिस ने बताया कि आरोपी को अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया. थिरुवेंगदम (30), बसपा नेता आर्मस्ट्रांग की हत्या के मामले में गिरफ्तार किये गए 11 आरोपियों में से एक था और वह एक कुख्यात अपराधी था. यहां की एक अदालत ने कुछ ही दिन पहले सभी आरोपियों को पांच दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया था. आर्मस्ट्रांग की यहां पांच जुलाई को एक गिरोह ने हत्या कर दी थी,

पहल अधिकारियों ने कहा-आभूषणों, मूल्यवान वस्तुओं की सूची बनेगी, भंडार गृह की मरम्मत भी होगी

पुरी के जगन्नाथ मंदिर का रत्न भंडार 46 साल बाद फिर से खुला

एजेंसी। भुवनेश्वर

ओडिशा के पुरी में स्थित 12वीं सदी के जगन्नाथ मंदिर का 'रत्न भंडार' 46 साल बाद रविवार दोपहर को फिर से खोला गया. अधिकारियों ने यह जानकारी दी. अधिकारियों ने बताया कि आभूषणों, मूल्यवान वस्तुओं की सूची बनाने और भंडार गृह की मरम्मत करने के लिए रत्न भंडार को खोला गया है. इसके पहले 1978 में इसे खोला गया था. उन्होंने बताया कि राज्य सरकार द्वारा गठित समिति के सदस्यों ने दोपहर करीब 12 बजे मंदिर में प्रवेश किया और अनुष्ठान करने के बाद रत्न भंडार पुनः खोला गया. ओडिशा में हाल ही में हुए विधानसभा चुनाव में रत्न भंडार को पुनः खोलना एक बड़ा राजनीतिक मुद्दा था. भाजपा ने तत्कालीन सत्तारूढ़ बीजू जनता दल (बीजद) पर इसकी खोई हुई चाबियों को लेकर निशाना साधा था और लोगों से वादा किया था कि अगर वह चुनाव जीतती है तो रत्न भंडार को फिर से खोलने का प्रयास करेगी. ओडिशा के मुख्यमंत्री कार्यालय द्वारा सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा गया, 'भगवान जगन्नाथ की इच्छा पर उड़िया समुदाय ने 'उड़िया अस्मिता' की पहचान के साथ आगे बढ़ने की कोशिशें शुरू कर दी हैं.' इसमें कहा गया, 'आपकी इच्छा पर ही जगन्नाथ मंदिर के चारों द्वार खोले गए थे. आज आपकी इच्छा पर ही 46 साल बाद रत्न भंडार को एक बड़े उद्देश्य के लिए दोपहर एक बजकर 28 मिनट पर शुभ घड़ी पर खोला गया.' रत्न भंडार को खोलते समय 11 लोग मौजूद थे, जिसमें उड़ीसा उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश विश्वनाथ रथ, श्री जगन्नाथ मंदिर प्रशासन के मुख्य प्रशासक अरबिंद पाधी, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के अधीक्षक डीबी गड़नायक और पुरी के नाममात्र राजा 'गजपति महाराजा' के एक प्रतिनिधि शामिल थे. पाधी ने कहा कि रत्न भंडार पुनः खोल दिया गया है, लेकिन मूल्यवान वस्तुओं की सूची तत्काल नहीं बनाई जाएगी.

रत्न भंडार खोलने से पहले मंदिर के अंदर स्पेशल बॉक्स ले जाते लोग.

रत्न भंडार की बहुमूल्य वस्तुओं की डिजिटल सूची तैयार करने का निर्णय

पाधी ने बताया कि रत्न भंडार के बाहरी कक्ष की तीन चाबियां उपलब्ध थीं जिनमें से एक गजपति महाराज के पास, दूसरी एसजेटीए के पास और तीसरी एक सेवक के पास थी. उन्होंने बताया कि आंतरिक कक्ष की चाबी गायब है, हालांकि उसे नई चाबी से खोलने के बाद सील कर दिया जाएगा तथा जिलाधिकारी की निगरानी में नई चाबी को जिला कोषागार में रखा जाएगा. रत्न भंडार में रखे गए कीमती सामान को ले जाने के लिए लकड़ी के छह संदूक मंदिर में लाए गए हैं. इन संदूकों के अंदरूनी हिस्से में पीतल लगा हुआ है. एक अधिकारी ने बताया कि सागवान की लकड़ी से बने ये संदूकें 4.5 फुट लंबी, 2.5 फुट ऊंची और 2.5 फुट चौड़ी हैं. इन संदूकों को बानने वाले एक कारीगर ने बताया, 'मंदिर प्रशासन ने 12 जुलाई को हमें ऐसी 15 संदूकें बनाने के लिए कहा था. 48 घंटे की मेहनत के बाद हमने छह संदूक बनाई थीं.' एक अन्य अधिकारी ने बताया कि सरकार ने रत्न भंडार में मौजूद बहुमूल्य वस्तुओं की डिजिटल सूची तैयार करने का निर्णय लिया है, जिसमें उनके वजन और निर्माण आदि का विवरण दिया जाएगा. एएसआई के अधीक्षक गड़नायक ने बताया कि रत्न भंडार की मरम्मत करने के लिए मैकेनिकल, सिविल और ढांचागत निर्माण कार्य से जुड़े कई अभियंता निरीक्षण करेंगे.

केपी शर्मा ओली नेपाल के नए प्रधानमंत्री नियुक्त, शपथ आज

एजेंसी। काठमांडू

नेपाल में सीपीएन-यूएमएल पार्टी के अध्यक्ष केपी शर्मा ओली को नयी गठबंधन सरकार का नेतृत्व करने के लिए रविवार को तीसरी बार देश का प्रधानमंत्री नियुक्त किया गया. ओली (72) ने पुष्प कमल दाहाल 'प्रचंड' की जगह ली है, जो शुक्रवार को प्रतिनिधि सभा में विश्वास मत हार गए थे. इसके बाद संविधान के अनुच्छेद 76 (2) के अनुसार नयी सरकार के गठन की प्रक्रिया शुरू हुई. राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल ने ओली को नेपाल-यूनीफाइड मार्क्सिस्ट लेनिनिस्ट (सीपीएन-यूएमएल) और नेपाली कांग्रेस गठबंधन सरकार का नया प्रधानमंत्री नियुक्त किया. ओली नयी मंत्रिपरिषद के साथ सोमवार को शपथ लेंगे. शुक्रवार देर रात ओली ने नेपाली कांग्रेस के अध्यक्ष शेर बहादुर देउबा के समर्थन से सरकार बनाने का दावा पेश किया और प्रतिनिधि सभा के 165 सदस्यों के हस्ताक्षर वाला समर्थन पत्र सौंपा, जिसपर उनकी पार्टी से 77 तथा नेपाली कांग्रेस से 88 सदस्यों के दस्तखत थे. ओली ने इससे पहले 11 अक्टूबर 2015 से तीन अगस्त 2016 तक और फिर पांच फरवरी 2018 से 13 जुलाई 2021 तक नेपाल के प्रधानमंत्री के रूप में कार्य किया था.

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राईवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, सिमलिया, रिंग रोड, पीएस-रातू, रांची - 835222 से मुद्रित तथा 304-305 समृद्धि स्क्वायर, किशोरगंज चौक, हरमू रोड, रांची- 834001, झारखंड द्वारा प्रकाशित.
संपादक - **सुरजीत सिंह**, स्थानीय संपादक - **संजय सिंह***. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - **JHAHIN/2023/84487** (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)